



वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2012-2013

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला

North Zone Cultural Centre, Patiala

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2012-2013



उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला
North Zone Cultural Centre, Patiala

अनुक्रमणिका

क्रम० सं०	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	5
2.	उद्देश्य	8
3.	संस्था के प्रबन्धीय अंग	9
4.	कॉरपस निधि	11
5.	वर्ष 2012-13 के दौरान गतिविधियाँ	12
6.	गुरु शिष्य परम्परा योजना	37
7.	अभिलेखन एवं प्रकाशन	39
8.	कलाग्राम	40
9.	वार्षिक लेखा 2012-13	53
10.	ऑडिट प्रमाण पत्र / ऑडिट रिपोर्ट	58

English Version :

1.	Index	63
2.	Contents	65-129



1 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र - एक परिचय

- 1 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र- भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार उपक्रम का उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा नवम्बर 1985 में किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य जम्मू -कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की विभिन्न एवं अद्वितीय कलाओं को सहेजना, विकास एवं विस्तार करना और उसे अभिन्न रूप प्रदान करना है। देश की विशाल एवं विभिन्न संस्कृतियों जैसे संगीत, नाटक, साहित्य ललित कला-चित्रकलाएँ, सूक्ष्म चित्रकला, लेखन, मूर्तिकला एवं शिल्पकला के अतिरिक्त भी अन्य कलाओं आदि के संयोजन एवं पुनर्जीवित करने, स्तरीय निर्माण करने, विकसित एवं विस्तृत करने, लोकप्रिय बनाने और परस्पर समस्त भारतवर्ष में विस्तार के प्रयास हेतु इस केन्द्र की स्थापना की गई थी, ताकि कला के विभिन्न स्वरूपों को सामूहिक प्रयास द्वारा भारत की सांस्कृतिक विरासत के रूप में एक मिश्रित पहचान दी जा सके।
- 2 इस केन्द्र का पंजीकरण एक संस्था के रूप में पंजीकरण समिति के अधिनियम 1860 के अधीन करवाया गया। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय ही इसका मुख्य संचालक है जिसके सहयोग एवं दिशा-निर्देशानुसार यह केन्द्र कार्यरत रहता है। इस केन्द्र की शासकीय सभा के अध्यक्ष महामहिम राज्यपाल, पंजाब हैं।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा उद्देश्यों की पूर्ति हेतु की जा रही गतिविधियाँ:-

- 3 अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने वृहत् संख्या में अनेक गतिविधियों का संचालन किया है जैसे कि मेले व त्योहारों, पेंटिंग-शिविरों, रंगमंच कार्यशालाओं, लोक-नृत्यों की कार्यशालाएं, लोक गीत-संगीत, लोक वाद्यों, लोक नृत्य/संगीत, चित्रकला एवं रंगमंच में बच्चों विशेषतः मलिन क्षेत्रों के बच्चों की कार्यशालाओं आदि का आयोजन। प्रत्येक वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों, सैनिक छावनी क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों, सीमांत क्षेत्रों, क्षेत्र के सदस्य राज्यों के उपमंडल/ज़िला/राज्य मुख्यालयों पर उच्चस्तरीय प्रस्तुतियों पर बल दिया जाता है। इस केन्द्र ने प्रलेखन के रूप में विभिन्न कलाओं का निरूपण भी किया है। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने न



केवल राष्ट्रस्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अर्न्तगत विदेशों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

- 4 कुछ विख्यात मेलों व तीज-त्योहारों जिनमें उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने लगातार अपनी प्रतिभागिता करते हुए लोक नृत्य, लोक गीत एवं संगीत का प्रदर्शन किया है जैसे हिमाचल प्रदेश के चम्बा में 'मिज़र मेला', उत्तराखण्ड के जोगेश्वर धाम में 'श्रावणी मेला', पंजाब के बबेहाली में 'छिंज मेला', पंजाब के फरीदकोट में 'बाबा शेख फरीद आगमन पर्व', हिमाचल प्रदेश के रिकोंग पियो में 'किन्नौर महोत्सव', हिमाचल प्रदेश के बैजनाथ और मंडी में 'शिवरात्रि महोत्सव', हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 'कुरुक्षेत्र उत्सव-गीता जयन्ती समारोह' तथा कलाग्राम-मनीमाजरा (चंडीगढ़) में 'रागणी व सांग उत्सव'।
- 5 भारत सरकार के संस्कृति विभाग ने 'गुरु-शिष्य परम्परा योजना' का आरम्भ क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से किया ताकि लुप्तप्रायः एवं दुर्लभ शास्त्रीय व लोक/जनजाति कलाओं को संरक्षित व विकसित किया जा सके और युवा वर्ग कला के वांछित क्षेत्र को क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों की छात्रवृत्ति से सम्बन्धित क्षेत्र के विशेषज्ञ एवं निपुण व्यक्तित्वों से शिक्षा ग्रहण कर सकें और युवा प्रतिभा का पोषण हो सके।

अभिलेखन एवं प्रकाशन

- 6 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने अभिलेखन के क्षेत्र में उत्तम कार्य किया है। पारम्परिक कलाओं यथा लोक रंगमंच, लोक संगीत एवं वाद्ययंत्रों की लुप्तता के दृष्टिगत मानव विज्ञानियों, संगीतकारों एवं अन्य व्यवसायिक विशेषज्ञों की सहायता से अभिलेखन करवा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने श्रवण-दृष्टि अभिलेखन करवाया। केन्द्र के पास 200 से अधिक चल चित्रों का संकलन है जिनमें विशिष्ट मेलों, समारोहों, शिल्प मेलों, लोक कलाओं, लोक वाद्यों, विशिष्ट विभूतियों, संग्रहालयों, मंदिरों, कला प्रदर्शनियों के अतिरिक्त ग्रामीण जीवन पद्धतियों के स्वरूप आदि का विशेष संकलन उपलब्ध है।
- 7 इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं पर भी क्षेत्रीय भाषाओं में विद्वानों से लेखन कार्य भी करवाया गया है।

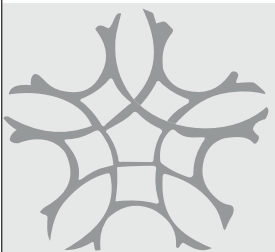


- 8 वर्षों से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र विविध कार्यक्रमों/गतिविधियों को आयोजित करती आ रही है जिसमें लोक कला व संस्कृति की सभी विधाओं जैसे-मेले व उत्सव, रंगमंच उत्सव व कार्यशालाएँ, चित्रविद्या शिविरों व प्रदर्शनियाँ, लोक नृत्य/संगीत/वाद्य/गायन पर कार्यशालाएँ आदि। ये कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों, सैनिक छावनी क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थाओं, सीमावर्ती ज़िलों, सुदूर क्षेत्रों और केन्द्र से सम्बद्ध राज्यों के उपमंडल/ज़िला/राज्य मुख्यालयों पर आयोजित किए गए हैं।



2 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के उद्देश्य

- (क) उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में सम्मिलित राज्यों जम्मू व कश्मीर, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान एवं केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ की कलाओं- संगीत, नाटक, ललित कला (चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक्स, छायाकारी, मृत्तिका पात्र निर्माण एवं ललित कला से सम्बन्धित अन्य कलाएँ) को संरक्षण, विकास व प्रोत्साहन प्रदान करना केन्द्र का मुख्य उद्देश्य है। क्षेत्र के लोगों की चेतना की वृद्धि एवं विकास प्रदान करना तथा अपनी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति सजग करना इस केन्द्र का मुख्य ध्येय है।
- (ख) उन कार्यक्रमों व क्रियाओं को विशेष प्रोत्साहन देना जिन से विभिन्न क्षेत्रों की मिश्रित सांस्कृतिक विरासत को अधिक शक्ति मिले।
- (ग) लोक व जनजाति कलाओं को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष प्रयास करना एवं लुप्त हो रही कलाओं के संरक्षण के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करना।
- (घ) ऐसे कार्यक्रम तैयार करना जिससे राज्य/क्षेत्र के युवा देश के अन्य भागों के युवाओं के साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत से सम्बन्धित विचार गोष्ठियों, परस्पर आदान-प्रदान संस्कृति एवं कार्यशालाओं के माध्यम से एक दूसरे से सांस्कृतिक संवाद स्थापित कर जुड़ा हुआ अनुभव कर सके।
- (च) ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना जिनसे अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक सम्बन्धों को सुदृढ़ता एवं प्रोत्साहन मिले। जिसके लिए केन्द्र द्वारा उपकेन्द्र स्थापित करना भी शामिल है।
- (छ) उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का व्यवस्थापन, नियन्त्रण, एवं प्रबन्धन तथा चल-अचल सम्पदा का रख-रखाव।
- (ज) अपनी सांस्कृतिक धरोहर से सम्बन्धित शोध-कार्यों व शैक्षिक कार्यों हेतु छात्रवृत्तियाँ व शिक्षावृत्तियाँ अनुदानित करना।



3 सांगठनिक प्रारूप

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के प्राधिकारी इस प्रकार हैं:

(क) शासकीय सभा

(ख) कार्यकारिणी सभा

शासकीय सभा की संरचना:

शासकीय सभा में निम्न सदस्य होंगे:-

- 1 पंजाब के राज्यपाल - अध्यक्ष
- 2 केन्द्रीय मन्त्री, राज्य मन्त्री या उप मन्त्री, संस्कृति विभाग, भारत सरकार।
- 3 संभागी राज्यों के सांस्कृतिक विभाग के मन्त्री या राज्य मन्त्री।
- 4 भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय के सचिव या उनका प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव से कम न हो।
- 5 संभागी राज्यों के संस्कृति सचिव।
- 6 भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय के वित्तीय सलाहकार।
- 7 केन्द्रीय अकादमियों (संगीत-नाटक, साहित्य एवं ललित कला अकादमी) के सभापति।
- 8 मैमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन की धारा 3 (ए) में परिभाषित केन्द्र के संभागी राज्यों के कला परिषदों के सभापति या जहाँ ऐसी परिषद गठित नहीं है उस राज्य के द्वारा मनोनीत कला से सम्बन्धित व्यक्तित्व।
- 9 क्षेत्र के संभागी राज्यों के तीनों निकायों (संगीत-नाटक, ललित कला एवं साहित्य) के सभापति।
- 10 क्षेत्र के संभागी प्रत्येक राज्य में से कला के क्षेत्र से प्रख्यात तीन व्यक्ति जिनका मनोनयन केन्द्रीय सरकार द्वारा राज्य सरकार के परामर्श से होगा।
- 11 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला का निर्देशक - सदस्य सचिव।

कार्यकारिणी सभा की संरचना:

कार्यकारिणी के निम्न सदस्य होंगे:-

- 1 पंजाब के राज्यपाल- अध्यक्ष
- 2 संभागी राज्यों के संस्कृति सचिव।
- 3 संभागी राज्यों की कला परिषदों के सभापति या राज्य सरकार द्वारा मनोनीत व्यक्ति।



- 4 राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी, ललित कला अकादमी और साहित्य अकादमी के सभापति।
- 5 भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय का एक प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव पद से नीचे का न हो।
- 6 भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय का वित्तीय सलाहकार।
- 7 शासकीय सभा द्वारा मनोनीत तीन सदस्य।
- 8 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला का निर्देशक- सदस्य सचिव।

वित्त समिति की संरचना:

वित्त समिति के निम्न सदस्य होंगे:-

- 1 भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय के वित्त सलाहकार या उसका प्रतिनिधि।
 - 2 शासकीय सभा के तीन प्रतिनिधि।
 - 3 कार्यकारिणी सभा के तीन प्रतिनिधि।
 - 4 संस्कृति मन्त्रालय का संयुक्त सचिव या उसका प्रतिनिधि।
 - 5 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला का निर्देशक - सदस्य सचिव।
- वित्त समिति के अध्यक्ष का मनोनयन कार्यकारिणी सभा द्वारा अपने सदस्यों में से तीन वर्ष के लिए होगा।

कार्यकारिणी समिति की संरचना:

कार्यकारिणी समिति के निम्न सदस्य होंगे:-

- 1 क्षेत्र के संभागी राज्यों की कला परिषदों के सभापति या राज्य सरकार द्वारा मनोनीत व्यक्ति।
 - 2 केन्द्रीय अकादमियों- साहित्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी व ललित कला अकादमी द्वारा अपने-अपने क्षेत्र से मनोनीत एक-एक व्यक्ति।
 - 3 प्रत्येक संभागी राज्य से कला के क्षेत्र से मनोनीत तीन विशिष्ट व्यक्ति। इनमें से कम से कम एक व्यक्ति लोक कला/जनजातीय कला के क्षेत्र से होगा।
 - 4 संभागी राज्यों के संस्कृति विभाग के सचिव या उसका प्रतिनिधि।
 - 5 भारत सरकार के मन्त्रालय का संयुक्त सचिव या उसका प्रतिनिधि।
 - 6 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का निर्देशक - सदस्य सचिव।
- कार्यक्रम समिति का अध्यक्ष कला के क्षेत्र का प्रतिष्ठित व्यक्ति होगा जिसका मनोनयन कार्यकारिणी सभा द्वारा अपने सदस्यों में से दो वर्ष के लिए होगा।



4 कॉरपस निधि

लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत सरकार एवं सदस्य राज्यों के अनुदान द्वारा एक कॉरपस निधि बनाई गई है जिसका पूर्ण विवरण निम्न है:-

क्रमांक	विवरण	गत वर्ष 31-3-2012 (रूपये)	चालू वर्ष 31-3-2013 (रूपये)
1	भारत सरकार	रू.1000.00 लाख	रू.1000.00 लाख
2	जम्मू एवं कश्मीर	रू. 100.00 लाख	रू. 125.00 लाख
3	हिमाचल प्रदेश	रू. 100.00 लाख	रू. 100.00 लाख
4	पंजाब	रू. 150.00 लाख	रू. 200.00 लाख
5	चण्डीगढ़ (यू.टी.)	रू. 200.00 लाख	रू. 200.00 लाख
6	हरियाणा	रू. 100.00 लाख	रू. 100.00 लाख
7	उत्तराखण्ड	रू. 100.00 लाख	रू. 100.00 लाख
8	राजस्थान	रू. 66.00 लाख	रू. 66.00 लाख
	कुल	रू. 1816.00 लाख	रू. 1891.00 लाख

कॉरपस निधि की 1891.00 लाख रूपये की राशि भारत सरकार के राष्ट्रीय बैंकों में विनिवेशित है। वर्ष में कॉरपस निधि व अन्य जमा राशियों पर 272.89 लाख रूपये ब्याज के रूप में प्राप्त हुए हैं।



5. वर्ष 2012-13 के दौरान उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित विशाल कार्यक्रमों, मेलों व त्यौहारों का विवरण:

वर्ष 2012-13 के दौरान उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा मेलों एवं त्यौहारों में कला एवं संस्कृति के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए विभिन्न किस्म के कार्यक्रमों / गतिविधियों का आयोजन किया गया। जोन के सदस्य राज्यों के अलावा भारत के अन्य राज्यों में, जोन से बाहर, भी विभिन्न स्थानों पर थिएटर वर्कशाप तथा लोक नृत्यों इत्यादि पर वर्कशाप का भी आयोजन किया गया। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से लाखों लोगों ने **आम आदमी** के तौर पर उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी।

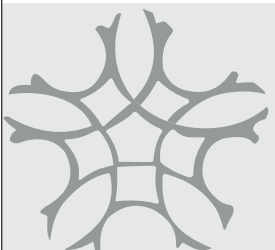
ग्रामीण क्षेत्रों, मिलिटरी कंटोनमेंट्स, शैक्षणिक संस्थानों, दूरवर्ती क्षेत्रों तथा आंचलिक राज्यों में उप-मण्डलीय/ज़िला/राज्य मुख्यालयों में बहुत से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(ए)

वर्ष 2012-13 के दौरान खुद अपने द्वारा या अन्य के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा निम्नानुसार आयोजित कुछ बड़ी सांस्कृतिक गतिविधियों ने विशेष ध्यान आकर्षित किया :

- **प्रेड गाऊंड, सैक्टर-5, पंचकूला में आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों का रजत जयन्ती समारोह - 'माटी के रंग'**

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों के सहयोग से 13 अप्रैल से 16 अप्रैल, 2012 तक प्रेड गाऊंड, सैक्टर-5, पंचकूला में एक भव्य रजत जयन्ती समारोह - **“माटी के रंग”** का आयोजन किया, जिसके निदेशक, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला के मुख्य अधिशासी अधिकारी थे। इसका उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह ने किया था। माननीय श्रीमती सोनिया गांधी, अयक्ष, यू पी ए एवं एन ए सी मुख्य मेहमान थी और माननीय कुमारी सैलजा, केन्द्रीय संस्कृति मन्त्री तथा आवास एवं शहरी निर्धनता उन्मूलन मन्त्री, भारत सरकार भी इस अवसर पर मौजूद थी। इसके अलावा केन्द्रीय मन्त्रियों, कई राज्यों के महा-महिम राज्यपालों तथा हरियाणा के मुख्यमन्त्री सहित बहुत से उच्च प्रतिष्ठित व्यक्ति इस समारोह में शामिल हुए। उद्घाटन दिवस पर सुज्जित लोक एवं जनजातीय ताल वाद्य, संगीत एवं नृत्य पेश किए गए। समरूप शो दूसरे दिन भी पेश किया गया। तीसरे दिन, भारत के उत्तर पूर्वी



राज्यों से कलाकारों ने विशेष लोक एवं जनजातीय संगीत एवं नृत्य की पेशकारी की तथा समापन समारोह पर विशेष लोक एवं जनजातीय संगीत एवं परम्परागत नृत्य भी पेश किए गए। इसके अतिरिक्त भारतीय परम्परा को समर्पित हथकरघा, दस्तकारी तथा भारतीय व्यंजन के जायके की खुशबू सभी आंगनों में फैल रही थी जो कि एक प्रशंसनीय कार्य था। अनुमानित 2000 लोक एवं जनजातीय कलाकारों, शिल्पियों एवं दस्तकारों तथा परम्परावादी चित्रकारों ने चतुर्थ दिवस समारोह में भाग लिया था। श्री बंसी कौल इस महत्वपूर्ण आयोजन के सृजनात्मक निदेशक थे। हजारों की संख्या में लोग इस समारोह में पधारे।

- **उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला द्वारा आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों का रजत जयन्ती समारोह के अन्तर्गत प्रथम सांस्कृतिक यात्रा**

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने रजत जयन्ती वर्ष 2012-13 में विलक्षण सांस्कृतिक (कल्चल) यात्राओं का आयोजन किया, भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकारों/लोक गायकों एवं वादक मण्डली के लगभग 100 से 110 लोगों ने इसमें अपनी प्रस्तुति की। उन्होंने पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों में विभिन्न स्थानों पर अपना कौशल दिखाया। विभिन्न सांस्कृतिक आंचलों से ग्रामीण/दूरवर्ती क्षेत्रों के शौकीन कलाकारों को आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा आमंत्रित किया गया था। प्रथम सांस्कृतिक (कल्चल) यात्रा इंडो-पाक बी ओ पी हुसैनीवाला, फिरोजपुर से 13 अगस्त, 2012 को आरम्भ हुई, जोकि सीमावर्ती इलाकों के लोगों तथा जवानों, जो मुश्किल से शहरों के पेशागृहों तक पहुँचते हैं, के लिए एक विशाल सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया था।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल पंजाब-मय-अध्यक्ष उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, श्री शिवराज वी. पाटिल ने किया था। इसके पश्चात हमने 14 अगस्त, 2012 को राजा का ताल (अमृतसर) में, 15 अगस्त, 2012 को बाघा चैक पोस्ट / बार्डर (अमृतसर), 16 अगस्त, 2012 को बी ओ पी सिकर (गुरदासपुर), 17 अगस्त, 2012 को बी ओ पी बमियाल (गुरदासपुर) में 1½ घंटे की अवधि का सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जम्मू एवं कश्मीर क्षेत्र में, 18 अगस्त, 2012 को साम्बा, 19 अगस्त, 2012 को अखनूर, 20 अगस्त, 2012 को सुन्दर बनी, 21 अगस्त, 2012 को राजौरी, 24 एवं 25 अगस्त, 2012 को श्रीनगर में सीमा सुरक्षा बल (बी एस एफ) के सहयोग से तथा 27 अगस्त, 2012 को द्वारा में, 28 अगस्त, 2012 को कारगिल, तथा 30 एवं 31 अगस्त, 2012 को लेह में भारतीय सेना के सहयोग से कार्यक्रमों का आयोजन किया। 3 सितम्बर, 2012 को हिमाचल प्रदेश मनाली में किया गया। दिनांक 4 सितम्बर, 2012 को 3100 कि.मी. से भी अधिक की दूरी के तय करने के पश्चात् कलाकार कलाग्राम, चंडीगढ़ में पहुँचे। सभी अनुमानों के अनुसार ये एक बड़ी सफलता थी।



- **उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला द्वारा आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों का रजत जयन्ती समारोह के अन्तर्गत द्वितीय सांस्कृतिक यात्रा**

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा रजत जयन्ती वर्ष 2012-13 में विलक्षण सांस्कृतिक (कल्चरल) यात्राओं का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के सभी सांस्कृतिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते लोक कलाकारों / लोक गायकों तथा वादकों ने हिस्सा लिया। उन्होंने 22 सितम्बर, 2012 को फरीदकोट (पंजाब) में 'बाबा शेष फरीद आगमन पर्व-2012' में, अलमोड़ा में 'मां नंदा देवी' मेला, पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड) में महोत्सव में 24 सितम्बर से 26 सितम्बर, 2012 तक, मुख्यालय पश्चिम कमान, भारतीय सेना, चण्डी मन्दिर (हरियाणा) तथा सेंटर फार रिसर्व इन रुरल एंड इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट (सी आर आर आई डी) कम्प्लैक्स चंडीगढ़ में 29 सितम्बर, 2012 को तथा 30 सितम्बर एवं 1 अक्टूबर, 2012 को सोलन (हिमाचल प्रदेश) में 8वें हिमाचल उत्सव में प्रदर्शन किया। विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन किया। विभिन्न सांस्कृतिक आंचलों में ग्रामीण/दूरवर्ती क्षेत्रों से शौकीन कलाकारों को आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा आमंत्रण दिया गया।

- **'चतुर्थ चण्डीगढ़ राष्ट्रीय दस्तकारी मेला' कलाग्राम, चण्डीगढ़ -**

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा यू.टी. प्रशासन चण्डीगढ़ के सहयोग से 30 नवम्बर से 09 दिसम्बर 2012 तक कलाग्राम, चण्डीगढ़ में चतुर्थ चण्डीगढ़ दस्तकारी मेले का आयोजन किया गया। इस वर्ष दस्तकारी मेले का विषय "भारत के जनजातीय" था, जहां देश के अन्य सभी सांस्कृतिक क्षेत्रों को दर्शाने के अलावा भारत के जनजातीय क्षेत्रों की लोक परम्पराओं, कलाओं तथा दस्तकारी को दिखाने पर विशेष ध्यान केन्द्रित था। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा हस्तकरघा/दस्तकारी व्यक्तियों को निमन्त्रण देते हुए स्वागत किया गया जिसमें शिल्पा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं, संत कबीर पुरस्कार विजेताओं - वस्त्र मन्त्रालय भारत सरकार के सहयोग में तथा पूरे देश में ट्राईबल कोआप्रेटिव मार्किटिंग डिवेलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टी आर आई एफ ई डी), जन-जातीय मामले मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेषतः चयनित जनजातीय दस्तकार व्यक्तियों को शामिल किया गया। इस वर्ष चण्डीगढ़ से सम्बद्ध दस्तकार व्यक्तियों के लिए विशेष कार्नर था।

महा-महिम, राज्यपाल पंजाब तथा अध्यक्ष, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने 30 नवम्बर, 2012 को दस्तकारी मेले का उद्घाटन किया। इस मेले में देश के सभी सांस्कृतिक क्षेत्रों से लगभग 325 लोक नृत्य कलाकारों ने भाग लिया। भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री इन्द्र कुमार गुजराल की की मृत्यु पर राज्य शोक घोषित होने के कारण 6 दिसम्बर, 2012 तक विशेष सांस्कृतिक सन्ध्या को रद्द करना पड़ा। क्रमवार 30 नवम्बर तथा 09 नवम्बर, 2012 को उद्घाटन एवं समापन समारोह भव्य प्रदर्शन थे। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से हजारों लोग रोजाना इस मेले में पधारते थे। श्री बंसी कौल इस भव्य समारोह के सृजनात्मक निदेशक थे। मेला प्रैस समीक्षा



के लिए विशेष आकर्षण था। दो सम्पादित डी वी डी मेले की भव्यता वाली 20 मिनटों की अवधि वाली तथा द्वितीय मेले के सभी पहलुओं को दर्शाने वाली 90 मिनटों की अवधि से बनाई गई।

- **कुरुक्षेत्र उत्सव - गीता जयन्ती समारोह-2012, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)**

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड तथा हरियाणा सरकार के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने 19 से 28 दिसम्बर, 2012 तक कुरुक्षेत्र में कुरुक्षेत्र उत्सव-गीता जयन्ती समारोह का आयोजन किया, जिसमें ब्रह्म सरोवर, कुरुक्षेत्र में प्रस्तुत सांस्कृतिक सन्ध्याएं, बृज लोक कला मंच द्वारा वृन्दावन रास लीला, अनु सिन्हा एंड ग्रुप नोएडा द्वारा वृन्दावन कथक नृत्य, शर्मा बन्धू, उज्जैन द्वारा भजन सन्ध्या, पदम श्री शोवना नारायण एंड ग्रुप द्वारा महाभारत पर आधारित नृत्य नाटक बलबीर सूफी, (डॉ.) दिपवनिता सिंघा राय एवं (डॉ.) ममता जोशी द्वारा पेश किए गए सूफी गायन और नृत्य, श्री राम भारतीय कला केन्द्र नई दिल्ली द्वारा नृत्य नाटक - 'कृष्णा' मुख्य आकर्षण का केन्द्र थी। माननीय केन्द्रीय सांस्कृतिक मन्त्री, भारत सरकार, श्रीमती चन्द्रेश कुमारी कटोच 21 दिसम्बर, 2012 को सांस्कृतिक सन्ध्या में मुख्य मेहमान थी। एक विशाल दस्तकारी मेले का आयोजन भी किया गया, जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं/राष्ट्रीय मैरिट पुरस्कार विजेताओं / राष्ट्रीय पुरस्कार प्रमाण-पत्र विजेताओं / राज्य पुरस्कार प्राप्त शिल्पकारों ने हथकरघा/दस्तकारी का प्रदर्शन किया। इस मेले में लाखों लोग शामिल हुए। हमने लघु चित्रकारी तथा रंगोली कैम्प का भी आयोजन किया। इसके अलावा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा हरियाणा में जींद, पिहोवा एवं ज्योतिसर तथा पंजाब के संगरूर में लोक नृत्य कार्यक्रमों वाली रजत जयन्ती सांस्कृतिक (कल्चर्ल) यात्रा का भी आयोजन किया गया।

- **बाघा सीमा, नरोत जयमल सिंह (पठानकोट) तथा बी एस एफ मुख्यालय, जालन्धर में 'सूफी गायन एवं क्लासिकल नृत्यों तथा लोक नृत्यों के संयोजन की सांस्कृतिक सन्ध्या'**

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा सीमा सुरक्षा बल के सहयोग से 26 जनवरी से 28 जनवरी, 2013 तक बाघा सीमा, अमृतसर, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय के कैम्पस, नरोज जयमल सिंह, पठानकोट नजदीक बी ओ पी बमियाल, इंडो-पाक सीमा तथा मुख्यालय बी एस एफ पंजाब फ्रन्टियर, जालन्धर में सूफी गायन एवं शास्त्रीय नृत्यों तथा लोक नृत्यों के संयोजन की भव्य सांस्कृतिक सन्ध्या का आयोजन किया गया। सीमावर्ती जनसंख्या विशेषकर नौजवान तथा जवान उत्साह से भर उठे तथा बढ़िया किस्म की प्रस्तुति से प्रसन्न हुए, जो कि उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के विख्यात कलाकारों द्वारा पेश की गई थी।

राजस्थान, पंजाब एवं जम्मू कश्मीर राज्यों की देख-रेख कर रहे सीमा सुरक्षा बल के विशेष महा निदेशक द्वारा कलाकारों द्वारा की गई बढ़िया किस्म की प्रस्तुति तथा सांस्कृतिक मूल्यों की पेशकारी सम्बंधी विशेष सन्दर्भ दिया गया। अपने प्रशंसा-पत्र में श्री आदित्य मिश्रा, महा-निरीक्षक बी एस एफ, जालन्धर छावनी ने लिखा कि बी एस एफ तथा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के आपसी सहयोग देश की सीमावर्ती जनसंख्या को मुख्यधारा में लाने में सहायता करेगा।



कार्यक्रमों की विडियो/डी वी डी 'ज' न केवल उच्च किस्म की प्रस्तुति का रिकार्ड है, बल्कि बहुतायत संख्या में दर्शकों की मौजूदगी भी इसका सबूत है।

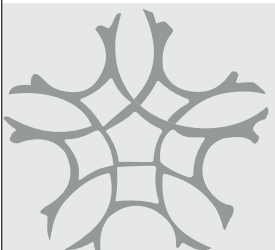
- **‘ओक्टोव-2013 जम्मू : जम्मू (जेएंडके) में उत्तर-पूर्वी राज्यों का त्यौहार**

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला द्वारा उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, दीमापुर, सीमा सुरक्षा बल (बी एस एफ) तथा जे एंड के अकैडमी ऑफ आर्ट, कल्चर एंड लैंग्विजल, जम्मू के सहयोग से ‘आक्टोव-2013 जम्मू’ उत्तर-पूर्व राज्यों (आसाम, मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश तथा सिक्किम) के त्यौहार : का आयोजन हरगोबिन्द भटनागर स्टेडियम, बी एस एफ फ्रन्टियर मुख्यालय जम्मू (जम्मू कश्मीर) में 25 मार्च से 27 मार्च, 2013 तक किया गया। महा-महिम राज्यपाल जम्मू एवं कश्मीर, श्री एन.एन. वोहरा ने 25 मार्च, 2013 को इस त्यौहार का उद्घाटन किया। तीन दिनों के लिए उत्तर पूर्वी राज्यों के कलाकारों ने उत्सव के दौरान लोक नृत्यों, लोक संगीत, लोक वाद तथा परम्परागत लोक परिधान इत्यादि सहित कोरियोग्राफ्ड प्रस्तुति दी। बी एस एफ फ्रन्टियर मुख्यालय जम्मू में प्रस्तुति के अलावा, लोक नृत्य कलाकारों ने 28 से 30, 2013 तक बहुत से स्थानों अर्थात् बी ओ पी अखनूर, बी ओ पी साम्बा, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू (जेएंडके) में तथा गुरदासपुर (पंजाब) में ‘लोक उत्सव गुरदासपुर 2012-13’ में प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने सीमावर्ती लोगों में विशेषकर नौजवानों में नया जीवन एवं उत्साह भर दिया।

(बी)

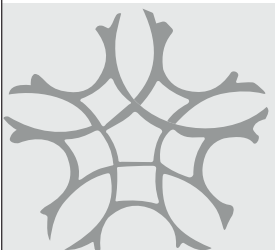
उपरोक्त के अलावा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा निर्मांकित कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया :

- **झुग्गी झोपड़ी क्षेत्रों में निर्धन बच्चों को लाभ पहुँचाने के लिए** 01 अप्रैल, 2012 से कलाग्राम में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा संगीत में प्रमुख माहिरों के मार्गदर्शन में इन बच्चों के लिए निशुल्क प्रशिक्षण वर्कशाप्स लगाई जा रही हैं।
- **चण्डीगढ़ में सूफी गायन प्रस्तुति**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 11 मई, 2012 को चण्डीगढ़ में अन्तर्राष्ट्रीय विख्यात सूफी गायक (डॉ.) ममता जोशी द्वारा सूफी गायन का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय श्री जय राम रमेश, केन्द्रीय ग्रामीण विकास मन्त्री मुख्य मेहमान थे तथा इसके अलावा अन्य माननीय मुख्यमंत्री, पंजाब, कैबिनेट मन्त्रीगण तथा अन्य प्रतिनिधि मण्डल भी मौजूद थे।
- **भार्गव ऑडिटोरियम, पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़ में पंजाब एवं हरियाणा बार परिषद की 50वीं वर्षगांठ के दौरान भारत का लोक संगीत, लोक वाद्य तथा लोक नृत्य :**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 4 मई, 2012 को भार्गव ऑडिटोरियम, पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़ में पंजाब एवं हरियाणा बार परिषद की 50वीं वर्षगांठ के दौरान भारत के लोक संगीत लोक वाद्य तथा लोक नृत्यों की कोरियोग्राफ्ड सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया गया। भारत के माननीय उप-राष्ट्रपति श्री एम. हमीद अंसारी इस अवसर पर मुख्य मेहमान थे। यह भुगतान योग्य कार्यक्रम था।



- **कलाग्राम चण्डीगढ़ तथा पटियाला में बच्चों हेतु ग्रीष्म कार्यशाला**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला द्वारा जून 2012 के दौरान कलाग्राम, चण्डीगढ़ तथा विरसा विहार केन्द्र, पटियाला में पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान के थिएटर, पेंटिंग, लोक नृत्य *भागड़ा* एवं क्लासिकल नृत्य *कथक* एवं लोक नृत्यों में बच्चों के लिए ग्रीष्म वर्कशॉप्स लगाई गईं। अनुमानित 350 बच्चों ने इन वर्कशॉप्स में भाग लिया। जिनको प्रशिक्षित माहिर विशेषज्ञों द्वारा शिक्षा दी गयी।
 - **चण्डीगढ़ में तस्वीरों की प्रदर्शनी “दि स्ट्रीट साईड ब्रियू”**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 23 से 28 अक्टूबर, 2012 तक सोभा सिंह आर्ट गैलरी पंजाब कला भवन, चण्डीगढ़ में श्री संजय कुम्बकर्णी द्वारा तस्वीरों की प्रदर्शनी “दि स्ट्रीट साई ब्रियू” लगाई गई।
 - **चण्डीगढ़ में श्री यशपाल सेठ के कैमरे द्वारा खींची तस्वीरों की छाया चित्रों “वडंर्ज आफ दी वाईलड”**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 25 से 30 दिसम्बर, 2012 तक सोभा सिंह आर्ट गैलरी पंजाब कला भवन, चण्डीगढ़ में श्री यशपाल सेठ के कैमरे द्वारा खींची “वडंर्ज आफ दी वाईलड” छाया चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गयी।
 - **कलाग्राम चण्डीगढ़ में ‘रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिता’ :**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 16 नवम्बर, 2012 के को कलाग्राम, चण्डीगढ़ में ‘रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं’ का आयोजन करते हुए रजत जयन्ती समारोह के भाग के तौर पर अपना 27वां स्थापना दिवस एवं बाल दिवस मनाया गया, जिसमें ट्राईसिटी के विभिन्न स्कूलों से लगभग 1400 बच्चों ने हिस्सा लिया।
 - **कलाग्राम चण्डीगढ़ में “सूफी आवाज़, नाच और साज” की सांस्कृतिक संध्या :**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 18 नवम्बर, 2012 को कलाग्राम चण्डीगढ़ में “सूफी आवाज़, नाच और साज” की भव्य सांस्कृतिक सन्ध्या का आयोजन किया गया। माननीय श्रीमती चन्द्रेश कुमारी कटोच, केन्द्रीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार इस अवसर पर मुख्य मेहमान थीं।
- (सी)
- उपरोक्त कार्यक्रमों के अलावा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा तथा अन्य संगठनों / राज्य सरकारों के सहयोग से निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :
- **थिएटर फ़ैस्टिवल “अदाकारियाँ-2012” चण्डीगढ़ में:**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 25 से 29 मई, 2012 तक पी.जी. सरकारी कालेज, सैक्टर-46, चण्डीगढ़ के पेक्षागृह में नाटक उत्सव “अदाकारियाँ-2012 ” का आयोजन किया गया। उक्त फ़ैस्टिवल में पाँच नाटकों – बात सूहे फूलों दी, जंगल बोल्दा है, आद कुआरी, इक्को राह स्वाल्डा तथा रंग तमाशा का मंचन अदाकार मंच द्वारा किया गया।

- **“समर फ़ैस्टिवल-2012” तथा शूलिनी मेला-2012 सोलन (हिमाचल प्रदेश में)**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जिला प्रशासन सोलन एवं भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से सोलन (हिमाचल प्रदेश) में 22 से 24 जून, 2012 तक ‘शूलिनी मेला-2012’ में तथा 05 जून, 2012 को ‘समर फ़ैस्टिवल 2012’ में लोक नृत्यों जैसे भांगड़ा, झूमर इत्यादि (पंजाब), फाग एवं घूमर (हरियाणा) एवं कालबेलिया (राजस्थान) तथा लोक/सूफी गायन का भव्य प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया।
- **‘सुर-ताल महोत्सव-2012’ हल्दवानी (उत्तराखंड) में**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला द्वारा मल्लिका लोक कला समिति, हल्दवानी तथा संस्कृति विभाग, उत्तराखंड के सहयोग से 01 एवं 2 जुलाई, 2012 को हल्दवानी (उत्तराखंड) में ‘सुर-ताल महोत्सव-2012’ में लोक नृत्यों जैसे राऊड (जे एंड के) तथा गिद्धा, भांगड़ा इत्यादि पंजाब का शानदार भव्य-प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर महा-महिम राज्यपाल उत्तराखंड मुख्य मेहमान थे।
- **‘तीज का त्यौहार’ चण्डीगढ़ में**
नगर निगम, चण्डीगढ़ के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा “तीज फ़ैस्टिवल-2012” के दौरान डालिहया गार्डन, सैक्टर 36-सी, चण्डीगढ़ में 21 जुलाई, 2012 को पंजाब के लोक नृत्यों – जैसे गिद्धा एवं भांगड़ा का सांस्कृतिक आयोजन किया गया, जिसमें विशाल संख्या में लोगों ने उपस्थिति दी।
- **मिंजर मेला - चम्बा में (हिमाचल प्रदेश) :**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जिला प्रशासन, चम्बा तथा भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से 2 व 3 अगस्त, 2012 को चम्बा (हिमाचल प्रदेश) में ‘मिंजर मेला’ में लोक नृत्यों जैसे भांगड़ा, गिद्धा, झूमर (पंजाब), फाग घूमर, खोदिया (हरियाणा), राऊड (जेएंडके) एवं कलबेलिया (राजस्थान) तथा मांगनियार गायन (राजस्थान) का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारी मात्रा में लोगों ने आकर आनंद उठाया।
- **चण्डीगढ़ में सृजनात्मक गतिविधियों का वर्कशॉप :**
सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सी सी आर सी), नई दिल्ली के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा दस्तकारी गतिविधियाँ, शिक्षा / सृजनात्मक पप्पे ट्री, लोक नृत्य तथा राष्ट्रीय भाषा में गीतों को सीखने के लिए 07 से 11 अगस्त, 2012 तक जवाहर नवोदय विद्यालय, सैक्टर-25, चण्डीगढ़ के विद्यार्थियों के लिए ‘सृजनात्मक गतिविधियों पर वर्कशॉप’ का आयोजन किया गया। 170 बच्चों ने इन वर्कशाप्स में भाग लिया। प्रशिक्षण प्रमुख माहिरों द्वारा प्रदान किया गया था।



- छिन्ज़ मेला, गाँव बबेहाली, जिला गुरदासपुर पंजाब :**
मेला छिन्ज़ कमेटी, बबहोली द्वारा 28 व 29 अगस्त, 2012 को गाँव बबेहाली जिला गुरदासपुर पंजाब में छिन्ज़ मेले का आयोजन किया गया। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा इस मेले में श्री केवल धालीवाल द्वारा निर्देशित 'कल्हार' तथा श्री सुदेश शर्मा द्वारा निर्देशित 'चेहरे' – दो पंजाबी नाटकों का मंचन करवाया गया तथा साथ ही लोक गायन एवं लोक वाद्य का भी आयोजन करवाया गया।
- “शिरावणी मेला” जोगेश्वर में तथा शिरावणी रक्षा बंधन महोत्सव दविधूरा (उत्तराखंड) में :**
सांस्कृतिक मामले विभाग उत्तराखंड के सहयोग में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 8 व 9 अगस्त, 2012 को जोगेश्वर में शिरावणी मेले के दौरान तथा 7 व 8 अगस्त, 2012 को दविधूरा (उत्तराखंड) में शिरावणी रक्षा बंधन के अवसर पर उत्तराखण्ड के लोक नृत्यों जैसे जौनसारी, छलिया, धसियारी इत्यादि का आयोजन किया गया।
- किसान मेला – पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना (पंजाब) में :**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 21 व 22 सितम्बर, 2012 को पंजाब कृषीय विश्वविद्यालय, लुधियाना के सहयोग से लुधियाना (पंजाब) में 'किसान मेला' में लोक एवं सूफी गायन का भव्य प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्य का आनंद लिया।
- ‘सुखना झील’ चण्डीगढ़ में चण्डीगढ़ :**
'स्ट्रीट आर्ट एंड स्ट्रीट फूड फ़ैस्टिवल' चण्डीगढ़ इंडस्ट्रियल एंड टूरिज़म डेवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (सिटको) चण्डीगढ़ के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 29 व 30 सितम्बर, 2012 को सुखना झील, चण्डीगढ़ में “चण्डीगढ़ स्ट्रीट आर्ट एंड स्ट्रीट फूड फ़ैस्टिवल” के दौरान लोक नृत्य मलवई, गिद्धा, लोक वाद्य, बाजीगर, नचार, बीन-जोगी, बहरूपिया, गत्तका नचार इत्यादि का भव्य आयोजन किया गया।
- पटियाला (पंजाब) में सारस मेला :**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 11 से 12 अक्टूबर, 2012 तक जिला प्रशासन, पटियाला द्वारा आयोजित 'सारस मेला' के दौरान लोक नृत्यों को पेश किया गया।
- नाभा (पंजाब) में 34 वां प्रोफ़ै. मोहन सिंह यादगारी मेला :**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 11 से 22 अक्टूबर, 2012 तक नाभा में प्रोफ़ै. मोहन सिंह यादगारी फाऊंडेशन, लुधियाना द्वारा आयोजित “34वें प्रोफ़ै. मोहन सिंह यादगारी मेला” के दौरान लोक नृत्यों, सूफी तथा लोक गायन की प्रस्तुति की गई।
- जयपुर (राजस्थान) में 19वां लोक रंग फ़ैस्टिवल :**
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 30 अक्टूबर से 09 नवम्बर, 2012 तक जवाहर कला केन्द्र जयपुर द्वारा आयोजित 19वें लोक रंग फ़ैस्टिवल के दौरान लोक नृत्यों जैसे रौफ (जेएंडके), सिरमौरों गद्दी नाटी (हिमाचल प्रदेश) छपेली, जौनसारी, घसियारी (उत्तराखंड) तथा भांगड़ा, गिद्धा, जिंदुआ इत्यादि (पंजाब) का प्रदर्शन किया गया।

- **27 वां सूरजकुंड अन्तर्राष्ट्रीय दस्तकारी मेला - सूरजकुंड (हरियाणा) में :**
सूरजकुण्ड मेला प्राधिकरण तथा हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित “ 27 वें सूरजकुण्ड अन्तर्राष्ट्रीय दस्तकारी मेला ” 1 से 15 फरवरी, 2013 में आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों (क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र) द्वारा लोक नृत्यों का प्रदर्शन करवाने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की प्रमुख कार्यकारिणी के तौर पर निर्धारित किया गया है। उपाध्यक्ष सूरजकुण्ड मेला प्राधिकरण तथा प्रमुख सचिव पर्यटन, सांस्कृतिक मामले, पुरा लेख तथा पुरा तत्व एवं अजायब घर देखे, हरियाणा सरकार के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा सभी जै सी सी ज़ को तालमेल रखते हुए वहां पधारने के लिए कहा गया। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के कर्मचारी पूरी मेला अवधि के दौरान सूरजकुंड में तैनात रहे। कार्य को बहुत ही सावधानी से किया गया और इसकी सराहना सूरजकुंड मेला प्राधिकरण तथा जनता एवं समाचार-पत्रों द्वारा किया गया।
- **रोज़ फ़ैस्टिवल-2013, चण्डीगढ़ में :**
चण्डीगढ़ प्रशासन, चण्डीगढ़ के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा रोज गार्डन, सैक्टर-16, चण्डीगढ़ में “रोज़ फ़ैस्टिवल-2013 ” का आयोजन किया गया। 22 से 24 फरवरी, 2013 के दौरान इसमें विभिन्न लोक नृत्यों अर्थात् सिद्दी धमाल (गुजरात), ढाडिया (यू पी), कंपनी / गसियारी (उत्तराखंड), पंजाबी लोक नृत्य (पंजाब), टाऊद (जेएंडके) तथा घूमर / धमाल (हरियाणा) द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। इन पेशकारियों को बड़ी मात्रा में आने वाले लोगों ने लुत्फ उठाया।
- **9 वां विरासत मेला, बठिण्डा (पंजाब) में :**
सांस्कृतिक मामले विभाग, पंजाब तथा मालवा हैरिटेज फाऊंडेशन, बठिण्डा के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 23 से 25 नवम्बर, 2012 तक बठिण्डा में “9 वें विरासत मेला ” में लोक नृत्यों तथा सूफी गायन का आयोजन किया गया।
- **चण्डीगढ़ कार्निवल, चण्डीगढ़ में :**
यू.टी. प्रशासन, चण्डीगढ़ के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 23 से 25 नवम्बर, 2012 तक लईयर वैली, सैक्टर-10, चण्डीगढ़ में ‘चण्डीगढ़ कार्निवल’ के दौरान लोक नृत्यों अर्थात् राऊंड (जेएंडके), सिरमौरी नारी (हि.प्र.), फाग, धमाल एवं घूमर (हरियाणा) धपेली, घसियारी (उत्तराखंड), कल्बेलिया (राजस्थान) तथा भांगड़ा, गिद्धा, जिन्दुआ (पंजाब) का सांस्कृतिक आयोजन किया गया, जिसमें एक बड़ी संख्या में लोग पधारे।
- **लोकानुरंजन मेला-जोधपुर (राजस्थान में)**
राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 26 से 27 फरवरी, 2013 तक जोधपुर (राजस्थान) में ‘लोकानुरंजन मेला’ का आयोजन किया गया। इस मेले में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा लोक नृत्य - चप्पेली / घसियारी (उत्तराखंड), राऊंड एवं



डोगरी (जेएंडके), फाग एवं पनहारी (हरियाणा) तथा भांगड़ा/गिद्धा/जिन्दुआ (पंजाब) पेश किए गए। बड़ी संध्या में लोगों ने इनका आनंद उठाया।

- **हरियाणवी लोक नृत्यों की वर्कशॉप-अम्बाला (हरियाणा) में**

सरकारी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, अम्बाला छावनी के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा उनके कालेज परिसर में 27 फरवरी से 13 मार्च, 2013 तक 'हरियाणवी लोक नृत्यों की कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रमुख माहिरों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- **'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' समारोह रूप नगर (पंजाब) में**

जिला प्रशासन, रूप नगर के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 8 मार्च, 2013 को रूपनगर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने इस समारोह में पंजाबी लोक गीत पेश किए तथा समाज से सम्बद्ध नाटक का मंचन भी किया। बड़ी संख्या में श्रोतागण ने इस समारोह का लुत्फ उठाया।

- **शिव रात्रि मेला - मण्डी में तथा नालवाड़ी मेला-2013 बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश में)**

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से 15 व 16 मार्च, 2013 को मण्डी में 'शिवरात्रि मेला' तथा 22 व 23 मार्च, 2013 को बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में "नालवाड़ी मेला-2013" में लोक नृत्यों की प्रस्तुति की गयी।

- **थिएटर फ़ैस्टिवल-2013, जम्मू (जेएंडके) में**

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, जम्मू के सहयोग से 28 से 31 मार्च, 2013 तक सरकारी महिला कालेज, जम्मू में चार दिवसीय "थिएटरफ़ैस्टिवल-2013" का आयोजन किया गया जिसमें चार नाटकों - 'दो कोड़ी का खेल (सुश्री इफरा काक द्वारा निर्देशित), रोमियो जूलियट एंड सेवन काऊनज़ (सुश्री सुखमणि कोहली द्वारा निर्देशित), सखा राम बिन्दर (श्री सुरेश शर्मा द्वारा निर्देशित), तथा बाबा जित्तो (पद्म श्री बलवन्त ठाकुर द्वारा निर्देशित) का मंचन किया गया।



5.1 वर्ष 2012-13 के दौरान उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों/गतिविधियों का राज्य अनुसार विवरण निम्नानुसार है:

पंजाब

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	छिन्ज मेला कमेटी के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा गांव बबेहाली (जिला गुरदासपुर) में 'छिन्ज मेला' के दौरान सुश्री गुरमीत बाबा एवं श्री जगत राम लालखा एवं ग्रुप द्वारा पंजाबी लोक गायन तथा दो नाटकों-चेहरे एवं कल्हार का भी आयोजन किया गया।	28/08/2012 से 29/08/2012
2	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा खरड़ (रोपड़) में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान श्री बलबीर सूफी एवं ग्रुप द्वारा सूफी गायन पेश किया गया।	08/09/2012
3	कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना के सहयोग में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा लुधियाना में 'किसान मेला' में श्री जगत राम लालखा द्वारा लोग गायन तथा श्री बलबीर सूफी द्वारा सूफी गायन पेश किया गया।	21/09/2012 एवं 22/09/2012
4	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा एफ आर आई, देहरादून में (सांस्कृतिक मामले विभाग पंजाब सरकार की सिफारिशों पर) हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर लोग नृत्य-गिद्धा, भांगड़ा, जिन्दुआ इत्यादि पेश किया गया।	31/10/2012
5	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा बी एस एफ स्टेडियम जालन्धर में लोग नृत्य-घूमर/फाग (हरियाणा), छापेली/घसियारी (उत्तराखण्ड), राऊद (जे एवं के) तथा भांगड़ा/जिन्दुआ /माइवाई गिद्धा (पंजाब) पेश किया गया।	10/11/2012
6	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा कलाग्राम, चण्डीगढ़ में हुए 'होलसेल मार्केट्स ग्लोबल ओपरच्यूनिटीज़ एंड इनोवेशन' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. मेजर सिंह एंड ग्रुप द्वारा लोक गायन एवं वाद्य तथा लोग नृत्य भांगड़ा, झूमर, सम्मी, गिद्धा, लुड्डी (पंजाब) पेश किया गए।	20/11/2012



7	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा बठिण्डा में हुए 9 वें विरासत मेला में लोक नृत्य-जंगम एवं बीन जोगी (हरियाणा) तथा सूफी गायन डा. ममता जोशी एवं ग्रुप द्वारा पेश किया गया।	23/11/2012 से 25/11/2012
8	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा पंजाब कला भवन, चण्डीगढ़ में डा. ममता जोशी एवं ग्रुप द्वारा सूफी गायन का आयोजन किया गया।	29/12/2012
9	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा मुक्तसर में हुई राष्ट्रीय पशुपालन चैम्पियनशिप के दौरान लोक नृत्य-घूमर/फाग (हरियाणा), चकरी (राजस्थान), भांगड़ा/जिन्दुआ/मालवाई गिद्धा (पंजाब), लोक गायन एवं वाद्य-प्रो. मेजर सिंह एवं ग्रुप द्वारा, लोक गायन-सुश्री गुरमीत बाबा एवं ग्रुप द्वारा, सूफी गायन-श्री बलबीर सूफी एवं ग्रुप द्वारा, पेश किए गए।	08/01/2013 से 12/01/2013
10	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा लुधियाना में स्व. श्री मोहिन्द्र सिंह डंगोरी फाऊंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सुश्री गुरमीत बाबा द्वारा लोक गायन का आयोजन किया गया।	26/02/2013
11	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने रोपड़ में 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर सुश्री गुरमीत बाबा द्वारा लोक गायन तथा 'मैं वी तुरांगा' नाटक का आयोजन किया।	08/03/2013
12	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने गांव सुलार जिला संगरूर में लोक नृत्य तथा श्री बलबीर सूफी, प्रो. मेजर सिंह एवं ग्रुप द्वारा लोक गायन का कार्यक्रम पेश किया।	09/03/2013
13	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने पंजाब कृषी विश्वविद्यालय लुधियाना के सहयोग से 'किसान मेला' में सुश्री गुरमीत बाबा एवं ग्रुप द्वारा लोक गायन का आयोजन किया।	15/03/2013

हिमाचल प्रदेश

1	भाषा, कला व संस्कृति विभाग, शिमला के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा सोलन में हुए 'समर फेस्टिवल' में डा. ममता जोशी द्वारा सूफी गायन तथा लोक नृत्य-घूमर/फाग (हरियाणा) पंजाबी लोक नृत्य (पंजाब) पेश किया गया।	05/06/2012
2	भाषा, कला व संस्कृति विभाग, शिमला के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा सोलन में लगे 'शोलिनी मेला' के दौरान	22/06/2012 एवं 24/06/2012



	लोक नृत्य तथा बीन जोगी (हरियाणा), कल्बेलिया (राजस्थान) तथा झूमर/माइवाई गिद्धा (पंजाब) पेश किया गया।	
3	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने गाँव-भैराच तथा धूदन (जिला सोलन) में लोक नृत्य-नाटी एवं पहाड़ी लोक गायन (हि.प्र.) का आयोजन किया।	28/06/2012 एवं 29/06/2012
4	भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग, शिमला, हिमाचल प्रदेश के सहयोग में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने सोलन में 'हिमाचल उत्सव' में श्री बलबीर सूफी एवं ग्रुप द्वारा सूफी गायन का आयोजन किया।	05/10/2012
5	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने अंधेरता, पालमपुर में श्री बलबीर सूफी एवं ग्रुप द्वारा गायन का आयोजन किया।	28/10/2012
6	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने जिला प्रशासन/एल ए सी विभाग शिमला के सहयोग से आयोजित किन्नौर में राज्य स्तरीय 'किन्नौर महोत्सव' में लोक नृत्य-घूमर/फाग/धमाल (हरियाणा) तथा पंजाबी वैरायटी नृत्य (पंजाब) का आयोजन किया।	28/10/2012 से 31/10/2012
7	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा एल ए सी विभाग शिमला के सहयोग से गाँव बराठी बिलासपुर में हुए 'लोहड़ी उत्सव' के दौरान लोक नृत्य-कल्बेलिया/भवई तथा माँगनिआर (राजस्थान) पेश किए गए।	12/01/2013 से 14/01/2013
8	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेला बिलासपुर में मेजर सिंह एवं ग्रुप द्वारा लोक गायन एवं वाद्य तथा लोक नृत्य-भांगड़ा, मालवाई गिद्धा (पंजाब), घूमर (हरियाणा) प्रस्तुत किए गए।	22/03/2013 एवं 23/03/2013

जम्मू व कश्मीर

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा सीमा सुरक्षाबल (बी एस एफ) के सहयोग से आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना के रजत जयंती वर्ष 2012-13 में विलक्षण 'सांस्कृतिक (कल्चरल) यात्राओं' का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न भागों/सीमावर्ती क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर में भारत के सभी सांस्कृतिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए लोक कलाकारों, लोक गायकों तथा वाद्य माहिरों को शामिल किया गया जिसमें थंगता, पोंग/ढोल चालेम (मणिपुर), चेप्पली	18/08/2012 एवं 31/08/2012

	(उत्तराखण्ड), भांगड़ा/जिन्दुआ (पंजाब), फाग (हरियाणा), मेवासी (गुजरात), सिंधी धमाल (गुजरात), लोक वाद्य एवं गायन (राजस्थान), राऊफ (जे एवं के), प्रो. मेजर सिंह एवं ग्रुप-लोक वाद्य एवं गायन (पंजाब), बीन जोगी (हरियाणा), सुश्री गुरमीत बाबा, लोक गायन डा. ममता जोशी सूफी गायक इत्यादि शामिल हुए।	
2	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जे एवं के कला, भाषा एवं सांस्कृतिक अकादमी, जम्मू एवं कश्मीर सरकार के सहयोग से जम्मू में 'नेशनल थियेटर फेस्टिवल' का आयोजन किया गया तथा 'दो कोड़ी का खेल', 'रोमियो जूलियट' एंड 'सेवन क्लाउनड', 'सखा राम बाईंडर' तथा 'बाबा जित्तो' नाटक पेश किए गए।	28/03/2013 से 31/03/2013

हरियाणा

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा अंबाला छावनी में 'हुनर से रोजगार' योजना की शुरुआत के दौरान लोक कला रूप-नगाड़ा (हरियाणा) पेश किया गया।	04/05/2012
2	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा शिव कुमार बटालवी को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु पंचकुला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री एस.डी.शर्मा, श्री राम दास कैले तथा सुश्री कोमल राजदेव द्वारा गायन प्रस्तुत किया।	06/05/2012
3	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने बिलासपुर जिला यमुनानगर में लगे 'कपाल मोचन मेले' में लोक नृत्य-छपेली, घसियारी (उत्तराखण्ड) तथा नाटक की प्रस्तुति की।	26/11/2012 एवं 27/11/2012
4	कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड, कुरुक्षेत्र तथा हरियाणा सरकार के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 'कुरुक्षेत्र उत्सव-गीत जयन्ती समारोह-2012' का आयोजन किया गया, जहां दस्तकारी मेला, प्रसिद्ध कलाकारों, लोक कलाकारों द्वारा कुरुक्षेत्र के आस-पास सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई और रंगोली कलाकारों द्वारा रंगोली सजाई गई।	19/12/2012 से 28/12/2012



5	सांस्कृतिक मामले विभाग, हरियाणा सरकार के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 'अंजुम 2013' टैगोर थिएटर चण्डीगढ़ में लोक नृत्यों तथा श्री साईं आर्ट द्वारा बेले प्रस्तुत किए गए।	20/01/2013
6	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने संगतीज्ञ श्री जगजीत सिंह तथा सोम दत्त शर्मा को श्रद्धांजली देने के लिए पंचकुला में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।	24/02/2013
7	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने सरकारी पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, अम्बाला छावनी में हरियाणवी लोक नृत्य की कार्यशाला लगायी।	27/02/2013 से 13/03/2013
8	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा चण्डीगढ़, पंचकुला में मेजर सिंह एवं ग्रुप द्वारा लोक गायन तथा भांड मरासी पेश किया गया।	10/03/2013
9	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा अम्बाला छावनी में बलबीर सूफी एवं ग्रुप द्वारा सूफियाना गायन पेश किया गया।	23/03/2013

उत्तराखण्ड

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से दविधूरा, उत्तराखण्ड में 'शिरवनी रक्षा बंधन महौत्सव' में लोक नृत्य-छपेली, घसियासी, हरूल इत्यादि (उत्तराखण्ड) पेश किए गए	07/08/2012 एवं 08/08/2012
2	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा नैनीताल में हुए 'शरद उत्सव' के दौरान लोक नृत्य-सिरमौरी नाटी (हि.प्र.), कल्बेलिया (राजस्थान) तथा पंजाबी वैरायटी लोक नृत्यों का आयोजन किया गया।	01/11/2012 से 03/11/2012
3	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा देहरादून में 'विरासत मेला' में लोक नृत्य-सिरमौरी नाटी (हि.प्र.), कल्बेलिया (राजस्थान) तथा पंजाबी वैरायटी लोक नृत्य (पंजाब) का आयोजन किया गया।	04/11/2012 से 06/11/2012
4	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा हलदवानी में 'शरद उत्सव' में लोक नृत्य-घूमर/फाग (हरियाणा) तथा पंजाबी वैरायटी लोक नृत्य (पंजाब) का आयोजन किया गया।	31/12/2012 से 02/01/2013



5	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने बागेश्वर में लगे 'उत्तरायावी मेला' में लोक नृत्य-कुल्लू नाटी (हि.प्र.) पेश किए।	16/01/2013 से 18/01/2013
6	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा ऋषिकेश में हुए 'अन्तर्राष्ट्रीय योग फेस्टिवल' में लोक नृत्य-कल्बेलिया भवई (राजस्थान) तथा रूफ (जे एवं के) पेश किए गए।	01/03/2013 से 03/03/2013

यू.टी. चण्डीगढ़		
क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में लगी 'आल इंडिया वूमैन आर्टिस्ट्स कोन्टैम्पोरेरी आर्ट एग्जिबीशन' में भाग लिया।	29/03/2012 से 04/04/2012
2	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा तीन बी आर डी, इंडियन एयर फोर्स चण्डीगढ़ में लोक नृत्य-पंजाबी लोक नृत्य एवं गायन (पंजाब), भांड भरायी, नाटी (हिमाचल प्रदेश) तथा घूमर फाग (हरियाणा) पेश किए गये।	5-6/04/2012
3	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा केन्द्रीय कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति, चण्डीगढ़ के केन्द्रीय सम्मेलन में लोक नृत्य-घूमर/फाग/खेडिया (हरियाणा) तथा पंजाबी वैरायटी पेश किए गए।	01/05/2012
4	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा 'पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चण्डीगढ़ की बार परिषद की 50 वीं वर्षगांठ' पर नृत्य कला से सुसज्जित प्रस्तुति दी गई जिसमें लोक नृत्य/गायन-फाग, बीन जोगी (हरियाणा), बपांग वादक, माँगनिआर, कल्बेलिया (राजस्थान), झूमर, सम्मी, लुड्डी (पंजाब), कुड (जे एंड के), गुज्जर नृत्य (हि.प्र.), सिद्दी धमाल (गुजरात), सुश्री गुरमीत बाबा एवं ग्रुप द्वारा लोक गायन।	05/05/2012
5	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा चण्डीगढ़ में माननीय मुख्य मंत्री पंजाब के निवास पर डा. ममता जोशी एवं ग्रुप द्वारा सूफी गायन का आयोजन किया गया।	11/05/2012
6	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा उल्हिया गार्डन, सेक्टर-36 चण्डीगढ़ में हुए 'तीज त्यौहार' के अवसर पर लोक नृत्य-भांगड़ा, गिद्धा, जिन्दुआ इत्यादि (पंजाब) पेश किए गए।	21/07/2012



7	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने टैगोर थियेटर, चण्डीगढ़ में लोक नृत्य-भांगड़ा, गिद्धा इत्यादि (पंजाब) पेश किए।	27/07/2012
8	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने कला भवन, चण्डीगढ़ में लोक नृत्यों-मलवाई गिद्धा तथा लुड्डी (पंजाब) का आयोजन किया।	18-19/08/2012
9	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा नवोदय विद्यालय चण्डीगढ़ में लगी सी सी आर टी कार्यशाला में भाग लिया।	7-11/08/2012
10	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा टैगोर थिएटर चण्डीगढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'मोह मालके दा' में लोक नृत्य-लुड्डी, गिद्धा एवं सम्मी (पंजाब) पेश किया गया।	26/09/2012
11	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा टैगोर थिएटर, चण्डीगढ़ में हुए 'सीनियर सिटीजन खिच समारोह' के अवसर पर श्री बलबीर सूफी एवं ग्रुप द्वारा लोक गायन तथा लोक नृत्य-भांगड़ा पेश किया गया।	01/10/2012
12	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा सुखना झील, चण्डीगढ़ में हुए 'चण्डीगढ़ स्ट्रीट आर्ट एंड स्ट्रीट फूड फेस्टिवल' में लोक नृत्य-बीन जोगी, नगाड़ा (हरियाण), नचार (पंजाब) पेश किया गया।	29/09/2012 एवं 30/09/2012
13	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने पंजाब कला भवन, चण्डीगढ़ में फोटोग्राफिक प्रदर्शनी में भाग लिया।	23/10/2012 से 28/10/2012
14	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने पंजाब कला भवन चण्डीगढ़ में लगी 'वंडर्ज ऑफ दी चाईल्ड' फोटोग्राफी प्रदर्शनी में भाग लिया।	25-30/12/2012
15	चण्डीगढ़ प्रशासन के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने चण्डीगढ़ में लगे 'रोज़ फेस्टिवल-2013' में भाग लिया तथा लोक नृत्य-रूफ (जे एंड के), गढ़वाल नृत्य (उत्तराखण्ड, सिरमौरी नाटी (हि.प्र.) तथा भांगड़ा/गिद्धा (पंजाब) पेश किए।	22/02/2013 से 24/02/2013
16	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने टैगोर थिएटर, चण्डीगढ़ में अर्जुन जयपुरी द्वारा 'गजल गायन' का आयोजन किया।	13/03/2013



राजस्थान

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जवाहर कला केन्द्र जयपुर के सहयोग से राष्ट्रीय लोक रंग समारोह-2012 जयपुर में लोक नृत्य-गतका (पंजाब), घूमर (हरियाणा), महासु नाटी एवं गद्दी नाटी (हि.प्र.), कुड्ड (जे एंड के), छपेली/घसियारी/जौनसारी (उत्तराखण्ड), पंजाबी वैरायटी (पंजाब), रूफ (जे एंड के) पेश किए गए।	30/10/2012 से 09/11/2012
2	जवाहर कला केन्द्र जयपुर के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जयपुर में 'लोहड़ी समारोह' के अवसर पर लोक नृत्यों-भांगड़ा/जिन्दुआ/मलवई गिद्धा इत्यादि (पंजाब) की भव्य पेशकारी दी गयी।	12/01/2013 एवं 13/01/2013
3	राजस्थान संगीत नाटक, जोधपुर के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जोधपुर में 'लोकानुरंजन मेले' का आयोजन किया जिसने घूमर (हरियाणा) भांगड़ा एवं गिद्धा (पंजाब), छपेली (उत्तराखण्ड), एवं डोगरी (जे एंड के) की बहुत ही बढ़िया प्रस्तुति दी गई।	26/02/2013 एवं 27/02/2013

पटियाला के कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा एन टी ए एस के सहयोग से पटियाला मे नाटकों का आयोजन करते हुए 'अन्तर्राष्ट्रीय थिएटर दिवस' मनाया गया।	07/04/2012 एवं 08/04/2012
2	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा विरषा बिहार केन्द्र, पटियाला मे स्कूल के बच्चों तथा अन्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने हेतु विख्यात माहिरों द्वारा भांगड़ा, पेटिंग तथा थिएटर के क्षेत्र में 'समर कार्यशालाओं' का आयोजन किया गया।	07/06/2012 एवं 29/06/2012
3	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने सेन्ट्रल स्टेट लॉयब्रेरी पटियाला में एनटीएएस द्वारा 'सुन्दरी एंड सब्ज बाग' नाटक का मंचन किया।	09/07/2012



4	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने हरपाल टिवाणा कला केन्द्र, पटियाला में लोक नृत्य-कल्लबेलिया (राजस्थान) तथा घूमर/फाग (हरियाणा) पेश किया।	25/08/2012
5	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा नाभा में लगे 'प्रो. मोहन सिंह यादगारी मेले' में श्री बलबीर सूफी एवं ग्रुप द्वारा सूफी गायन तथा लोक नृत्य-बाजीगर, मलवई गिद्धा, नचार, गतका (पंजाब) पेश किया गया।	20-21/09/2012
6	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने कम्युनिटी सेंटर, अर्बन एस्टेट-1, पटियाला में 'फीदी दर फीदी' नाटक का मंचन किया।	22/02/2013



5.2 राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (एन.सी.ई.पी.)

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा दिल्ली में 'बैसाखी समारोह' आयोजित किया तथा जिसमें लोक नृत्य-गिदधा एवं भांगड़ा, जिन्दुआ एवं लोक आर्केस्ट्रा (पंजाब) तथा कल्बेलिया/भवई (राजस्थान) पेश किया गया।	07/04/2012
2	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से कनाली धोवाल, जिला पिथौरागढ़ में 'कनाली छेना महोत्सव-2012' में लोक नृत्य-घूमर/फाग इत्यादि (हरियाणा), सिरमौरी नाटी (हि.प्र.) पेश किए गए।	26/04/2012 एवं 28/04/2012
3	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से हल्दवानी में हुए 'सुर-ताल महोत्सव' में लोक नृत्य-रूप (जे एंड के) तथा भांगड़ा (पंजाब) पेश किया गया।	01-02/7/2012
4	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने चम्बा (हि.प्र.) में अन्तर्राष्ट्रीय 'मिंजर मेला' के दौरान लोक नृत्य-भांगड़ा एवं जिन्दुआ (पंजाब), रूप (जे एंड के), कल्बेलिया (राजस्थान), तथा घूमर/घमाल इत्यादि (हरियाणा) की प्रस्तुति दी।	2-3/8/2012
5	संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जोगेश्वर धाम में 'शरावणी मेला' में लोक नृत्य-छपेली, घसियारी हारूल इत्यादि (उत्तराखण्ड) की प्रस्तुति दी गई।	8-9/8/2012
6	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बी एस एफ) के सहयोग से आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना के रजत जयन्ती वर्ष 2012-13 में विलक्षण 'सांस्कृतिक (कल्चर) यात्राओं' का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न भागों/सीमावर्ती क्षेत्र-जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में भारत के सभी सांस्कृतिक क्षेत्रों का प्रतिनिधत्व करते हुए लोक कलाकारों, लोक गायकों तथा वाद्य माहिरों को शामिल किया गया, जिसमें थंगता, पोंग/ढोल मालेम (मणिपुर), चपेली (उत्तराखण्ड), भांगड़ा / जिन्दुआ (पंजाब),	13/08/2012 एवं 03/09/2012



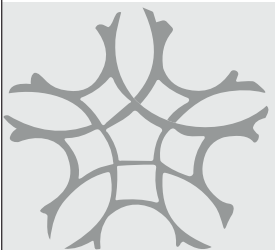
	फाग (हरियाणा), मेवासी (गुजरात), सिंधी धमाल (गुजरात), लोक वाद्य एवं गायन (राजस्थान), राऊफ (जे एंड के), प्रॉ. मेजर सिंह एवं ग्रुप-लोक वाद्य एवं गायन (पंजाब), बीन जोगी (हरियाणा), सुश्री गुरमीत बाबा, लोक गायक डा. ममता जोशी सूफी गायक इत्यादि शामिल हुए।	
7	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा नई दिल्ली में एन एफ एल के स्थापना दिवस की पूर्व-संध्या पर नृत्य कला प्रस्तुति की गई है, जिसमें लोक नृत्य, लंगा लोकगायक/बपांग वादक (राजस्थान), कल्बेलिया (राजस्थान), घूमर (हरियाणा), सिरमौरी नाटी (हि.प्र.), प्रो. मेजर सिंह एवं ग्रुप-लोक वाद्य एवं गायन (पंजाब), डा. ममता जोशी एवं ग्रुप-सूफी गायक इत्यादि द्वारा प्रस्तुति दी गई।	24/08/2012
8	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा फरीदकोट में बाबा शेख फरीद, पिथौरागढ़ (उत्तराखंड), चण्डीमन्दिर (हरि.), चण्डीगढ़ तथा सोलन (हि.प्र.) में लगातार चलने वाले कार्यक्रमों में लोक नृत्य, लोक वाद्य एवं लोक गायन - लुड्डी, लोक वाद्य एवं गायन (पंजाब), लंगा गायन, माँगनिआर (राजस्थान), मयूर (यू पी), सिंधी धमाल (गुड़गांव), कल्बेलिया (राजस्थान), गुज्जर (जेएंडके), कुड (जेएंडके), दाँदिया (गुजरात) एवं सूफी गायक बलबीर सूफी एवं ग्रुप द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।	21/09/2012 से 01/10/2012
9	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जिला प्रशासन, पटियाला के सहयोग से शीश महल, पटियाला में आयोजित 'रीजनल सारस मेला' में लोक नृत्य- सिरमौरी नाटी (हि.प्र.) में वासी (गुजरात); गोटी पुआ (ओडीश) पुरलिया चाऊ (पश्चिमी बंगाल), सिंधी धमाल (गुजरात), छपेली/घसियारी (उत्तराखंड) राउफ (जेएंडके) का आयोजन किया गया।	11/10/2012 से 22/10/2012
10	जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जयपुर में 'राष्ट्रीय लोक रंग समारोह-2012' में लोक नृत्य-गतका (पंजाब), घूमर (हरि.), महासू नाटी एवं गद्दी नाटी (हि.प्र.), कुडु (जेएंडके), छपेली / घसियारी /जौनसारी	30/09/2012 से 09/11/2012



	(उत्तराखण्ड), पंजाब वैरायटी (पंजाब), रूफ (जेएंडके) पेश किए गए।	
11	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने चण्डीगढ़ में हुए चण्डीगढ़ कार्निवाल-2012 में भाग लिया।	23/11/2012 से 23/11/2012
12	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा प्रशासन चण्डीगढ़ के सहयोग से कलाग्राम चण्डीगढ़ में “चतुर्थ चण्डीगढ़ राष्ट्रीय दस्तकारी मेला” का आयोजन किया गया। दस्तकारी मेले के दौरान प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता था; जिसमें सम्पूर्ण भारत से 500 से अधिक लोक नृत्य कलाकारों ने भाग लिया। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र से निम्नांकित कला रूप पेश किए : बरदोई शिखला (आसाम), गुडुम बाजा (आं.प्र.), लम्वादी (आं.प्र.), गौड़ मड़िया, काकसर (छत्तीसगढ़), जौनसारी (उत्तराखण्ड), महासू नाटी, गुज्जर (जेएंडके), डांगी (गुजरात), तमांग शिलो (सिक्किम), साम्बलपुरी (ओडीश), थंगता (मणिपुर), बाजीगर (परं), नगाडा, घूमर/फाग (हरि.), भांगड़ा, जिन्दुआ, झूमर (परं), छाओ (पश्चिमी अंगाल), बेहरूपिया, बीन जोगी (हरि.) इत्यादि।	30/11/2012 से 09/12/2012
13	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड, कुरुक्षेत्र तथा हरियाणा सरकार के सहयोग से “कुरुक्षेत्र उत्सव-गीता जयन्ती समारोह-2012 का आयोजन किया, जिसमें कुरुक्षेत्र में तथा आस-पास विख्यात कलाकारों द्वारा रंगोली का आयोजन तथा प्रसिद्ध कलाकारों, लोक कलाकारों द्वारा दस्तकारी मेले, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	19/12/2012 से 28/12/2012
14	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जिला प्रशासन संगरूर के सहयोग से आयोजित ‘रेड क्रास मेला’ में विभिन्न राज्यों के राज्य नृत्य पेश किए गए।	23/12/2012
15	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने मिदनापुर (पश्चिमी बंगाल) में ‘लोक उत्सव-2013’ में लोक नृत्य भांगड़ा (पं.), सिरमौरी नाटी (हि.प्र.) की प्रस्तुति दी।	5-6/1/2013



16	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के सहयोग से सैक्टर-21, चण्डीगढ़ में लोहड़ी समारोह आयोजित किया।	11/01/2013
17	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने खड़गपुर में हुए 'स्प्रिंग फ़ैस्टिवल' में लोक नृत्य-कुंद (जेएंडके) तथा घूमर (हरि.) पेश किए।	23/01/2013
18	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने बाघा सीमा, अमृतसर, नरोत जयमल सिंह, पठानकोट तथा बी एस एफ मुख्यालय, जालन्धर में सांस्कृतिक सन्ध्या का आयोजन किया - जिसमें दिपनविता राय, बलबीर सूफी, डॉ. ममता जोशी द्वारा तथा साथ ही पंजाब एवं बकरी (राजस्थान) के लोक नृत्य भी पेश किए गए।	26/01/2013 से 28/01/2013
19	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने मनाली में हुए 'विंटर कार्निवाल' में भाग लिया, जिसमें लोक नृत्य-भांगड़ा, जिन्दुआ (पं.) तथा घूमर (हरि.) पेश किए गए।	10/2/2013 से 12/2/2013
20	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने सूरजकुण्ड में "27वें सूरजकुण्ड अन्तर्राष्ट्रीय दस्तकारी मेला" में भाग लिया तथा थांगहा (मणिपुर, भांगड़ा (पं.), सैला कर्मा, गौड़ मड़िया (छत्तीसगढ़), बिहु (आसाम), पुर लिचा चाहू (पश्चिमी बंगाल), राऊफ (जेएंडके), लम्बदी (आं.प्र.), मस्तक (मेघालय) तथा चांद निजामी, क्वाल पेश किए गए।	1-15/2/2013
21	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने बेरपेटा, आसाम में हुई "आसाम साहित्य सभा के 72वें सत्र" में लोक नृत्य, घूमर/फाग (हरि.) और भांगड़ा (पंजाब) पेश किए।	1-4/2/2013
22	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने मण्डी (हि.प्र.) में लगे 'अन्तर्राष्ट्रीय शिवरात्रि मेला' में लोक नृत्य भांगड़ा, जिन्दुआ (पं.) तथा कल्बेलिया (राजस्थान) पेश किए।	15/3/2013 से 16/3/2013



5.3 रंगमंच नवीकरण योजना

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि
1	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने चण्डीगढ़ में अदाकार मंच के सहयोग से थिएटर फ़ैस्टिवल 'अदाकारियाँ' का आयोजन किया।	25-29/5/2012
2	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने नाटक वाला, पटियाला के सहयोग से अपने प्रधान कार्यालय विरसा विहार केन्द्र, पटियाला में '19वें ग्रीष्म रंगमंच उत्सव' का आयोजन किया गया।	28-30/6/2012
3	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जिला रोपड़ (पंजाब) के ग्रामीण क्षेत्रों में "मैं नू मेरे तो बचाओ, नाटक का मंचन किया।	23/7/2012 से 05/8/2012
4	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने रास कला मंच, सफीदों के सहयोग से आयोजित हिसार में हुए 'तृतीय चलो नेशनल थिएटर फ़ैस्टिवल' में नाटकों का मंचन किया।	8-16/8/2012
5	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा चण्डीगढ़ में हुए 9वें गुरशरण सिंह नाट उत्सव में नाटकों - 'सुख बसे मस्किंया' गर वापसी के गीत, बाकी इच्छास' तथा इक्को मिट्टा दे पुत, को पेश किया गया।	17/09/2012 एवं 16/09/2012
6	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने कला भवन चण्डीगढ़ में 'वापसी' नाटक का मंचन किया।	23/11/2012
7	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा विरसा विहार केन्द्र अमृतसर में हुए '10वें थिएटर फ़ैस्टिवल' में नाटकों - "कर्मावाली, 'अरे शरीफ लोग, जमीला तथा दो कोड़ी के खेल'-का मंचन किया गया।	9-13/12/2012
8	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने कोलकाता में 29वें नंदीकार 'ज' नेशनल थिएटर फ़ैस्टिवल में भाग लेते हुए सुश्री सुखमणी कोहली, चण्डीगढ़ के नाटक का मंचन किया गया।	16/12/2012
9	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने चण्डीगढ़ में 'पीढ़ी-दर-पीढ़ी' नाटक पेश किया।	12/01/2013
10	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र अमृतसर में '6वें क्लासिकल पंजाब थिएटर फ़ैस्टिवल' का आयोजन किया तथा नाटक 'दिल जिहा कोई कमीना नहीं' तथा मैं और मेरी कहानियाँ का मंचन किया।	19/02/2013 से 24/02/2013



11	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा टैगोर थिएटर चण्डीगढ़ में थिएटर फ़ैस्टिवल का आयोजन किया गया और नाटक - ताजमहल का टेंडर तथा किस ठग ने लुटिया शहर मेरा' का मंचन किया।	10/03/2013 से 12/03/2013
----	---	--------------------------------



6 गुरु शिष्य परम्परा (मास्टर से शिष्य परम्परा) योजना

पृष्ठभूमि :

संस्कृति विभाग, भारत सरकार, ने दुर्लभ एवं अदृश्य हो रहे कला विधाओं जैसे शास्त्रीय लोक/जन जातीय नाच एवं गायन के संरक्षण तथा प्रोत्साहन देने के लिए आर्चलिक सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा 'गुरु शिष्य परम्परा' योजना के तहत चाहवान युवा कलाकारों को प्रोत्साहित तथा प्रशिक्षण देने के लिए निपुण गुरुओं के अन्तर्गत अपनी रूचि के अनुसार शिक्षा प्राप्त करना एवं आर्थिक सहायता हेतु वजीफा के भुगतान करना।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने अपने सभी राज्यों में इस योजना को लागू किया। अदृश्य हो रहे संवैधानिक लोक नाच एवं वाद्यों इत्यादि को जीवित रखने के लिए निम्नांकित वजीफे के लगभग 267 गुणों को 31.3.2013 तक आर्बिटित / बढ़ाया गया है :

- 1 हिमाचल प्रदेश** खंजरी रुबाना, महासु नाटी, गंगी व मोना गायन, इकतारा, हुडक, रणसिंघा, ठोडा नृत्य, पहाड़ी चित्रकला, धाजा, चन्द्रवली गायन, चम्बा रुमाल, घाट नृत्य, गद्दी नृत्य, चुराही नृत्य, गोजरी नृत्य, सीतू नृत्य, मूर्तिकला, कांगड़ा चित्रकारी, घुरेही नृत्य, डंडारास नृत्य, धूरिया स्वांग, हुडक नृत्य, भगत (लोक रंगमंच), किन्नौरी नाटी आदि।
- 2 जम्मू व कश्मीर** संतूर सहित सुफियाना गायन, कुड नृत्य, किंग वाद्य, भांखां, सूरना, दामियां, बांसूरी, लोक रंगमंच, लदाख का लोक गायन, भगत, कश्मीर का लोक गायन, धमाली नृत्य, जातर व कार्क, भांड पाथेर (लोक रंगमंच), गितरु (गायन व नर्तन), हरनान नृत्य, दांसतान लोसर नृत्य (लेह), बज-ए-नगमा, रबाब (वाद्य) इत्यादि।
- 3 पंजाब** मलवई गिद्धा, टिपरी, तुम्बी, अलगोज़ा, लोक गाथा, बाज़ीगर, बगदू, गतका, सम्मी, नक्कल, लुडी, झूमर, सारंगी, सम्मी, ढोला, भरद, कविशर, चारकोल स्कैच, रबाब, सुफियाना गायन, दिलरुबा, गुरमत संगीत, पारम्परिक दस्तकारी, नचार, लोक मोतिफ्स, दरी एवं खेस बुनाई ढाडी गायन इत्यादि।



- | | | |
|---|------------------------|--|
| 4 | हरियाणा | हरियाणा की परम्परागत चित्रकारी, बमलहरी, धमाल, सारंगी, नगाड़ा, जोगी, दीपक रास, हरियाणा लोक कला, स्वांग, बीन, बांसूली, बीन-वंजाली, जंगम, गुग्गा नृत्य, डेरु, तुम्बा, ताशा, मटका, सपेरा-बीन, हरियाणवी लोक गायन, बैँजो व दो तारा (वाद्य) आदि। |
| 5 | यू.टी. चण्डीगढ़ | ढाड सारंगी, लोक रंगमंच, सुफियाना कलाम, मलवई गिद्धा, ढोला, झूमर, कढाई, बुनाई दस्तकारी (जूट) आदि। |
| 6 | राजस्थान | चरी, हिमालू गायन, खमियाचा, भवई, लोक चित्रकारी, खडटल, कुचामणि ख्याल, परम्परागत लोक गीत, भपंग वादन, रावण हत्था (वाद्य) आदि। |
| 7 | उत्तराखण्ड | लोक कला, छोलिया नृत्य, उत्तरांचल का लोक गायन, कुमाऊँ क्षेत्र का लोक गायन, मिट्टी कला, मुखौटा बनाना, थाडिया चोफला, कुमाऊँनी नृत्य, जौनसारी नृत्य, थारु बुक्सा, हुडक (वाद्य), जागर गायन, चांचरी गायन, ढोल व दमाऊ (वाद्य), गढ़वाली नृत्य, छपेली नृत्य, मशक बीन, पांडु गायन आदि। |



7 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा वर्ष 2012-13 में किया गया अभिलेखन/प्रकाशन कार्य

वर्ष 2012-13 में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा अभिलेखन/प्रकाशन का निम्न कार्य किया गया:

विद्वानों द्वारा कार्य:

1. संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सुझाव पर डॉ. सुरजीत सिंह, भूतपूर्व प्रोफेसर एवं मुखी, मानव शास्त्रीय भाषा विज्ञान एवं पंजाबी भाषा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला तथा अब परियोजना निदेशक, पंजाब मौखिक परम्पराएं एवं सांस्कृतिक विरासत द्वारा 'ट्रिडिशनल व फोक एंब्रायडरी इन इंडिया'' शीर्षक वाली प्रमाणिक पुस्तक को लिखने का कार्य प्रक्रिया अधीन है।

रिपोर्ट्स/डी.वी.डीज:

1. संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखने के लिए वर्ष 2011-12 हेतु वार्षिक रिपोर्ट का मुद्रण।
2. पिछले तीन वर्षों हेतु संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के लिए मास्टर प्रतियों से डी वी डी 'ज' का परिवर्तन।
3. अन्य कार्यक्रमों के साथ-साथ निम्नांकित कार्यक्रमों पर डी वी डी 'ज' भी एन जैड सी सी द्वारा बनाई गई हैं:
 - पंजाब एवं हरियाणा उध्व न्यायालय, चण्डीगढ़ की बार परिषद की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
 - कलाग्राम चण्डीगढ़ में लगा 'चतुर्थ चण्डीगढ़ दस्तकारी मेला'
 - गीता जयन्ती - कुरुक्षेत्र उत्सव-2012, कुरुक्षेत्र में।
 - 13/08 से 04/09/2012 तक पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों में सांस्कृतिक यात्रा-2012
 - फरीदकोट में बाबा शेख फरीद मेला तथा उत्तराखंड, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में अन्य कड़ीबध्य कार्यक्रम
 - तहसील अर्की सोलन में लोक गायन / नृत्य।



8 कलाग्राम

शिल्प ग्राम (बाद में 'कलाग्राम' नामित)

परियोजना : मनीमाजरा, चण्डीगढ़

पृष्ठभूमि:

उत्तर क्षेत्र में चण्डीगढ़ का अनुपम स्थान है। एक ओर जहां यह केन्द्र शासित प्रदेश है वहीं दूसरी ओर दो राज्यों पंजाब और हरियाणा की राजधानी भी है। यह हिमाचल प्रदेश का प्रवेश द्वार है जोकि क्षेत्र का महत्वपूर्ण सदस्य राज्य है। हाल ही में चण्डीगढ़ को क्षेत्र के पाँचवें महत्वपूर्ण राज्य जम्मू व कश्मीर से सीधी विमान सेवा से जोड़ा गया है। वर्षों से चण्डीगढ़ के मनीमाजरा में स्थित कलाग्राम चण्डीगढ़-कालका मार्ग पर स्थित होने के कारण चार सदस्य राज्यों की सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया है। कलाग्राम परिसर न केवल भारत के पाँच उत्तरी राज्यों सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र बिन्दू बन गया है बल्कि क्षेत्र का महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्र भी बन गया है।

कलाग्राम परियोजना का वर्तमान स्वरूप:

दिसम्बर 2009 में महामहिम राज्यपाल, पंजाब व प्रशासक, केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ और चेयरमैन उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने 'प्रथम चण्डीगढ़ राष्ट्रीय शिल्प मेला' के अनुभव के आधार पर उचित तथ्यों के प्रकाश में कलाग्राम के द्वितीय चरण की योजना का प्रारूप बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक और केन्द्र शासित प्रदेश, चण्डीगढ़ के मुख्य आर्किटेक्ट को शिल्पग्राम उदयपुर में जाकर उसके पहलुओं का अध्ययन करने और अनिवार्य विशेषताओं को योजना में शामिल करने को कहा। कलाग्राम के द्वितीय चरण के विकास के लिए प्रस्तावित योजना के प्रारूप को उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के मुख्य उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया जैसे कि क्षेत्र से संबद्ध राज्यों जम्मू व कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तरखण्ड और केन्द्र शासित प्रदेश, चण्डीगढ़ की कलाओं का संरक्षण, नवीनीकरण, विकास व विस्तार करना और इन्हें संगीत, नाटक, ललित कला (दृश्य कला: जैसे चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक्स, छाया कला, सैरा मिथ्य और ललित कलाओं के क्षेत्र से सम्बद्ध अन्य कलाएं) एवं साहित्य के विस्तृत दायरों को लिए यह क्षेत्र केन्द्र बन सके। और भारत की सांस्कृतिक विरासत की संयुक्त पहचान हो उनके योगदान तथा क्षेत्रीय केन्द्रों की गुणवत्ता को विकसित और विस्तारित करने, भारत की अनेकता और अद्वितीयता को विकसित अग्रसर करने के उद्देश्य अधीन किया गया। यह महसूस किया गया है कि उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की गतिविधियों और उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कलाग्राम की द्वितीय चरण की योजना में मूलभूत ढांचे की निम्न आवश्यकताओं को रखा जाए।



- (i) उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के सदस्य राज्यों जम्मू व कश्मीर, पंजाब और चण्डीगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा और राजस्थान की कला व शिल्प के प्रदर्शन के लिए छः स्थायी ढांचे तैयार करना।
- (ii) क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों: उत्तर केन्द्रीय क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद, पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, कोलकाता, उत्तर पूर्वीय क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, दीमापुर, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर, दक्षिण केन्द्रीय क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र नागपुर, दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र तंजावुर के लिए एक स्थायी ढांचे का निर्माण करना जिसमें वर्ष भर बारी-बारी से क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र अपने-अपने सदस्य राज्यों के शिल्प का प्रदर्शन कर सकें।
- (iii) बिन्दू i व ii में दर्शाए गए स्थायी ढांचे के चारों ओर ऐसे अस्थायी ढांचे तैयार करना जिनमें अन्य अन्यक्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय हस्तकलाकारों द्वारा तैयार वस्तु को प्रदर्शित किया जा सके।
- (iv) एक बहु-उद्देश्यीय महाकक्ष/पेक्षागृह।
- (v) एक विशाल खुला रंगमंच जिसका मंच ढका हो और कलाकारों के तैयार होने के कमरे हों।
- (vi) खान-पान की जगह
- (vii) समुचित वाहन स्थल।

कलाग्राम के अतिरिक्त आन्तरिक संरचना के निर्माण के लिए तैयार की निर्माण योजना अब अन्तिम चरण में है जिससे कि आने वाले समय में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के उद्देश्यों की प्राप्ति को गति मिलेगी और कलाग्राम न केवल वास्तविक रूप से सदस्य राज्यों की सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य केन्द्र बनेगा बल्कि भारत का प्रतीक रूप भी प्राप्त करेगा।



कलाग्राम में आयोजित गतिविधियाँ (वर्ष 2012-13)

क्र.सं.	तिथि	गतिविधि	रिमार्कस
1	01.04.2012 से 31.03.2012	झुग्गी झोपड़ी क्षेत्रों के बच्चों के लिए संगीत कार्यशाला	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
2	04.06.2012 से 01.07.2012	बच्चों के लिए समर कार्यशाला : (1) थियटर वर्कशाप -श्री शरद खरे द्वारा संचालित (2) लोक नृत्य भांगड़ा-वर्कशाप श्री बलबीर चन्द द्वारा संचालित (3) कथक नृत्य एवं लोक नृत्य (पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान) वर्कशाप-सुश्री बरखा बाली द्वारा संचालित।	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
3	10.06.2012 एवं 11.6.2012	हिन्दी टी.वी. सीरियल "रब से सोना इश्क" की शूटिंग	जय प्रोडक्शन मुंबई द्वारा
4	04.08.2012	संगीतमय सांयकाल शो	एम एच वन टी वी नेटवर्क लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित
5	17.08.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : आर.एस.वी.पी., श्री कीर्ति कृपाल नाट्यम, बठिण्डा (पंजाब) द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
6	24.08.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : जिदंगी एवं 'बाल्टी सिंह' श्री विजय कुमार द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
7	31.08.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'मिस्त्री राम पाल', श्री मिश्रिल चांग द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
8	02.09.2012	नृत्यों का सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे भांगड़ा क्लासिकल, हिप-होप, राजस्थानी नृत्य इत्यादि	एक्सप्रेस एकेडमी चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित
9	07.09.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'अन्नी गली दे मोड़ ते', श्री गुलजार पवार द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
10	09.09.2012	पंजाबी फिल्म 'तू मेरा 22, मैं तेरा 22'	किसान प्रोडक्शन मोहाली द्वारा
11	14.09.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'राजा की परेशानी', श्री रविन्द्र कुमार द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित

12	21.09.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'मिट्टी दे पुत्र' श्री इकतर सिंह द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
13	25.09.2012	फीचर फिल्म 'लक्की कबूतर' की शूटिंग	इंद्र जीत फिल्मज्, कम्बाईन नई दिल्ली द्वारा
14	05.10.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'जब जागो तभी सवेरा' श्री राजीव मेहता द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
15	19.10.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'मिट्टी दा बाबा' श्री जसबीर सिंह द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
16	26.10.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'मेरिज ब्यूरो' श्री अश्वनी द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
17	02.11.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'भुकल दी अग्ग' श्री जसबीर सिंह द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
18	09.11.2012	शुक्रवार थियटर प्ले : 'मर्द अगमड़ा' श्री गौरव शर्मा द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
19	16.11.2012	ट्राइसिटी के स्कूल बहनों की पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिताएं - आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों के रजत जयन्ती समारोहों के भाग के तौर पर बाल दिवस तथा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का 27वां फाउंडेशन दिवस समारोह	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
20	18.11.2012	वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम	विन शट्टल सोफ्टवेयर प्राई. लिमि. चण्डीगढ़
21	18.11.2012	सूफी आवाज, नाज और साज की सांस्कृतिक सन्ध्या	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
22	20.11.2012	पंजाब मण्डी बोर्ड, चण्डीगढ़ द्वारा आमंत्रित होलसेल मार्किट्य-ग्लोबल ओपरच्यूनिटीज एंड इनोवेशन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि मण्डल के लिए पंजाब के लोक	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित



		संगीत, लोक इंस्ट्रुमेंट्स, लोक नृत्यों तथा लोक गीतों की कोरियोग्राफिक पेशकारी।	
23	23.11.2012	शुक्रवार थियटर: नाटक : 'पीढ़ी दर पीढ़ी' डॉ. इन्द्रजीत कौर द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
24	30.11.2012 से 09.12.2012	चतुर्थ चण्डीगढ़ राष्ट्रीय दस्तकारी मेला विषय : दि ट्राईब्ज ऑफ इंडिया मुख्य संध्याएं : (1) उद्घाटन समारोह (2) सूफी गायन और नृत्य-सूफी बलबीर, (डॉ.) दिपनविता विद्या राय एवं (डॉ.) ममता जोशी द्वारा पेशकारी (3) बेले : 'शिव शक्ति' (डॉ.) सरोज वैद्यनाथन एंड ग्रुप द्वारा पेशकारी (4) गायन प्रतियोगिता - सूरों के सरताज (5) समापन समारोह	यू टी प्रशासन चण्डीगढ़ के साथ सहयोग में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
25	16.12.2012	वार्षिक समारोह	जी. एन. होली हार्ट पब्लिक स्कूल (रजि.) मौली, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित
26	16.12.2012	शुक्रवार थिएटर प्ले : भांड मिरासी, श्री इकत्तर सिंह द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
27	22.12.2012 एवं 23.12.2012	किड फैस्ट-2018 चण्डीगढ़	मैजिक मेकर्ज नई दिल्ली द्वारा आयोजित
28	04.01.2013	शुक्रवार थिएटर प्ले : 'टोया', श्री मिचिल चांग द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
29	10.01.2013	फॉक्स ट्रैवलर के लिए 'वाटस विद इण्डियन वुमैन', (नैशनल ज्योग्राफिक चैनल का एक हिस्सा)	स्माल स्क्रीन प्रोडक्शनस नई दिल्ली के द्वारा



30	11.01.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'बिखरे राही रूल गए', सुश्री नीतू द्वारा लिखित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
31	13.01.2013	'लोहड़ी समारोह' के दौरान लोक नृत्य की पेशकारी	सीनियर सिटीजन वैलफेयर एसोसिएशन मनीमाजरा, चंडीगढ़ के साथ सहयोग में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
32	18.01.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'झल्ले कित्थे जावे', श्री जज सिंह द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
33	19.01.2013	विडियो एलबम की शूटिंग	नवदीप फिल्म चंडीगढ़ द्वारा आयोजित
34	25.01.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'बड़े भाई साहब', श्री मोहनीश कल्याण द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
35	26.01.2013	गणतंत्र दिवस समारोह	एम आर डी माडल स्कूल मनीमाजरा चंडीगढ़ द्वारा आयोजित
36	27.01.2013	रेजिंग-डे समारोह	दीप पब्लिक स्कूल (रजि.) मौली चंडीगढ़ द्वारा आयोजित
37	01.02.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'वंदे मातरम', श्री सुरेन्द्र सिंह द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
38	08.02.2013	पंजाब के लोक नृत्यों की पेशकारी	सीनियर सिटीजन वैलफेयर एसोसिएशन मनीमाजरा, चंडीगढ़ के सहयोग से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित



39	08.02.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'गुरु दक्षिणा', श्री मोहनीश कल्याण' द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
40	10.02.2013	वार्षिक समारोह	सन बीम पब्लिक स्कूल, मोली जागरां चंडीगढ़ द्वारा आयोजित
41	15.02.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'एह है जिंदगी', श्री बनिन्द्र जीत सिंह' द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
42	16.02.2013 से 25.02.2013	गांधी शिल्प बाजार	फलाह हैडिक्राफ्ट्स सोसाइटी (रजि.) नई दिल्ली द्वारा विकास आयुक्त (दस्तकारी) के सहयोग से आयोजित
43	19.02.2013	वार्षिक समारोह	सेन्ट हरि पब्लिक स्कूल, (रजि.) मनीमाजरा चंडीगढ़ द्वारा आयोजित
44	22.02.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'मुल दी तीमी' सुश्री संगीता गुप्ता द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
45	22.02.2013	श्री अर्जुन जयपुरी तथा अन्तर्राष्ट्रीय विख्यात सूफी कवि एवं गायक श्री पशौरा सिंह ढिल्लों द्वारा गजल / सूफी गायन	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
46	26.02.2013 एवं 27.02.2013	पंजाबी फीचर फिल्म 'इश्क वरगा लव' की शूटिंग	भुटानी इंटरनेशनल प्राई. लिमि. सुपर फिल्मज् नई दिल्ली द्वारा
47	01.03.2013	शुक्रवार रंगमंच: (1) 'राजू बन गया जैटलमैन' तथा (2) 'साबुन दी टिक्की' श्री लक्खा लहरी द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
48	05.03.2013 से 10.03.2013	हिन्दी फिल्म 'बेशर्म' की शूटिंग	दर्शन औलख प्रॉडक्शन्ज् मोहाली तथा मूवी टैम्पल प्रॉडक्शन्ज् प्राई. लिमि. द्वारा आयोजित



49	08.03.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'जाड़े का इंतजाम', श्री हरमन पाल सिंह द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
50	15.03.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'अन्नी गली दे मोड़ ते', श्री गुलजार पवार द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
51	15.03.2013	संगीतमय सायंकाल शो	एम एच वन नेटवर्क लिमिटेड नई दिल्ली द्वारा आयोजित
52	16.03.2013	हिन्दी फिल्म 'बेशर्म' की शूटिंग	दर्शन औलख प्रॉडक्शनज़ मोहाली तथा मूवी टैम्पल प्रॉडक्शनज़ प्राई. लिमि. मुंबई द्वारा
53	22.03.2013	शुक्रवार रंगमंच: 'गगन दमामा बाजियो', श्री क्रान्ति पाल सिंह द्वारा निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित
54	27.03.2013	होली समारोह	श्री नरेश कुमार गर्ग चंडीगढ़ द्वारा आयोजित
55	29.03.2013	शुक्रवार रंगमंच: (1) 'सो क्यों मंदा आखिए जित जन्मे राहजान' तथा (2) लाईफ स्टाइल, श्री हरपिन्द्र जीत सिंह निर्देशित	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित



वर्ष 2012-13 में
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र
द्वारा आयोजित प्रमुख गतिविधियों
की कुछ झलकियां





महा-महिम राज्यपाल पंजाब तथा अध्यक्ष उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला
'चतुर्थ चण्डीगढ़ राष्ट्रीय शिल्प मेले' के उद्घाटन दौरान



मनीपुर के कलाकार 'चतुर्थ चण्डीगढ़ राष्ट्रीय शिल्प मेले' में
यांगटा नृत्य कला के प्रदर्शन दौरान





“सुफी गायन एवं शास्त्रीय नृत्यों तथा लोक नृत्यों के संयोजन की सांस्कृतिक संध्या” – वाघा सीमा, अमृतसर (पंजाब)



कलाग्राम में पंजाब के कलाकार पंजाबी लोक नृत्यों के प्रदर्शन दौरान

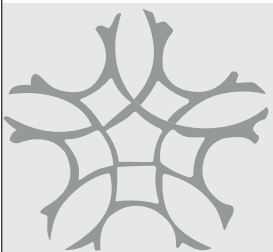




ओक्टोव-2013 उत्तर पूर्वी राज्यों के कार्यक्रम में कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए



लेह से आये हुए जब्रो नृत्य के कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए

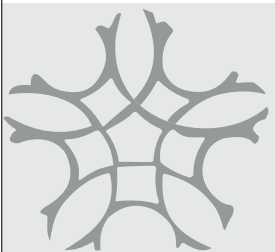




ग्रामीण क्षेत्रों में नाटक प्रदर्शन



चित्रकला शिविर कलाग्राम चण्डीगढ़



9 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का वार्षिक लेखा साल 2012-2013

गोयल सतीश एंड कम्पनी

सनधी लेखाकार

एस.सी.ओ. 913, एन.ए.सी., मनीमाजरा,

चण्डीगढ़ यू.टी.- 160 101

फोन(ऑफिस):0172-2738807, 2732031

लेखा परीक्षा का प्रतिवेदन

हमने उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, विरसा विहार केन्द्र, निकट शंरां वाला गेट, पटियाला- 147001 की संलग्न स्थिति विवरण एवं 01.4.2012 से 31.3.2013 तक आय-व्यय लेखों, प्राप्ति व भुगतान के लेखों की जांच कर ली है एवं लेखा के निरीक्षण हेतु हमारी रिपोर्ट निम्न है कि:

- 1 हमने ऑडिट के लिए सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी राय में सर्वोत्तम और विश्वसनीय है।
- 2 हमारे विचार में केन्द्र ने अपनी लेखा पुस्तिका को समग्र रूप से प्रस्तुत किया है जोकि हमें केन्द्र की लेखा पुस्तिका के अध्ययन से ज्ञात हुआ है।
- 3 हमारे विचार एवं सर्वोत्तम जानकारी और दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार केन्द्र के लेखों की टिप्पणियां जोकि स्थिति विवरण, आय-व्यय का लेखों, भुगतान और प्राप्ति के लेखों का अभिन्न भाग है।
- 4 हमारे विचार में केन्द्र का 31.3.2013 तक की स्थिति विवरण सत्य और स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करती है और आय व व्यय लेखा और प्राप्ति व भुगतान लेखा वर्ष 31.3.2013 तक का सत्य व स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करता है।
- 5 केन्द्र की स्थिति विवरण, जो आय व व्यय लेखा और प्राप्ति व भुगतान लेखा रिपोर्ट से सम्बद्ध है लेखा पुस्तिका से एक रूपता दर्शाती है।

स्थान: चण्डीगढ़

तिथि: 17.06.2013

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट
और भी तारीख के बारे में रिपोर्ट की अवधि



गोयल सतीश एंड कम्पनी
चारटेड एकाउंटेंट

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला

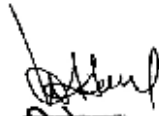
31 मार्च, 2013 को यथा विद्यमान तुलन पत्र (स्थिति विवरण)

विवरण	लेखा क्रमांक	चालू वर्ष 31-3-2013 (रु. पै.)	गत वर्ष 31-3-2012 (रु. पै.)
निधियों के साधन			
कॉरपस निधि, पूंजिगत निधि और दायित्व			
कॉरपस निधि/पूंजिगत कोष	1	189100000.00	181600000.00
आरक्षित व अधिशेष राशि	2	120500029.78	107079911.50
निर्धारित कोष	3	16400000.00	16400000.00
सुरक्षित कर्ज व उधारी	4	0.00	0.00
असुरक्षित कर्ज व उधारी	5	0.00	0.00
स्थागित कर्ज उपबंध	6	0.00	0.00
चालू दायित्व	7	10488282.00	122877007.00
कुल योग		336488311.78	427956918.50
निधियों का आवेदन			
स्थाई परिसम्पत्तियां	8	15770704.92	17376132.37
निवेश-आरक्षित निर्धारित	9	220000000.00	198000000.00
अन्य निवेश	10	74000000.00	168200000.00
चालू परिसम्पत्तियां ऋण व पेशगियां	11	26717606.86	44380786.13
कुल योग		336488311.78	427956918.50


उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र

Sunder Kumar
ज्येष्ठ ए. ओ.

स्थान: चण्डीगढ़
तिथि: 17.06.2013


निदेशक

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट
और भी तारीख के बारे में हमारी रिपोर्ट की अवधि


गोभी सतीश एंड कम्पनी
पटियाला

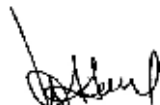
उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला

31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष की आय एवं व्यय का लेखा जोखा			
विवरण	लेखा क्रमांक	चालू वर्ष 31-3-2013 (रु. पै.)	गत वर्ष 31-3-2012 (रु. पै.)
आय			
आय बिक्री/सेवाएं	12	41335.00	8000.00
अनुदान	13	40925000.00	29881166.00
शुल्क/चंदा	14	983120.00	944860.00
आय निवेश पर (पूंजी हस्तांतरण)	15	25944807.17	24711024.40
प्रकाशन/स्वामित्व की आय	16	0.00	0.00
निवेश पर ब्याज	17	1344067.50	802515.00
अन्य आय	18	4466108.00	4597653.00
स्टॉक/सामान में घटा-बढ़ा	19	0.00	0.00
कुल योग (क)		73704437.67	60945218.40
व्यय			
कार्यक्रम व्यय	20	9630349.00	9197973.00
स्थापना व्यय	21	1791148.94	954272.82
प्रशासनिक प्रभार	22	0.00	0.00
अनुदान, अंशदान आदि पर खर्च	22-ए	46792137.00	36305782.00
ब्याज	23	156691.00	113906.00
मूल्य हास		1913993.45	2106740.16
कुल योग वर्षांत अनुसूचि 8 अनुसार)			
कुल योग (ख)		60284319.39	48678673.98
आय का खर्च से अधिक होना (क-ख)		13420118.28	12266544.42
विशेष कोष हस्तांतरण (सब का वर्णन)		0.00	0.00
सामान्य कोष हस्तांतरण		0.00	0.00
अधिशेष खाते में हस्तांतरण			
शेष अधिक बचने पर (घाटा)		13420118.28	12266544.42
कॉर्पस/पूंजी में जोड़ लिया गया			


उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र

Shankar Kaur
वधीक ए. ओ.

स्थान: चण्डीगढ़
तिथि: 17.06.2013


निदेशक

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट
और भी तारीख के बारे में हमारी रिपोर्ट की अवधि


गोपेश सतीश एंड कम्पनी

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला

विरसा विहार केन्द्र, शोरावाला गेट के भीतर, पटियाला-147001

वित्तीय विवरण प्रपत्र (गैर लाभ वाला प्रपत्र)

दिनांक 31-3-2013 को समाप्त अवधि एवं खातों का अनुसूचित निर्धारित भाग

आकस्मिक दायित्व एवं खातों पर टिप्पणियाँ (निदर्शाँ)

अनुसूचि 25

1. **आकस्मिक दायित्व**
 - 1.1 ऋण के तौर पर न माने गए उपक्रम के प्रति दावे रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
 - 1.2 निर्माकित के सम्बंध में :
 - उपक्रम द्वारा/की तरह से दी गई बैंक गारंटी रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
 - उपक्रम द्वारा/की तरह से बैंक द्वारा खोली गई एल सी रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
 - बैंकों के पास छूट प्राप्त बिल रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
 - 1.3 निर्माकित के सम्बंध में विवादग्रस्त मांग
 - आयकर रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
 - बिक्री कर रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
 - नगर निगम कर रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
 - 1.4 आदेशों की पालना न करने हेतु पार्टियों के दावों के सम्बंध में
 - परन्तु उपक्रम द्वारा विरोध किए रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
2. **पूँजी वचनबद्धता**

पूँजी खाते पर किए जाने वाले बकाया अनुबन्धों की अनुमानित लागत तथा जिसके लिए प्रदान नहीं किया गया (शुद्ध अग्रिम राशि) रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)
3. **पट्टा बाध्यता**

पी एवं सत्र के लिए वित्त पट्टा प्रबन्ध अधीन किराए हेतु भविष्य बाध्यता
4. **वर्तमान परिसम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम राशि**

प्रबन्धकों की राय में वर्तमान परिसम्पत्ति, ऋणों एवं अग्रिम राशियों का बैलेंस शीट में दर्शायी कुल राशि कम से कम बराबर, साधारण कारोबार में प्राप्तियों पर महत्व है।
5. **कराधान**

आयकर अधिनियम 1961 अधीन कर योग्य न होने के मद्देनजर आयकर हेतु किसी भी व्यवस्था को अनिवार्य नहीं समझा गया है।
6. **विदेशी मुद्रा लेन-देन** (राशि रु. में)
 - 6.1 **सी.आई. एवं आधार पर गिने गए आयातों की लागत** वर्तमान वर्ष पिछला वर्ष
 - सुसज्जित वस्तुओं की लागत शून्य
 - कच्चा माल तथा कम्पोनेंटस (ट्रांजिट सहित)
 - पूँजी वस्तुएं
 - स्टोर, स्पेयर एवं खपत योग्य वस्तुएं
 - 6.2 **विदेशी मुद्रा में खर्च** शून्य
 - क) यात्रा
 - ख) विदेशी मुद्रा में वित्तीय संस्थानों / बैंकों के पास जमा राशि एवं ब्याज
 - ग) अन्य खर्च:
 - बिक्री पर कमीशन
 - कानूनी एवं व्यावसायिक खर्च
 - फुटबाल खर्च
 - 6.3 **कमाई** शून्य
 - एल ओ सी आधार पर निर्यातों की लागत
 - 6.4 **आडिटरों का वेतन**
 - बतौर आडिटर
 - कराधान मामले शून्य
 - प्रबन्ध सेवाओं हेतु शून्य
 - प्रमाणिकता हेतु शून्य
 - अन्य (सी ए जी आडिटर) रु. 56820/-
7. अनिवार्य होने पर गत वर्ष के लिए बराबर के आंकड़ों के पुनः गठित / पुनः प्रबन्धित किया गया है।
8. अनुसूचित 1 से 25 दिनांक 31-3-2013 के अनुसार तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं खर्च खाते के अनुसार बैलेंस शीट के समग्र मांग के तौर पर संलग्न की गई है।

कृते गोयल सतीश एंड कम्पनी

चारटर्ड एकाउंटेंट्स

(फर्म रजि. नं. 010695एन)

कृते उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र

हस्ताक्षर

(सुरेन्द्र बंसल)

(अति.ए.ओ.)

स्थान: चण्डीगढ़

तिथि: 17.06.2013

हस्ताक्षर

(डी.एस.सरोया)

(निदेशक)

(सतीश गोयल, मालिक)

(सदस्यता नं. 089414)

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला

विरसा विहार केन्द्र, शेरवाला गेट के भीतर, पटियाला-147001

वित्तीय विवरण प्रपत्र (गैर लाभ वाला प्रपत्र)

दिनांक 31-3-2013 को समाप्त अवधि एवं खातों का अनुसूचित निर्धारित भाग

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां (निदर्शी)

अनुसूचि 24

1. **लेखा परम्परा**
वित्तीय विवरण अन्य रूप में दर्शाए गए अनुसार को छोड़कर ऐतिहासिक लागत परम्परा तथा लेखा विशुद्ध विधि के आधार पर तैयार किया गया है।
2. **इनवैन्ट्री मूल्यांकन**
 - 2.1 स्टोर एवं स्पेयर (मशीनरी कलपुर्जों सहित) लागत पर मूल्यांकित हैं।
 - 2.2 एन जैड सी सी कोई भी व्यापारिक गतिविधि नहीं कर रहा, इसलिए कच्चे माल, अर्ध-सुसज्जित वस्तुओं तथा सुसज्जित वस्तुओं का प्रश्न ही नहीं उठता। - लागू नहीं -
3. **निवेश**
 - 3.1 निवेश को दीर्घकालीन निवेशों के तौर पर वर्गीकृत करते हुए लागत में लिया गया है। वर्ष के अन्त में इस तरह के निवेशों के मूल्य में कोई कमी नहीं थी, अतः निवेशों के मूल्य में किसी भी कटौती के लिए कोई भी व्यवस्था नहीं की गई है।
 - 3.2 'वर्तमान' के तौर पर वर्गीकृत निवेशों को लागत एवं उचित मूल्य के निम्न स्तर पर किया गया है। इस तरह के निवेशों के मूल्य पर कमी के लिए किसी भी व्यवस्था की न तो व्यक्तिगत तौर पर और न ही विश्व आधार पर आवश्यकता है।
 - 3.3 लागत में अर्जन खर्च जैसे दलाली, ट्रांसफर स्टैम्प यदि भुगतान किया गया है, शामिल है। - लागू नहीं -
4. **आबकारी**
निर्यात के अलावा उपक्रम द्वारा उत्पन्न वस्तुओं के सम्बंध में आबकारी हेतु दायित्व को निर्माण पूरा होने पर माना गया है और वर्ष के अन्त में, आबकारी योग्य निर्मित वस्तुओं के लिए व्यवस्था की गई है।
5. **अचल परिसम्पत्ति**
 - 5.1 अचल परिसम्पत्ति को अधिग्रहण के सम्बद्ध आन्तरिक भाड़े, ड्यूटीज एवं करों तथा आकस्मिक एवं प्रत्यक्ष खर्चों को शामिल करते हुए अधिग्रहण की लागत के तौर पर वर्णित किया गया है। निर्माण वाले प्राजेक्टों के सम्बंध में, सम्बद्ध पूर्व-कार्यात्मक खर्च (सहित), मुकम्मल होने से पूर्व निर्दिष्ट प्राजेक्ट के लिए ऋणों पर ब्याज को परिसम्पत्ति के मूल्यों के निर्धारित भाग के तौर पर पूंजीकृत किया गया है।
 - 5.2 गैर-मौद्रिक अनुदानों द्वारा प्राप्त अचल परिसम्पत्ति को पूंजी रिजर्व के बराबर के कण से वर्णित मूल्यों पर पूंजीकृत किया गया है।
6. **अवमूल्यन**
 - 6.1 अवमूल्यन के सम्बद्ध परिसम्पत्ति के अवशेष के ऊपर परिशोधित, अचल परिसम्पत्ति की प्राप्ति हेतु विदेशी मुद्रा दायित्वों के परिवर्तन के कारण हुए लागत समायोजन पर अवमूल्यन को छोड़कर आयकर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट दरों के अनुसार लिखित लागत विधि पर (रिटन डाऊन वैल्यू) प्रदान किया गया है।
 - 6.2 वर्ष के दौरान अचल परिसम्पत्ति में वृद्धि/कटौती के सम्बंध में अवमूल्यन पर प्रो-राटा।
 - 6.3 25000/- या कम की लागत बाजी परिसम्पत्ति, प्रत्येक को खरीदी गई वस्तु के स्वरूप पर आधारित किया गया है।
7. **फुटकल खर्च**
स्थगित राजस्व खर्च को लागू होने से इसके होने के वर्ष से 05 वर्षों की अवधि में बट्टे खाते डाल दिया गया है।
8. **बिक्री हेतु लेखा**
बिक्री में आबकारी एवं शुद्ध बिक्री रिटर्न, छूट तथा व्यापार छूट, यदि हो, शामिल है। - शून्य -
9. **सरकारी अनुदान/सबसिडी**
 - 9.1 प्राजेक्टों की स्थापना की पूंजी लागत के सहयोग के तौर पर सरकारी अनुदान, यदि हो, को पूंजी रिजर्व माना गया है। - शून्य -
 - 9.2 लागू होने पर प्राप्त निर्दिष्ट अचल परिसम्पत्ति के सम्बंध में अनुदान को सम्बद्ध परिसम्पत्ति की लागत से कटौती के तौर पर दर्शाया गया है। - शून्य -
 - 9.3 सरकारी अनुदान/सबसिडी प्राप्ति आधार पर गिना गया है। - शून्य -
10. **विदेशी मुद्रा लेन-देन**
 - 10.1 विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्ग वाले लेन-देन को लेन-देन की तिथि के समय प्रचलित एक्सचेज दर पर माना गया है।
 - 10.2 वर्तमान परिसम्पत्ति, विदेशी मुद्रा ऋण एवं वर्तमान दायित्वों के वर्ष के अन्त में प्रचलित एक्सचेज दर पर परिवर्तित किया गया है तथा परिणामस्वरूप लाभ/हानि को अचल परिसम्पत्ति की लागत में समायोजित किया जाएगा, यदि विदेशी मुद्रा दायित्व अचल परिसम्पत्ति से सम्बद्ध है और अन्य मामलों में इन्हें राजस्व में विचार किया जाएगा।
11. **पट्टा :**
पट्टा किराए को पट्टा शर्तों के सन्दर्भ में खर्च किया गया है।
12. **सेवानिवृत्ति लाभ :** - शून्य -
 - 12.1 कर्मचारियों की मृत्यु/सेवा निवृत्ति पर भुगतान योग्य अंशदान के तौर पर दायित्व को विशुद्ध मूल्यांकन पर आधारित माना गया है।
 - 12.2 कर्मचारियों के लिए संचित अवकाश भुनन लाभ हेतु व्यवस्था को इस शर्त पर माना एवं रखा गया है कि कर्मचारी प्रत्येक वर्ष के अन्त में लाभ प्राप्त करने के हकदार हैं।

कृते गोयल सतीश एंड कम्पनी

चारटर्ड एकाउंटेंट्स

(फर्म रजि. नं. 010693एन)

कृते उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र

हस्ताक्षर

(सुरेन्द्र बंसल)

(अति.ए.ओ.)

स्थान: चण्डीगढ़

तिथि: 17.06.2013

हस्ताक्षर

(डी.एस.सरोया)

(निदेशक)

(सतीश गोयल, मालिक)

(सदस्यता नं. 089414)

10 ऑडिट प्रमाण पत्र / ऑडिट रिपोर्ट

31 मार्च, 2013 समाप्त वर्ष के लिए उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

हमने 31 मार्च, 2013 उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला के संलग्न तुलना-पत्र नियंत्रक-महालेखापरीक्षा के (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा/व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं की परीक्षा कर ली है। इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला के प्रबंधन का है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, अंतिम लेखाकरण प्रथाओं के साथ अनुरूपता, लेखाकरण मानकों और प्रबन्धन मानकों आदि के संबंध में केवल लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियमों एवं विनियमों (औचित्य एवं अनियमितता) तथा दक्षता एवं निष्पादन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन-देन पर लेखापरीक्षा अभ्युक्तियां यदि कोई हो, निरीक्षण प्रतिवेदनों/सीएजी के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से अलग से सूचित की जाती है।
3. हम ने भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि हम इस विषय में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए कि क्या वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण गलत विवरणों से मुक्त हैं योजना बनाते हैं और लेखापरीक्षा करते हैं। लेखापरीक्षा में नमूना के आधार पर जांच करना, रकमों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों और वित्तीय विवरणों में प्रकटन शामिल होते हैं। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त किए गए लेखाकरण सिद्धांतों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का निर्धारण और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हम विश्वास करते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत के लिए समुचित आधार समुचित आधार प्रदान करती है।
4. अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:-
 - (i) हमने सारी जानकारी व व्याख्यान एकत्र किए, जो कि हमारी जानकारी के अनुसार हमारी गणना परीक्षा के लिए जरूरी था।



- (ii) बचत खाता व आय व खर्च का हिसाब/रसीदें व अदायगी के खाते जो इस रिपोर्ट में दिखाए गए हैं, यह उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला के द्वारा स्वीकृत किये गये प्रारूप के आधार पर तैयार की गई है।
- (iii) हमारी राय में जैसे के हमारे ध्यान में आया कि उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला व हिसाब किताब व अन्य सभी अभिलेख प्रयाप्त ढंग से तैयार किए गए हैं, जैसा कि हमारे ध्यान में खातों को देखने पर सामने आया है।
- (iv) हम रिपोर्ट करते हैं :-

क. बैलेंस शीट

1. बकाया देयता

1.1 संग्रह/पूंजी फंड - मुब: 1891.00 लाख (अनुसूची-1)

1.1.1 स्वायत्त संस्थाओं के लेखाओं के साधारण फार्मेट बाडी के अनुसार बैलेंस शीट में ले कुल आय (खर्च)को आय व खर्च को संग्रह/पूंजी फंड में से स्थानांतरित किया जाना होता है। परंतु इसके बावजूद भी केन्द्र के द्वारा आय (खर्च) मुब: 1205.00 लाख रुपये का संग्रह / पूंजी फंड में स्थानांतरित करने की बजाए, इसको जनरल रिजर्व जो रिजर्व व सरपलस के खते में तबदील कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप संग्रह/पूंजी फंड में कमी और जनरल रिजर्व व सरपलस में मुब: 1205.00 लाख।

1.1.2 उपरोक्त रकम में मुब: 175.00 लाख (मुब: 100.00 लाख, हिमाचल प्रदेश व मुब: 75.00 लाख, जम्मू एवं कश्मीर सरकार) के चैकों का जिकर नहीं है, क्योंकि उन्हें खातों में लगाया नहीं गया था। इसके कारण बैंक बैलेंस में मौजूदा जिम्मेदारियों में मुब: 175.00 लाख की कमी आई है।

2. परिसम्पतियां :

2.1 चिन्हित / स्थायी निधि से निवेश : 2200.00 लाभ (अनुसूची-9)

उक्त में कार्टर्स / कैपिटल फण्ड तथा रिजर्व एवं सरपलस से किए क्रमवार 1891.00 लाभ एवं 145.00 लाख का निवेश शामिल है। इसका परिणाम 2036.00 लाभ की सीमा तक अन्य हेतु उक्त की अत्युक्ति तथा निवेश की न्यूनोक्ति के रूप में सामने आया है।

ख. सहायता के लिए मंजूरी

5. सहायता के लिए मंजूरी के सम्बंध में खातों के दौरान मुब: 470.17 लाख रु. प्राप्त किए गए हैं और केन्द्र इस में से 2012-2013 में मुब: 385.25 लाख इस्तेमाल किए जाने थे, जिसमें से 2011-12 में मुब: 84.92 लाख बिना इस्तेमाल के बिना उपयोग के रह गए हैं, 2012-2013 वर्ष के दौरान मुब: 474.94 उपयोग के लिए रह गए हैं, वर्ष 2012-2013 जो कि पिछले बकाए को समायोजक करने के पश्चात मुब: 4.77 लाख होते हैं।



उक्त के अलावा आंचलिक सांस्कृतिक केन्द्रों के रजत जयन्ती समारोहों के लिए उपलब्ध 1084.80 लाख के फण्डों में, 1000.00 लाख का अनुदान, 60.92 लाख के फण्डों का हस्तारण, उत्तर पूर्व फण्डों में से तथा 23.88 लाख का ब्याज शामिल है, केन्द्र द्वारा 1085.94 लाख का प्रयोग किया गया परिणामस्वरूप वर्ष 2012-13 के दौरान 1.14 लाख का अधिक प्रयोग हुआ।

ग. खातों पर आडिट विचारों का प्रभाव

पूर्व अनुच्छेदों में दिए गए विचारों का विशुद्ध प्रभाव है कि 31.3.2013 के अनुसार परिसम्पत्ति तथा साथ ही दायित्वों की 175.00 लाख तक न्यूनोक्ति हुई थी।

- (v) उपरोक्त खाते के सम्बंध में हम रिपोर्ट पेश करते हैं कि बैलेन्स शीट ओर आय व खर्च खाता/प्राप्ति की अदायगी खाता इस रिपोर्ट और इकरारनामा जो कि खातों से संबंधित है।
- (vi) हमारे विचार ओर हमारी पर्याप्त जानकारी के अनुसार ओर हमारे द्वारा दी गई दलीलों के अनुसार उपरोक्त विती बयान अकाउंटिंग पालीसीज और खातों पर नोटिस इक्कठे पढ़े जाए। उपरोक्त जरूरी विषय ओर दूसरे मामले जिनका विवरण इस ऑडिट रिपोर्ट के अनैक्सचर में दिया गया है सही व दरूस्त है जो कि साधारणतः भारत द्वारा स्वीकृत हैं और अकाउंटिंग सिद्धान्तों से मेल खाते हैं।
- क. इस के इलावा यह उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला के 31 मार्च, 2013 के कामों की बैलेन्स शीट से सम्बंधित हैं और
- ख. इस के इलावा यह आमदन व खर्च के अधिक्य खातों जो कि साल के दौरान उस दिन खत्म होते हैं से सम्बंधित हैं।

अस्वीकरण (Disclaimer)

“प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।”

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के लिए एवम् की ओर से

हस्ताक्षित

दिनांक

प्रिंसीपल निदेशक ऑफ ऑडिट (केन्द्रीय) चण्डीगढ़।

स्थान : चण्डीगढ़



परिशिष्ट

1. अंदरूनी लेखा प्रणाली की उचितता

केन्द्र द्वारा कोई भी अंदरूनी लेखा प्रणाली पेश नहीं की गई है। इसे एक बड़े क्षेत्र में संगठन के क्षेत्राधिकार पर विचार करते हुए तथा गतिविधियों के विविध स्वरूप विशेषतः अग्रिम राशियों के आबंटन समायोजन तथा उनके प्रति खर्चों की गणना पर विचार करते हुए पेश करने की आवश्यकता है।

2. अंदरूनी नियंत्रण प्रणाली की उचितता

अंदरूनी नियंत्रण संगठन के आकार एवं स्वरूप के लिए उचित एवं स्वरूप के लिए उचित नहीं था।

3. उचित परिसम्पत्ति की भौतिक पुष्टि प्रणाली

अचल परिसम्पत्ति की भौतिक पुष्टि कर ली गई थी।

4. इनवैन्ट्री की भौतिक पुष्टि प्रणाली

अचल परिसम्पत्ति की भौतिक पुष्टि कर ली गई थी।

5. वैधानिक बकाया के भुगतान में नियमितता

केन्द्र वैधानिक बकाया जमा करवाने में नियमित था।

हस्ताक्षित
निदेशक



Contents

S. No.	PARTICULARS	PAGE NO.
1.	INTRODUCTION	65
2.	OBJECTIVES	68
3.	ORGANISATIONAL SET UP	69
4.	CORPUS FUND	72
5.	ACTIVITIES DURING THE YEAR 2012-13	73
6.	GURU SHISHYA PARAMPARA SCHEME	102
7.	DOCUMENTATION	104
8.	KALAGRAM	105
9.	ANNUAL ACCOUNTS 2012-13	119
10.	AUDIT CERTIFICATE/AUDIT REPORT	125



1. INTRODUCTION

North Zone Cultural Centre- an autonomous body under the Ministry of Culture, Government of India - was inaugurated in November 1985 by the Prime Minister of India. Its chief objective is to preserve, innovate, promote and disseminate the arts of the Zone comprising the states of Jammu and Kashmir, Haryana, Himachal Pradesh, Punjab, Rajasthan, Uttrakhand and the Union Territory of Chandigarh under the broad disciplines of Sangeet (Music), Natak (Theatre), Lalit Kala (the field of visual arts such as Paintings, Sculptures, Graphics, Photography, Ceramics and other arts allied to the field of fine arts) and Sahitya (Literature), and to develop and expand a zonal center of excellence in creative arts, and further to develop and promote the rich diversity and uniqueness of various art forms and their contribution to the composite identity of cultural heritage of India.

2. This Centre is registered as a society under the Registration of Societies Act 1860. Ministry of Culture, Government of India is the nodal Ministry which co-ordinates and regulates working of the Centre. His Excellency the Governor of Punjab is the Chairman of the Governing Body of the Centre.

ACTIVITIES OF THE NZCC TO ACHIEVE ITS OBJECTIVES:

3. In order to fulfill its objectives, North Zone Cultural Centre has organised a huge number of activities covering all the aspects of art and culture like Fairs and Festivals, Painting Camps, Theatre Workshops, Workshops on Folk Dances, Folk Music, Folk Instruments, workshops for children especially for slum children in folk dances/music, painting & theatre etc. A number of programmes were organized every year in rural areas, Military Cantonments, Educational institutions, even at Wagha Border, and remote areas and Sub-Divisional/District/State headquarters in the member States of the Zone. Emphasis has always been to put up quality performances. It has documented many Art Forms. North Zone



Cultural Centre had organised programmes not only at the National level but abroad also under International Cultural Exchange Programme.

4. **Some of the important Melas/Fairs & Festivals where NZCC has regularly participated and mainly showcased folk dances, folk music & folk singing are - 'Hamir Utsav' at Hamirpur (Himachal Pradesh); 'Shravani Mela' at Jogeshwar Dham (Uttarakhand); 'Chhinj Mela' at Babbehali (Punjab); 'Baba Sheikh Farid Agman Purb' at Faridkot (Punjab); 'Yamuna Sharad Utsav' at Pithoragarh (Uttarakhand); 'Kinnaur Mahotsav' at Recong Peo (Himachal Pradesh); 'Virasat Mela' at Bhatinda (Punjab); 'Uttrayani Mela' at Bageshwari (Uttarakhand); 'Shivratri Mahotsav' at Baijnath & Mandi (Himachal Pradesh); 'Kurukshetra Utsav - Geeta Jayanti Samaroh' at Kurukshetra (Haryana); 'Baran Festival' at Baran (Rajasthan); 'Magh Mela' at Uttarakashi(Uttarakhand); 'Lokanuranjan Mela' at Jodhpur (Rajasthan); 'Kissan Mela' at Ludhiana (Punjab); 'Raagni Utsav' & 'Saang Utsav' at Kalagram, Manimajra, Chandigarh.**
5. Government of India, Department of Culture launched a Scheme called 'Guru Shishya Prampara Scheme' through Zonal Cultural Centre to preserve and promote rare and vanishing art forms whether classical or folk/tribal so that the young talents be nurtured to acquire skills in their chosen field of art through some financial assistance by the ZCCs in the form of scholarship under the guidance of Experts and Masters in these fields.

Documentation and Publication Work:

6. The NZCC has done quality work pertaining to documentation. Aware of the fact that lots of traditional forms like Folk Theatre, Folk Music & Musical Instruments are vanishing and therefore documentation for posterity must be done with the assistance of Anthropologists & Musicologists and other professionals, the NZCC has done quite an impressive audio-visual documentation. **We have a collection of more than 200 documentary films covering major**



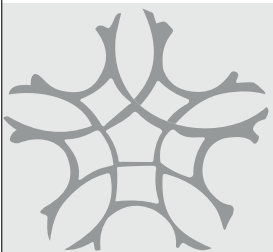
Fairs and Festivals, Crafts Fairs of the region including films on folk art forms; folk instruments; Great Masters; Museums; Temples; Art Galleries; and a few films on life styles of villages, a list of which is placed below in a separate folder.

7. Apart from this there are quite a few publications by scholars in vernacular language on various aspects of culture of the Zone.
8. Over the years the NZCC has organised a variety of programmes/events covering all aspects of folk art & culture like Fairs & festivals; Theatre Festivals & Workshops; Painting Camps & Exhibitions; Workshops on Folk Dances, Folk Music, Folk Instruments & Folk Singing. The programmes were organised in rural areas, military cantonments, educational institutions, border districts and remote areas & sub-divisions/districts/state headquarters in member states of the Zone.



2. Objectives of North Zone Cultural Centre:

- (a) To preserve, innovate and promote the projection of dissemination of arts of the Zone comprising the states of Jammu and Kashmir, Haryana, Himachal Pradesh, Punjab, Rajasthan, Uttrakhand and the Union Territory of Chandigarh under the broad disciplines of Sangeet (Music), Natak (Theatre), Lalit Kala (the field of visual arts such as Paintings, Sculptures, Graphics, Photography, Ceramics and other arts allied to the field of fine arts) and Sahitya (Literature), and to develop and expand a zonal centre of excellence in creative arts, and further to develop and promote the rich diversity and uniqueness of various arts of the zone and to upgrade and enrich consciousness of the people and their cultural heritage.
- (b) To lay special emphasis in its activities on the linkage among various areas through evolution of style and their contribution to the larger composite identity of cultural heritage of India.
- (c) To make special efforts to encourage folk and tribal arts and to frame special programmes for the preservation and strengthening of the vanishing art forms.
- (d) To frame such programmes as would encourage and involve the youth of the zone amongst themselves and with the youth of the rest of country in creative cultural communications through the process of seminars, exchanges and workshops on matters relating to the cultural heritage of India.
- (e) To pursue such other activities and programmes as would strengthen and promote the cultural inter-linkage amongst states; including setting up of Sub-Centres with the Zone.
- (f) To establish, administer, control and manage North Zone Cultural Centre and manage all movable and immovable properties therein.
- (g) To grant fellowship and scholarships for carrying out research or study in furtherance of these objects.



3. ORGANISATIONAL SET UP:

Following are the authorities of North Zone Cultural Centre:

- (a) Governing Body
- (b) Executive Board

COMPOSITION OF GOVERNING BODY:

The Governing Body shall comprise the following members, namely:-

- i) Chairman-Governor Punjab;
- ii) Minister or Minister of State or Deputy Minister of Culture, Government of India;
- iii) Minister or Minister of State for Culture of the participating States;
- iv) Secretary, Ministry of Culture Govt. of India or his representative not below the rank of Joint Secretary;
- v) Secretaries Culture of the participating States;
- vi) Financial Advisor of the Ministry of Culture, Govt. of India;
- vii) Three Chairmen of the Central Akademies (Sangeet Natak, Sahitya and Lalit Kala);
- viii) All the Chairmen of the Art Councils of the states of the Zone mentioned in clause 3(a) of the Memorandum of Association and where no such council exists an eminent art personality to be nominated by the concerned State of the Zone;
- ix) All Chairmen of the three bodies (Sangeet Natak, Lalit Kala and Sahitya) from all the states of the Zone;
- x) Three persons from each state of the Zone from amongst eminent personalities in various art disciplines to be nominated by the Central Govt. in consultation with the State Governments of the Zone;
- xi) Director, North Zone Cultural Centre-Member-Secretary.

COMPOSITION OF THE EXECUTIVE BOARD:

The Executive Board shall comprise the following members namely:-

- i) Chairman- Governor Punjab;



- ii) Secretaries Culture of the State Governments of the Zone;
- iii) Chairmen of the Arts Councils of the States of the Zone or the persons nominated by the State Governments concerned of the Zone;
- iv) Chairmen of the National Sangeet Natak Akademi, Lalit Kala Akademi and Sahitya Akademi;
- v) A representative of the Ministry of Culture, Govt. of India, not below the rank of Joint Secretary;
- vi) Financial Adviser of the Ministry of Culture, Govt. of India;
- vii) 3 nominees of the Governing Body;
- viii) Director, North Zonal Cultural Centre- Member -Secretary;

SUB COMMITTEES

The Executive Board shall have powers to appoint various Sub-committees to aid and advise on matters considered necessary. In the financial matters and in planning the programmes for projection, exposition, promotion and dissemination of creative arts the Executive Board is being assisted by Finance Committee and Programme Committee respectively.

COMPOSITION OF THE FINANCE COMMITTEE:

The Finance Committee shall consist of the following members namely:

- i) Financial Adviser of the Ministry of Culture, Government of India; or his/her nominee.
- ii) Three representatives of the Governing Body.
- iii) Three representatives of the Executive Board.
- iv) Joint Secretary, Ministry of Culture or his/her nominee.
- v) Director NZCC -Member-Secretary.

The Chairman of the Finance Committee shall be nominated by the Executive Board for a period of three years from amongst its members.



COMPOSITION OF THE PROGRAMME COMMITTEE:

The Programme Committee shall comprise the following members, namely:-

- i) Chairmen of the Arts councils or the person nominated by the State Government concerned of the Zone;
- ii) One nominee each of the Central Akademies of the Sangeet Natak Akademi, Lalit Kala Akademi and Sahitya Akademi to be nominated by these Akademies from within their respective disciplines;
- iii) Three eminent art personalities including at least one from the field of folk/tribal arts from each state to be nominated by the participating Governments;
- iv) Secretary, Department of Culture of Member States or his/her nominee;
- v) Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India, or his/her nominee;
- vi) Director, North Zone Cultural Centre -Member-Secretary;

Provided that the Chairman of the Programme Committee shall be a person of eminence drawn from the field of arts nominated by the Executive Board from amongst its members for a period of two years.



4. CORPUS FUND:

In order to fulfill the objectives, a Corpus Fund has been contributed by the Govt. of India and the Member States as per details given below:-

S.No.	Name of Government	Previous Year as on 31.03.2012	Current Year as on 31.03.2013
1.	Govt. of India	Rs. 1000.00 lacs	Rs. 1000.00 lacs
2.	Jammu & Kashmir	Rs. 100.00 lacs	Rs. 125.00 lacs
3.	Himachal Pradesh	Rs. 100.00 lacs	Rs. 100.00 lacs
4.	Punjab	Rs. 150.00 lacs	Rs. 200.00 lacs
5.	U.T. Chandigarh	Rs. 200.00 lacs	Rs. 200.00 lacs
6.	Haryana	Rs. 100.00 lacs	Rs. 100.00 lacs
7.	Uttarakhand	Rs. 100.00 lacs	Rs. 100.00 lacs
8.	Rajasthan	Rs. 66.00 lacs	Rs. 66.00 lacs
Total		Rs. 1816.00 lacs	Rs. 1891.00 lacs

The corpus fund of Rs. 1891.00 lacs stands invested in Nationalized Banks. During the year, an amount of Rs. 272.89 lac was received on account of interest on the Corpus Fund and other Savings.



5. MAJOR EVENTS, FAIRS, FESTIVALS ORGANISED BY THE NZCC DURING THE YEAR 2012-13

During the year 2012-13, the NZCC organized variety of programmes/events covering all the aspects of art and culture like Fairs and Festivals, Theatre Workshops, Workshops on Folk Dances etc. at various places in the member states of the Zone as well as outside the Zone in other states of India. Lakhs of people from all walks of life in urban and rural areas - overwhelming majority being Aam Aadmi - witnessed the cultural presentations made by the NZCC.

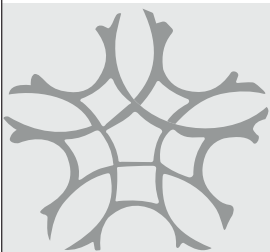
A number of programmes were organized in rural areas, Military Cantonments, Educational institutions, Remote areas and Sub-Divisional/ District/State headquarters in the States of the Zone. Emphasis has always been to put up quality performances.

[A]

Some of the major cultural activities organized by the NZCC on its own or in association with others during the year 2012-13 deserve special mention at the outset:

- **Silver Jubilee Celebrations of Zonal Cultural Centres - 'Maati Ke Rang' at Parade Ground, Sector 5, Panchkula.**

Ministry of Culture, Government of India in collaboration with Zonal Cultural Centres organised Silver Jubilee Celebrations of Zonal Cultural Centres - '**Maati Ke Rang**' at Parade Ground, Sector 5, Panchkula from April 13 to 16, 2012 in which Director, NZCC was the Nodal CEO. The Festival was inaugurated by Hon'ble Prime Minister of India, Dr Manmohan Singh. Hon'ble Smt. Sonia Gandhi, Chairperson, UPA & NAC was the Chief Guest and Hon'ble Kumari Selja, Union Minister of Culture



and Minister of Housing & Urban Poverty Alleviation, Govt. of India also present on the occasion. Besides this, many high dignitaries including Union Ministers, His Excellencies the Governors of several states and Chief Minister of Haryana participated in the celebrations. On the inaugural day Choreographed Folk & Tribal Percussion, Music & dances were presented. The same show was repeated on second day also. On third day, artistes from North-Eastern States of India showcased Special Folk & Tribal Music and Dances presentation; and on the Closing Ceremony Special Folk & Tribal Music and Martial Dances were presented. Besides this, Indian handicrafts, handlooms and folk traditions including authentic fragrances and flavours of rich Indian cuisines, Crafts stalls including traditional cuisines erected in all the Aangans (Crafts Courtyards) earmarked for all the ZCCs at the venue. Approximately 2000 folk and tribal artistes, artisans and craftsperson, traditional painters participated in a four day celebrations. Sh. Bansi Kaul was the Creative Director of this prestigious festival. Thousands of visitors visited this festival.

- **'Sanskritik (Cultural) Yatras' - Silver Jubilee Celebrations of Zonal Cultural Centres by the North Zone Cultural Centre, Patiala.**

NZCC organised unique Sanskritik (Cultural) Yatras in the Silver Jubilee Year 2012-13, comprising folk artistes/folk singers & instrumentalists including theatre group(s) approximately numbering 100 to 110 representing all the cultural regions of India. They performed at different places in the States of Punjab, Jammu & Kashmir and Himachal Pradesh. Amateur artistes from rural/ remote areas in the different cultural zones were invited through Zonal Cultural Centres. The first Sanskritik (Cultural) Yatra begun at Indo-Pak BOP Hussainiwala, Ferozepur on August 13, 2012, where we organised a mega cultural evening for people of border area and Jawans who hardly have



access to auditoriums in the cities. The programme was inaugurated by His Excellency the Governor of Punjab-cum-Chairman, NZCC, Sh. Shivraj V. Patil. After that we organised cultural programmes of 1½ hours duration at Raja Ka Taal (Amritsar) on August 14, 2012; Wagah Check Post/Border (Amritsar) on August 15, 2012; BOP Sikar (Gurdaspur) on August 16, 2012; BOP Bamial (Gurdaspur) on August 17, 2012. In Jammu & Kashmir region, the programmes were held at Samba on August 18, 2012; Akhnoor on August 19, 2012; Sunderbani on August 20, 2012; Rajouri on August 21, 2012; Srinagar on August 24 & 25, 2012 in collaboration with Border Security Force (BSF); and at Drass on August 27, 2012; Kargil on August 28, 2012; Leh on August 30 & 31, 2012 in collaboration with Indian Army. In Himachal Pradesh the programme was held at Manali on September 3, 2012. The artistes reached at Kalagram, Chandigarh after covering a distance of more than 3,100 kms. on September 4, 2012. It was a huge success according to all estimates.

- **'Sanskritik (Cultural) Yatras' - Silver Jubilee Celebrations of Zonal Cultural Centres by the North Zone Cultural Centre, Patiala.**

NZCC organised unique Sanskritik (Cultural) Yatras in the Silver Jubilee Year 2012-13, comprising folk artistes/folk singers & instrumentalists representing all the cultural regions of India. They performed in 'Baba Sheikh Farid Aagman Purab-2012' at Faridkot (Punjab) on September 22, 2012; 'Maa Nanda Devi Mela' at Almora and 'Chhaliya Mahotsav' at Pithoragarh (Uttarakhand) from September 24 to 26, 2012; at H.Q. Western Command, Indian Army, Chandimandir (Haryana); and at Centre for Research in Rural & Industrial Development (CRRID) Complex, Chandigarh on September 29, 2012; and in '8th Himachal Utsav' at Solan (Himachal Pradesh) on September 30 & October 1, 2012. Amateur artistes from rural/ remote areas in the different cultural zones were invited through Zonal Cultural Centres.



- **'4th Chandigarh National Crafts Mela' at Kalagram, Chandigarh.**

North Zone Cultural Centre organised '4th Chandigarh National Crafts Mela' at Kalagram, Chandigarh from November 30 to December 9, 2012 in collaboration with U.T. Administration, Chandigarh. The Theme of Crafts Mela this year was 'Tribes of India' where special focus was on showcasing folk traditions, arts and crafts of the tribal regions of India besides showcasing all the cultural regions of rest of the country. NZCC invited acclaimed handloom/craft persons which include Shilpa Gurus, National Awardees, Sant Kabir Awardees with the assistance of Ministry of Textiles, Govt. of India and tribal crafts persons especially selected by Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India Limited (TRIFED), Ministry of Tribal Affairs, Govt. of India from all over the country. This year there was a special corner for crafts persons belonging to Chandigarh.

His Excellency the Governor of Punjab & Chairman, NZCC inaugurated the Crafts Mela on November 30, 2012. Almost 325 folk dance artistes from all the cultural regions of the country participated in this Mela. The special cultural evenings till the evening of December 6, 2012 had to be cancelled due to state mourning declared on death of Ex-Prime Minister Shri Inder Kumar Gujral. The Opening and Closing Ceremonies on November 30 & December 9, 2012, respectively were grand spectacles. Sh. Bansi Kaul was the Creative Director of the spectacles. Thousands of people from all walks of life visited this Mela daily. The Mela attracted extremely rave press reviews.

Two edited DVDs - one of shorter duration of 20 minutes containing glimpses of the Mela, and the second one of longer duration of approx. 90 minutes showcasing all aspects of the Mela have been produced.



- **'Kurukshetra Utsav-Geeta Jayanti Samaroh-2012' at Kurukshetra (Haryana).**

NZCC in collaboration with the Kurukshetra Development Board and Government of Haryana, NZCC organized 'Kurukshetra Utsav-Geeta Jayanti Samaroh-2012' at Kurukshetra from December 19 to 28, 2012 in which the main attractions were cultural evenings at Brahmisarovar, Kurukshetra like Varindavana Raas Leela by Brij Lok Kala Manch, Vrindavan; Kathak Nritya by Anu Sinha & Group, Noida; Bhajan Sandhya by Sharma Bandhu, Ujjain; Dance Drama based on Mahabharata by Padmashree Shovana Narayan & Group; Sufi Gayan aur Nritya with performances by Balbir Suffi, (Dr) Dipanwita Singha Roy & (Dr) Mamta Joshi; Dance Drama 'Krishna' by Sri Ram Bhartiya Kala Kendra, New Delhi. Hon'ble Union Minister of Culture, Govt. of India, Smt. Chandresh Kumari Katoch was the Chief Guest during cultural evening on December 21, 2012. A grand Crafts Fair was also organised in which Shilpa Gurus/ National Awardees/ National Merit Certificate Awardees/ State Awardees and others from all the cultural regions of the country displayed handicrafts/ handlooms. The fair was visited by lakhs of people. We also organised a Miniature Painters' Camp and a Rangoli Camp. Besides this, NZCC also organised Silver Jubilee Sanskritik (Cultural) Yatra consisting of folk dance programmes at Jind; Pehowa; and Jyotisar in Haryana and Sangrur in Punjab.

- **'Cultural evenings of fusion of Sufi Singing & Classical dances and Folk dances' at Wagha Boarder; Narot Jaimal Singh (Pathankot); and BSF HQs, Jalandhar**

NZCC organized spectacular cultural evenings of fusion of Sufi Singing & Classical dances and Folk dances at Wagah Border, Amritsar; Campus of Guru Nanak Dev University College, Narot Jaimal Singh, Pathankot near BOP Bamial on Indo-Pak Border; and HQR BSF Punjab Frontier, Jalandhar from January 26 to 28, 2013 in collaboration with



Border Security Force. The border area population especially the youth and Jawans were thrilled and mesmerized by the quality performances put by the renowned artistes of the NZCC.

The Special Director General of Border Security Force looking after the States of Rajasthan, Punjab and Jammu & Kashmir made a special reference about the high quality and cultural value of the presentations made by the artistes. In his appreciation letter, Sh. Aditya Mishra, Inspector General, BSF, Jalandhar Cantt mentioned that the synergy between BSF and NZCC will help mainstreaming the border population of the country. Video/ DVDs of the programmes are not only the record of the high quality of the presentations but also the tremendous response of the audiences.

- **'OCTAVE-2013 Jammu' : Festival of the North-East States at Jammu (J&K)**

North Zone Cultural Centre, Patiala organised 'OCTAVE-2013 Jammu' : Festival of the North-East States (Assam, Meghalaya, Tripura, Manipur, Mizoram, Nagaland, Arunachal Pradesh & Sikkim) from March 25 to 27, 2013 at Hargobind Bhatnagar Stadium, BSF Frontier H.Q., Jammu (Jammu & Kashmir) to celebrate exuberance of North-East in collaboration with North East Zone Cultural Centre, Dimapur; Border Security Force (BSF); and J&K Academy of Art, Culture & Languages, Jammu. His Excellency the Governor of Jammu & Kashmir, Shri N.N. Vohra inaugurated the festival on March 25, 2013. For three days, the artistes from the North-East states made choreographed presentations of folk dances; folk music; folk instruments; and traditional costume show etc. during the festival. Besides presentation at BSF Frontier H.Q., Jammu, the folk dance artistes put up performances at a number of places viz. at BOP Akhnoor; BOP Samba; Jammu University, Jammu (J&K) and in 'Lok Utsav Gurdaspur 2012-13' at Gurdaspur (Punjab) from March 28 to 30, 2013. The border area population especially the youth and Jawans were thrilled and mesmerized by the quality performances.



[B]

In addition to above, the following programmes were organized by the NZCC:

- **Ongoing free training workshops for the children of slum areas** under the guidance of eminent experts in Music is being continued by the NZCC at Kalagram from April 1, 2012 to date benefiting the poor children from slum areas.

- **Sufi singing presentation at Chandigarh.**

NZCC organised a Sufi Singing performance by (Dr) Mamta Joshi, internationally renowned Sufi Singer at Chandigarh on May 11, 2012 in which Hon'ble Sh. Jairam Ramesh, Union Minister of Rural Development was the Chief Guest besides others Hon'ble Chief Minister, Punjab, Cabinet Ministers and other dignitaries were also present.

- **Folk music, folk instruments and folk dances of India during '50th Anniversary of Bar Council of Punjab & Haryana' at Bhargava Auditorium, PGIMER, Chandigarh.**

NZCC organised a choreographed cultural presentation of folk music, folk instruments and folk dances of India during '50th Anniversary of Bar Council of Punjab & Haryana' at Bhargava Auditorium, PGIMER, Chandigarh on May 4, 2012. Hon'ble Vice President of India, Sh. M. Hamid Ansari was the Chief Guest on the said occasion. It was a paid programme.

- **Summer Workshops for Children at Kalagram, Chandigarh and Patiala.**

North Zone Cultural Centre, Patiala organised Summer Workshops for Children in Theatre, Painting; Folk Dance Bhangra, and Classical Dance Kathak & folk dances of Punjab, Haryana &



Rajasthan at Kalagram, Chandigarh and Virsa Vihar Kendra, Patiala during June, 2012. About 350 children participated in these workshops. The training was imparted by the eminent experts.

- **'The Streetside Brew' - an Exhibition of Photographs at Chandigarh.**

NZCC organised an Exhibition of Photographs 'The Streetside Brew' by Sh. Sanjay Kumbkarni at Sobha Singh Art Gallery, Punjab Kala Bhawan, Chandigarh from October 23 to 28, 2012.

- **'Wonders of the Wild' - an Exhibition of Photographs through the lens of Sh. Yashpal Seth at Chandigarh.**

NZCC organised an Exhibition of Photographs 'Wonders of the Wild' through the lens of Sh. Yashpal Seth at Sobha Singh Art Gallery, Punjab Kala Bhawan, Chandigarh from December 25 to 30, 2012.

- **'Rangoli & Painting Competitions' at Kalagram, Chandigarh.**

NZCC celebrated its 27th Foundation Day and Children's Day as part of Silver Jubilee Celebrations by organising 'Rangoli & Painting Competitions' at Kalagram, Chandigarh on November 16, 2012 in which approx. 1400 children from different schools of Tricity participated.

- **A cultural evening of 'Sufi Aawaz, Naach aur Saaz' at Kalagram, Chandigarh.**

NZCC organised a spectacular cultural evening of 'Sufi Aawaz, Naach aur Saaz' at Kalagram, Chandigarh on November 18, 2012. Hon'ble Smt Chandresh Kumari Katoch, Union Minister of Culture, Government of India was the Chief Guest on the said occasion.



[C]

In addition to above, the following programmes were organized by the NZCC on its own and in collaboration with other Organizations/State Governments:

- **Theatre Festival 'Adakarian-2012' at Chandigarh.**
North Zone Cultural Centre in collaboration with Adakar Manch Mohali (Regd.) organised a Theatre Festival 'Adakarian-2012' at Auditorium of P.G. Government College, Sector 46, Chandigarh from May 25 to 29, 2012. Five plays Baat Soohe Phullan Dee; Jungle Boldai Hai; Aad Kuari; Ikko Rah Swalra; and Rang Tamasha were staged by Adakar Manch during the said festival.
- **'Summer Festival-2012' and 'Shoolini Mela-2012' at Solan (Himachal Pradesh).**
NZCC put up scintillating performances of folk dances viz. Bhangra; Jhoomar etc. (Punjab); Phaag & Ghoomar (Haryana) and Kalbelia (Rajasthan) & folk/ Sufi singing in 'Summer Festival-2012' on June 5, 2012 and in 'Shoolini Mela-2012' from June 22 to 24, 2012 at Solan (Himachal Pradesh) in collaboration with District Administration, Solan and Department of Language, Art & Culture, Himachal Pradesh. A large number of people enjoyed these presentations.
- **'Sur-Taal Mahautsav-2012' at Haldwani (Uttarakhand).**
North Zone Cultural Centre, Patiala put up scintillating performances of folk dances like: Rouff (J&K) and Gidha, Bhangra etc. (Punjab) in 'Sur-Taal Mahautsav-2012' at Haldwani (Uttarakhand) on July 1 & 2, 2012 in collaboration with Mallika Lok Kala Samiti, Haldwani and Department of Culture, Uttarakhand. H.E. the Governor of Uttarakhand was the Chief Guest on the said occasion.



- 'Teej Festival' at Chandigarh.**

NZCC in collaboration with Municipal Corporation, Chandigarh organised a cultural presentation of folk dances of Punjab: *Gidha & Bhangra* during Teej Festival-2012' at Dalhia Garden, Sector 36-C, Chandigarh on July 21, 2012 which was witnessed by a large number of people.
- 'Minjar Mela' at Chamba (Himachal Pradesh).**

NZCC put up scintillating performances of folk dances viz. *Bhangra; Gidha, Jhoomar (Punjab); Phaag, Ghoomar, Khodia (Haryana); Rouff (J&K); and Kalbelia (Rajasthan) & Mangniar singing (Rajasthan)* in 'Minjar Mela' at Chamba (Himachal Pradesh) on August 2 & 3, 2012 in collaboration with District Administration, Chamba and Department of Language, Art & Culture, Himachal Pradesh. A large number of people enjoyed these presentations.
- 'Workshop on Creative Activities' at Chandigarh.**

NZCC in collaboration with Centre for Cultural Resources & Training (CCRT), New Delhi organised 'Workshop on Creative Activities' for school students of Jawahar Navodaya Vidyalaya, Sector 25, Chandigarh from August 7 to 11, 2012 in Craft Activities; Theatre in Education/Creative Puppetry; Folk Dance; and Learning Songs in National Languages. About 170 children participated in these workshops. The training was imparted by the eminent experts.
- Chhinj Mela, Village Babehali, Distt. Gurdaspur (Punjab).**

Mela Chhinj Committee, Babehali organised 'Chhinj Mela' at Village Babbehali, District Gurdaspur, Punjab on August 28 & 29, 2012. NZCC put up performances of folk singing and folk instruments and also staged two Punjabi plays 'Chehre' directed by Sh. Sudesh Sharma and 'Kalhar' directed by Sh. Kewal Dhaliwal in this Mela.



- **'Shirvani Mela' at Jogeshwar and 'Shiravani Raksha Bandan Mahautsav' at Davidhura (Uttarakhand).**

NZCC in collaboration with Department of Cultural Affairs, Uttarakhand organised folk dances of Uttarakhand viz. Jaunsari, Chhaliya, Ghasiari etc. during 'Shiravani Mela' at Jogeshwar (Uttarakhand) on August 8 & 9, 2012 and 'Shiravani Raksha Bandan Mahautsav' at Davidhura (Uttarakhand) on August 7 & 8, 2012.

- **'Kisan Mela' at Punjab Agriculture University, Ludhiana (Punjab).**

NZCC put up scintillating performances of Folk and Sufi singing in 'Kisan Mela' at Ludhiana (Punjab) in collaboration with Punjab Agricultural University, Ludhiana on September 21 & 22, 2012. A large number of people enjoyed these presentations.

- **'Chandigarh Street Art & Street Food Festival' at Sukhna Lake, Chandigarh.**

NZCC in collaboration with Chandigarh Industrial & Tourism Development Corporation Limited (CITCO) Chandigarh organised performances of folk dance Malwai Gidha, folk instruments, Bazigars, Nachars, Been-Jogi, Behrupias, Gatka, Nachar etc. during 'Chandigarh Street Art and Street Food Festival' at Sukhna Lake, Chandigarh on September 29 & 30, 2012.

- **'Saras Mela' at Patiala (Punjab).**

NZCC put up performances of folk dances during 'Saras Mela' at Patiala organized by District Administration, Patiala from October 11 to 22, 2012.

- **'34th Prof. Mohan Singh Yaadgari Mela' at Nabha (Punjab).**

NZCC put up performances of folk dances, Sufi and Folk Singing during '34th Prof. Mohan Singh Yaadgari Mela' organized by Prof.



Mohan Singh Yaadgari Foundation, Ludhiana at Nabha from October 11 to 22, 2012.

- **'19th Lok Rang Festival' at Jaipur (Rajasthan).**

NZCC put up performances of folk dances like: Rouff, Kud (J&K); Sirmouri Nati, Gaddi Nati (Himachal Pradesh); Chhapeli, Jaunsari, Ghasiari (Uttarakhand) and Bhangra, Gidha, Jindua etc. (Punjab) during '19th Lok Rang Festival' organized by Jawahar Kala Kendra, Jaipur from October 30 to November 9, 2012.

- **'9th Virasat Mela' at Bathinda (Punjab).**

NZCC in collaboration with Department of Cultural Affairs, Punjab and Malwa Heritage Foundation, Bathinda organised performances of folk dances and Sufi singing during '9th Virasat Mela' at Bathinda from November 23 to 25, 2012.

- **'Chandigarh Carnival' at Chandigarh.**

NZCC in collaboration with U.T. Administration, Chandigarh organised cultural presentation of folk dances like Rouff (J&K); Sirmouri Nati (H.P.); Phag, Dhamal & Ghoomar (Haryana); Chhapeli, Ghasiari (Uttarakhand); Kalbelia (Rajasthan) and Bhangra, Gidha, Jindua (Punjab) during 'Chandigarh Carnival' at Leisure Valley, Sector 10, Chandigarh on November 23 to 25, 2012 which was witnessed by a large number of people.

- **'27th Surajkund International Crafts Mela' held at Surajkund (Haryana)**

NZCC, Patiala was designated as Nodal Agency by the Ministry of Culture, Govt. of India for putting up performances of folk dances by the Zonal Cultural Centres (ZCCs) in the '27th Surajkund International Crafts Mela' organized by the Government of Haryana and Surajkund Mela Authority at Surajkund from



February 1 to 15, 2013. The NZCC in consultation with the Vice Chairman, Surajkund Mela Authority and Principal Secretary Tourism, Cultural Affairs, Archives, and Archaeology & Museums, Government of Haryana moved all the ZCCs and coordinated participation of all the ZCCs. The officials of the NZCC remained at Surajkund throughout the duration of the Mela. The task was performed meticulously and performances were hailed by the Surajkund Mela Authority and public and the press.

- **'Rose Festival-2013' at Chandigarh**

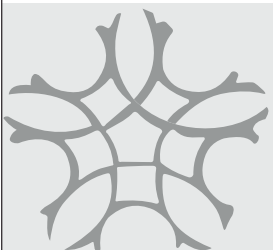
NZCC in collaboration with Chandigarh Administration, Chandigarh organized 'Rose Festival-2013' at Rose Garden, Sector 16, Chandigarh. Superb presentations were put up by different folk dances viz Sidhi Dhamal (Gujarat); Dhediya (UP); Chapeli/Gasiari (Uttarakhand); Punjabi Folk dances (Punjab); Ruff (J&K); and Ghoomer/Dhamal (Haryana) in the above said festival from February 22 to 24, 2013. A large number of people enjoyed these presentations.

- **'Lokanuranjan Mela' at Jodhpur (Rajasthan)**

NZCC in collaboration with Rajasthan Sangeet Natak Akademi, organized 'Lokanuranjan Mela' at Jodhpur (Rajasthan) from February 26 to 27, 2013. NZCC presented folk dances- Chappeli/Gasiari (Uttarakhand); Ruff & Dogri (J&K); Phag & Panhari (Haryana); and Bhangra/Gidha/Jindua (Punjab) in this Mela. A large number of audiences enjoyed these presentations.

- **'Workshop of Haryanavi Folk Dances' at Ambala (Haryana).**

NZCC in collaboration with Government Post Graduate College, Ambala Cantt., organised 'Workshop of Haryanavi Folk Dances' from February 27 to March 13, 2013 at their college campus. About 30 students participated in this workshop. The training was imparted by the eminent expert.



- **Celebration of 'International Women's Day' at Roopnagar (Punjab).**

NZCC in collaboration with District Administration, Roopnagar celebrate 'International Women's Day' at Roopnagar on March 8, 2013. NZCC presented Punjabi folk singing and also staged a socially relevant play during the celebrations. A large number of audiences enjoyed these presentations.

- **'Shivratri Mela' at Mandi and 'Nalwari Fair-2013' at Bilaspur (Himachal Pradesh).**

NZCC put up folk dance presentations in 'Shivratri Mela' at Mandi on March 15 & 16, 2013 and 'Nalwari Fair-2013' at Bilaspur (Himachal Pradesh) on March 22 & 23, 2013 in collaboration with Department of Language, Art & Culture, Himachal Pradesh.

- **'Theatre Festival-2013' at Jammu (J&K).**

NZCC in collaboration with J&K Academy of Art, Culture & Languages, Jammu organised four days 'Theatre Festival-2013' at Government Women College, Jammu from March 28 to 31, 2013 in which four plays 'Do Kodi Ka Khel' directed by Ms Ifra Kak; 'Romeo Juliet and Seven Clowns' directed by Ms Sukhmani Kohli; 'Sakha Ram Binder' directed by Sh. Suresh Sharma; and 'Bawa Jitto' directed by Padmashree Balwant Thakur were staged.



5.1 STATE-WISE DETAIL OF PROGRAMMES/ EVENTS ORGANISED BY THE NZCC DURING THE YEAR 2012-13 IS AS UNDER:

PUNJAB

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC in collaboration with Chhinj Mela Committee presented Punjabi Folk Singing by Ms. Gurmeet Bawa & Sh. Jagat Ram Lalka & group and staged Two Plays-'Chehre' & 'Kalhar' during 'Chhinj Mela' at Village: Babehali (Distt. Gurdaspur)	28/08/2012 to 29/08/2012
2.	NZCC presented Sufi Singing by Sh. Balbir Sufi & group during a cultural programme held at Kharar (Ropar)	08/09/2012
3.	NZCC in collaboration with Punjab Agricultural University, Ludhiana presented Sufi singing by Sh. Balbir Sufi & folk singing by Sh. Jagat Ram Lalka in 'Kissan Mela' held at Ludhiana.	21/09/2012 & 22/09/2012
4.	NZCC presented Folk Dances- Gidha; Bhangra; Jindua etc. on the occasion of International Conference held at FRI, Dehradun (on the recommendations of Department of Cultural Affairs, Govt. of Punjab)	31/10/2012
5.	NZCC presented folk dances- Ghoomer/Phag (Haryana); Chappeli/Gasiari (Uttarakhand); Ruff (J&K) and Bhangra/Jindua/Malwai Gidha(Punjab) at BSF Stadium, Jalandhar.	10/11/2012
6.	NZCC presented Folk Dances- Bhangra, Jhoomer, Sammi, Gidha, Luddi (Punjab) and Folk Singing & Instruments by Prof. Major Singh & group during 'International Conference on Wholesale Markets- Global Opportunities & Innovation' held at Kalagram, Chandigarh	20/11/2012



7.	NZCC presented Folk Dances- Jangam & Been Jogi (Haryana) and Sufi Singing by Dr. Mamta Joshi & group during '9th Virasat Mela' held at Bhatinda.	23/11/2012 to 25/11/2012
8.	NZCC organised Sufi Singing by Dr. Mamta Joshi & group at Punjab Kala Bhawan, Chandigarh	29/12/2012
9.	NZCC presented folk dances- Ghoomer/Phag (Haryana); Chakri (Rajasthan); Bhangra/Jindua/Malwai Gidha(Punjab); Folk Singing & Instruments by Prof. Major Singh & group; Folk Singing by Ms. Gurmeet Bawa & group; Sufi Singing by Sh. Balbir Sufi & group during 'Rashtriya Pashu Dhan Championship' held at Mukatsar	08/01/2013 to 12/01/2013
10.	NZCC organised folk singing by Ms. Gurmeet Bawa in a programme organized by Late Sh. Mohinder Singh Dangori Foundation at Ludhiana	26/02/2013
11.	NZCC organised folk singing by Ms. Gurmeet Bawa and Play 'Main Vee Turanga' on the occasion of International Women's Day at Ropar	08/03/2013
12.	NZCC presented a programme of Folk singing by Sh. Balbir Sufi, Prof. Major Singh & group and folk dances at Village Sular, Distt. Sangrur	09/03/2013
13.	NZCC in collaboration with Punjab Agricultural University, Ludhiana organised folk singing by Ms. Gurmeet Bawa & group in 'Kissan Mela' held at Ludhiana.	15/03/2013

HIMACHAL PRADESH

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC in collaboration with Department of Language, Art & Culture, Shimla presented folk dances- Ghoomer/Phag (Haryana); Punjabi Folk Dances (Punjab) and Sufi Singing by Dr. Mamta Joshi during 'Summer Festival' held at Solan	05/06/2012



2.	NZCC in collaboration with Department of Language, Art & Culture, Shimla presented folk dances i.e. Been Jogi (Haryana); Kalbelia (Rajasthan); & Jhoomer/Malwai Gidha (Punjab) during 'Shoolini Mela' held at Solan	22/06/2012 & 24/06/2012
3.	NZCC presented folk dances- Nati & Pahari Folk Singing (HP) at Villages- Bhairach and Dhudan (Distt. Solan)	28/06/2012 & 29/06/2012
4.	NZCC in collaboration with Deptt. of Language, Art & Culture, Himachal Pradesh organised Sufi Singing by Sh. Balbir Sufi & group 'Himachal Utsav' at Solan.	5/10/2012
5.	NZCC organised Sufi Singing by Sh. Balbir Sufi & group at Andherata, Palampur	28/10/2012
6.	NZCC presented folk dances- Ghoomer/Phag/Dhamal (Haryana) and Punjabi Varsity Dances (Punjab) during 'State Level Kinnaur Mahautsav' at Kinnaur organized in collaboration with Distt. Administration/Deptt. of LAC, Shimla.	28/10/2012 to 31/10/2012
7.	NZCC presented Folk Dances-Kalbelia/Bhawai & Mangnihars (Rajasthan) and Bhangra (Punjab) during Lohri Utsav held at Village Bargon Barathi, Bilaspur organized in collaboration with Deptt. of LAC, Shimla.	12/01/2013 to 14/01/2013
8.	NZCC presented folk dances- Bhangra, Malwai Gidha (Punjab), Ghoomer (Hr.) and Folk singing & instruments by Major Singh & group during State level Nalwari Mela held at Bilaspur.	22/03/2013 & 23/03/2013

JAMMU & KASHMIR

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC organized unique 'Sanskritik (Cultural) Yatras' in the Silver Jubilee Year 2012-13 of establishment of Zonal Cultural Centres in collaboration with	18/08/2012 & 31/08/2012



	Border Security Force (BSF), comprising of folk artistes, folk singers and instrumentalists representing all the cultural regions of India, in different parts/border areas Jammu & Kashmir which includes Thangta, Pong/Dhol Cholam (Manipur); Chappeli (Uttrakhand); Bhangra/Jindua (Pb.); Phag (Hr.); Mewasi (Gujarat); Sidhi Dhamal (Gujarat); Folk Instruments & Singing (Rajasthan); Ruff (J&K); Prof. Major Singh & group-Folk Instruments & Singing (Punjab); Been Jogi (Hr.); Ms. Gurmeet Bawa, Folk Singer; Dr. Mamta Joshi; Sufi Singer etc.	
2.	NZCC in collaboration with J&K Academy of Art Language & Culture, Govt. of Jammu & Kashmir organized 'National Theatre Festival' at Jammu & presented Plays - 'Do Kodi Ka Khel'; 'Romeo Juliet & seven Clowns' ; 'Sakha Ram Binder'; and 'Bawa Jitto'.	28/03/2013 to 31/03/2013

HARYANA

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC presented Folk art form-Nagada (Haryana) during launching of 'Hunar Se Rozgaar' Scheme at Ambala Cantt.	04/05/2012
2.	NZCC presented Singing by Sh. S.D.Sharma; Sh. Ram Dass Kailey; and Ms. Komal Rajdev in the cultural programme organized at Panchkula to pay tribute to Shiv Kumar Batalvi	06/05/2012
3.	NZCC presented folk dances- Chapeli, Gasiari (Uttrakhand) & Play during 'Kapal Mochan Mela' held at Bilaspur, Distt. Yamunanagar.	26/11/2012 & 27/11/2012
4.	NZCC in collaboration with Government of Haryana and Kurukshetra Development Board, Kurukshetra organized 'Kurukshetra Utsav-Geeta Jayanti Samaroh-2012' where Crafts Fair, Cultural presentations by celebrated artistes,	19/12/2012 to 28/12/2012



	folk artistes, Rangoli by renowned artistes were put up by them in and around Kurukshetra.	
5.	NZCC in collaboration with Deptt. of Cultural Affairs, Govt. of Haryana presented folk dances and ballets by Shri Sai Art in 'Anjum-2013' at Tagore Theatre, Chandigarh	20/01/2013
6.	NZCC organized cultural presentations at Panchkula to pay tribute to Maestro Sh. Jagjit Singh & Som Dutt Sharma.	24/02/2013
7.	NZCC organized Haryanvi Folk Dances Workshop at Govt. Post Graduate College, Ambala Cantt.	27/02/2013 to 13/03/2013
8.	NZCC presented Folk singing by Major Singh & group and Bhand Marasi at Chandimandir, Panchkula.	10/03/2013
9.	NZCC presented Sufiana singing by Balbir Sufi & group at Ambala Cantt.	23/03/2013

UTTARAKHAND

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC in collaboration with Deptt.of Culture, Govt. of Uttrakhand presented folk dances Chapeli, Gasiari, Harul etc. (Uttrakhand) during 'Shirvani Raksha Vandhan Mahautsav' at Davidhura, Uttrakhand	7/08/2012 & 8/08/2012
2.	NZCC presented folk dances- Sirmouri Nati (HP); Kalbelia (Rajasthan); and Punjabi Variety Folk Dances (Punjab) during 'Sharad Utsav' held at Nainital	1/11/2012 to 3/11/2012
3.	NZCC presented folk dances- Sirmouri Nati (HP); Kalbelia (Rajasthan); and Punjabi Variety Folk Dances (Punjab) during 'Virasat Mela' held at Dehradun	04/11/2012 to 06/11/2012



4.	NZCC presented folk dances- Ghoomer/Phag (Haryana); and Punjabi Variety Folk Dances (Punjab) during 'Sharad Utsav' held at Haldwani.	31/12/2012 to 02/01/2013
5.	NZCC presented folk dances- Kullu Nati (HP) during 'Uttrayani Mela' held at Bageshwar	16/01/2013 to 18/01/2013
6.	NZCC presented folk dances- Kalbelia, Bhawai (Raj.) and Ruff (J&K) during 'International Yog Festival' held at Rishikesh	1/03/2013 to 3/03/2013

U. T. CHANDIGARH

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC participated in All India Women Artists Contemporary Art Exhibition held at Panjab University, Chandigarh	29/03/2012 to 04/04/2012
2.	NZCC presented Folk Dances- Punjabi Folk Dances & Singing (Punjab); Bhand Marasi. Nati (Himachal Pradesh) and Ghoomer/Phag (Haryana) 3 BRD, Indian Air Force, Chandigarh.	5-6/04/2012
3.	NZCC presented Folk Dances- Ghoomer/ Phag/ Khodia (Haryana); and Punjabi Variety during Central Conference of Govt. Employees Welfare Co-ordination Committee, Chandigarh.	01/05/2012
4.	NZCC presented choreographed presentations comprising of folk dances/singing- Phag, Been Jogi (Haryana); Bapang Vadak, Mangnihars, Kalabelia (Raj.); Jhoomer, Sammi, Luddi (Punjab);	05/05/2012



	Kud (J&K); Gujar Dance (H.P); Sidhi Dhamal (Gujarat); Folk Singing by Ms. Gurmeet Bawa & group on the celebration of 50th Anniversary of Bar Council of Punjab & Haryana High Court, Chandigarh	
5.	NZCC organised Sufi Singing by Dr. Mamta Joshi & group at the residence of Hon'ble Chief Minister, Punjab at Chandigarh.	11/05/2012
6.	NZCC presented Folk Dances - Bhangra, Gidha, Jindua etc. (Punjab) on the occasion of 'Teej Festival' held at Dalhia Garden, Sector 36, Chandigarh.	21/07/2012
7.	NZCC presented Folk Dances -Bhangra, Gidha, etc. (Punjab) at Tagore Theatre, Chandigarh.	27/07/2012
8.	NZCC presented Folk Dances - Malwai Gidha & Luddi. (Punjab) at Kala Bhawan, Chandigarh	18-19/08/12
9.	NZCC participated in CCRT Workshop held at Navodaya Vidyalaya, Chandigarh	7-11/08/2012
10.	NZCC presented Folk Dances- Luddi; Gidha & Sammi (Punjab) during a cultural programme 'Moh Malway Da' at Taogre Theatre, Chandigarh	26/09/2012
11.	NZCC organised folk singing by Sh. Balbir Sufi & group and folk dances- Bhangra on the occasion of 'Senior Citizen Day Celebration' held at Tagore Theatre, Chandigarh	01/10/2012



12.	NZCC presented Folk Dances- Been Jogi, Nagada (Haryana); Malwai Gidha, Bazigar, Gatka, Nachhar (Punjab); & Behrupias during 'Chandigarh Street Art & Street Food Festival' held at Sukhna Lake, Chandigarh.	29/09/2012 & 30/09/2012
13.	NZCC participated in the Photographic Exhibition at Punjab Kala Bhawan, Chandigarh.	23/10/2012 to 28/10/2012
14.	NZCC participated Exhibition of Photography 'Wonders of the Wild' held at Punjab Kala Bhawan, Chandigarh	25-30/12/12
15.	NZCC in collaboration with Chandigarh Administration participated in 'Rose Festival-2013' held at Chandigarh & presented folk dances- Ruff (J&K); Garwal Dance (UK); Sirmouri Nati (HP) & Bhangra/Gidha (Pb.)	22/02/2013 to 24/02/2013
16.	NZCC organized 'Ghazal singing' by Arjun Jaipuri at Tagore Theatre, Chandigarh	13/3/2013

RAJASTHAN

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC in collaboration with Jawahar Kela Kendra, Jaipur presented Folk Dances- Gatka (Pb.); Ghoomer (Hr.); Mahasu Nati & Gaddi Nati (HP); Kudd (J&K); Chappeli/Gasiari/ Jaunsari (Uttarakhand); Punjabi Variety(Punjab); Ruff (J&K); during National Lok Rang Samaroh-2012 at Jaipur.	30/10/2012 to 09/11/2012



2.	NZCC in collaboration with Jawahar Kala Kendra, Jaipur put up performances of folk dances- Bhangra/Jindua/Malwai Gidha etc. (Punjab) on the occasion of Lohri Celebrations at Jaipur.	12/01/2013 & 13/01/2013
3.	NZCC in collaboration with Rajasthan Sangeet Natak, Jodhpur organized Lokanuranjan Mela at Jodhpur and quality performances- Ghoomer (Hr.); Bhangra & Gidha (Pb.); Chapeli (Uttarakhand) & Dogri (J&K) were put up by the NZCC	26/02/2013 & 27/02/2013

PATIALA PROGRAMMES

1.	NZCC celebrated International Theatre Day by organizing Plays at Patiala in collaboration with NTAS.	7/04/2012 & 8/04/2012
2.	NZCC organized Summer Workshops in the field of Bhangra; Painting; & Theatre by renowned Experts to train the school children & other Students at Virsa Vihar Kendra, Patiala.	7/06/2012 to 29/06/2012
3.	NZCC presented Plays 'Sundari and Sabaj Baag' by NTAS at Central State Library, Patiala	9/7/2012
4.	NZCC presented Folk dances- Kalbelia (Rajasthan); & Ghoomer/Phag (Haryana) at Harpal Tiwana Kala Kendra, Patiala	25/08/2012



5.	NZCC presented folk dances- Bazigar; Malwai Gidha; Nachhar; Gatka (Punjab) and Sufi Singing by Sh. Balbir Sufi & group during 'Prof. Mohan Singh Yadgari Mela' held at Nabha.	20- 21/09/2012
6.	NZCC presented Play 'Phidi Dar Phidi' at Community Centre, Urban Estate-I, Patiala	22/02/2013



5.2 NATIONAL CULTURAL EXCHANGE PROGRAMME (NCEP)

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC organized Baisakhi Celebrations at Delhi and presented folk dances- Gidha & Bhangra, Jindua & Folk Orchestra (Punjab) & Kalbelia/Bhawai (Rajasthan)	7/04/2012
2.	NZCC presented Folk Dances - Ghoomer/Phag etc. (Haryana); Sirmouri Nati (H.P.) during 'Kanali Chhena Mahautsav-2012' at Kanali Chhenal, Distt. Pithoragarh in collaboration with Deptt. of Culture, Govt. of Uttrakhand.	26/04/2012 to 28/04/2012
3.	NZCC presented Folk Dances- Ruff (J&K); and Bhangra (Punjab) during 'Sur Taal Mahautsav' held at Haldwani in collaboration with Department of Culture, Govt. of Uttrakhand.	1-2/07/2012
4.	NZCC presented Folk Dances- Bhangra & Jindua (Punjab); Ruff (J&K); Kalbelia (Raj.); and Ghoomer/Dhamal etc. (Haryana) during International 'Minzer Mela' at Chamba (H.P.)	2-3/08/2012
5.	NZCC in collaboration with Deptt.of Culture, Govt. of Uttrakhand presented folk dances Chapeli, Gasiari, Harul etc. (Uttrakhand) during 'Sharavani Mela' at Jogeshwar Dham.	8-9/08/2012
6.	NZCC organized unique 'Sanskritik (Cultural) Yatras' in the Silver Jubilee Year 2012-13 of establishment of Zonal Cultural Centres in collaboration with Border Security Force (BSF), comprising of folk artistes, folk singers and instrumentalists representing all the cultural regions of India, in different parts/border areas of Punjab, Jammu & Kashmir and Himachal Pradesh which includes Thangta, Pong/Dhol Cholam (Manipur); Chappeli	13/08/2012 to 03/09/2012



	(Uttarakhand); Bhangra/Jindua (Pb.); Phag (Hr.); Mewasi (Gujarat); Sidhi Dhamal (Gujarat); Folk Instruments & Singing (Rajasthan); Ruff (J&K); Prof. Major Singh & group-Folk Instruments & Singing (Punjab); Been Jogi (Hr.); Ms. Gurmeet Bawa, Folk Singer; Dr. Mamta Joshi; Sufi Singer etc.	
7.	NZCC presented choreographed presentations comprising of Folk Dances, Folk Instruments and Folk Singing namely Langa Singers/Bapang Vadan (Raj.); Kalbelia (Raj.); Ghoomer (Hr.); Sirmouri Nati (HP); Prof. Major Singh & group-Folk Instruments & Singing (Punjab); Dr. Mamta Joshi & group; Sufi Singer etc. on the eve of NFL's Foundation Day at New Delhi.	24/08/2012
8.	NZCC presented choreographed presentations comprising of Folk Dances, Folk Instruments and Folk Singing namely Luddi, Folk instruments & singing (Pb.); Langa Singers, Mangnihars (Raj.); Mayur (UP); Sidhi Dhamal (Gujarat); Kalbelia (Raj.); Gujjar (J&K); Kud (J&K); Dandia (Gujarat); and Sufi Singer Balbir Sufi & group during Baba Sheikh Farid Agman Purb-2012 at Faridkot and chain programmes held at Almora, Pithoragarh (Uttarakhand); Chandimandir (Hr.); Chandigarh & Solan (HP).	21/09/2012 to 01/10/2012
9.	NZCC presented Folk Dances - Sirmouri Nati (HP); Mewasi (Gujarat); Gotipua (Odisha); Purlia Chou (WB); Sidhi Dhamal(Gujarat); Chappeli/Gasiari (Uttarakhand); Ruff (J&K) etc. in 'Regional SARAS Mela' organized at Sheesh Mahal, Patiala in collaboration with District Administration, Patiala.	11/10/2012 to 22/10/2012



10.	NZCC in collaboration with Jawahar Kela Kendra, Jaipur presented Folk Dances- Gatka (Pb.); Ghoomer (Hr.); Mahasu Nati & Gaddi Nati (HP); Kudd (J&K); Chappeli/Gasiari/ Jaunsari (Uttarakhand); Punjabi Variety(Punjab); Ruff (J&K); during 'National Lok Rang Samaroh-2012' at Jaipur.	30/10/2012 to 09/11/2012
11.	NZCC participated in 'Chandigarh Carnival-2012' held at Chandigarh	23/11/2012 to 25/11/2012
12.	NZCC organised '4th Chandigarh National Crafts Mela' at Kalagram, Chandigarh in collaboration with U.T. Administration, Chandigarh. During this Crafts Mela, special cultural programmes were organized every day from 10.00 am to 8.00 pm in which more than 500 folk dance artistes from all over India put up performances. NZCC presented following art forms: NZCC presented following art forms: Bardoi Shikhla (Assam); Gudum Baza (AP); Lambadi (AP);Gaur Maria; Kaksar (Chhatisgarh); Jaunsari (Uttarakhand); Mahasu Nati, Kinnauri Nati (Himachal Pradesh); Garsia; Gujjar (J&K); Dangi (Gujarat); Tamang Shelo (Sikkim); Sambalpuri (Odisha); Thangta (Manipur); Bazigar (Pb.); Nagada, Ghoomer/Phag (Hr.); Bhangra, Jindua, Jhoomer (Pb.); Chhau (WB); Behrupias; Been Jogi (Hr.) etc.	30/11/2012 to 09/12/2012
13.	NZCC in collaboration with Government of Haryana & Kurukshetra Development Board, Kurukshetra organized 'Kurukshetra Utsav-Geeta Jayanti Samaroh-2012' where Crafts Fair, Cultural presentations by celebrated artistes, folk artistes, Rangoli by renowned artistes were put up in & around Kurukshetra.	19/12/2012 to 28/12/2012



14.	NZCC presented folk dances of different states in 'Red Cross Mela' organized in collaboration with Distt. Admn., Sangrur.	23/12/2012
15.	NZCC presented folk dances- Bhangra (Pb.), Sirmauri Nati (HP) during 'Lok Utsav-2013' at	5-6/01/2013
16.	NZCC in collaboration with Senior Citizens Association organized 'Lohri celebrations' at Sector 21, Chandigarh	11/01/2013
17.	NZCC presented folk dances- Kud (J&K) & Ghoomer (Hry.) in 'Spring Festival' held at Kharagpur	23/01/2013
18.	NZCC organized cultural evening at Wagha Border, Amritsar; Narot Jaimal Singh, Pathankot; & BSF HQs. Jalandhar by Dipanwita Roy, Balbir Sufi, Dr. Mamta Joshi alongwith folk dances of Punjab & Chakri (Raj.)	26/01/2013 to 28/01/2013
19.	NZCC participated in 'Winter Carnival' held at Manali and presented folk dances- Bhangra, Jindua (Pb.) and Ghoomer (Hr.)	10/02/2013 to 12/02/2013
20.	NZCC participated in '27th Surajkund International Crafts Mela' at Surajkund and presented folk dances- Brij Raas (UP); Thagta (Manipur); Bhangra (Pb.); Saila Karma, Gaur Maria (Chatisgarh); Bihu (Assam); Purlia Chahu (WB); Ruff (J&K); Lambadi (AP); Mastich (Megalaya) and Chand Nizami, Qwal.	1-15/02/2013
21.	NZCC presented folk dances- Ghoomer/Phag (Hr.); Bhangra (Punjab) in '72nd Session of Assam Sahitya Sabha' held at Berpeta, Assam	1-4/02/2013
22.	NZCC presented folk dances- Bhangra, Jindua (Pb.) and Kalbelia (Rajasthan) during 'International Shivratri Mela' held at Mandi (HP)	15/03/2013 & 16/03/2013



5.3 THEATRE REJUVENATION SCHEME

S.No.	Name of Programme	Date
1.	NZCC organized Theatre Festival 'Ada Karian' in collaboration with Adakar Manch at Chandigarh.	25-29/5/2012
2.	NZCC organized '12th Summer Theatre Festival' in its office complex at Virsa Vihar Kendra, Patiala in collaboration with Natak Wala, Patiala	28-30/6/2012
3.	NZCC presented Play 'Mainoo Mere To Bachao' in rural areas of Distt. Ropar (Punjab)	23/07/2012 to 05/08/2012
4.	NZCC presented Plays during '3rd Chalo National Theatre Festival' held at Hissar organized in collaboration with Raas Kala Manch, Safidon.	8-16/08/2012
5.	NZCC presented Plays - 'Sukh Base Maskinya'; 'Gar Waapsi Ke Geet'; 'Baki Itchaas' and 'Ikko Mitti De Put' during '9th Gursharan Singh Naat Utsav' held at Chandigarh.	17/09/2012 & 16/09/2012
6.	NZCC presented Play 'Wapsi' at Kala Bhawan, Chandigarh.	23/11/2012
7.	NZCC presented Plays- 'Karamawali'; 'Arey Sharif Log'; 'Jamila' and 'Do Kori Ke Khel' during '10th Theatre Festival' held at Virsa Vihar Kendra, Amritsar.	9-13/12/2012
8.	NZCC participated in '29th Nandikar's National Theatre Festival' at Kolkatta and presented Play by Ms. Sukhmani Kohli, Chandigarh.	16/12/2012
9.	NZCC presented Play 'Peedi Dar Peedi' at Chandigarh.	12/01/2013
10.	NZCC organized '6th Classical Punjab Theatre Festival' at Amritsar and presented play 'Dil Jiha Koi Kamina Nahi' and 'Main Aur Meri Kahaniya'	19/02/2013 to 24/02/2013
11.	NZCC organized Theatre Festival at Tagore Theatre, Chandigarh & presented Plays-'Taj Mahal Ka Tender' and 'Kis Thag Ne Lutiya Sehar Mera'	10/03/2013 to 12/03/2013



6. GURU SHISHYA PARAMPARA (MASTER TO PUPIL TRADITION) SCHEME

Backgrounder:

Government of India, Department of Culture launched a Scheme called 'Guru Shishya Parampara Scheme' through Zonal Cultural Centre to preserve and promote rare and vanishing art forms whether classical or folk/tribal so that the young talents be nurtured to acquire skills in their chosen field of art through some financial assistance by the ZCCs in the form of scholarship under the guidance of Experts and Masters in these fields.

NZCC implemented this scheme in all its constituent States. About 267 sets of scholarships have been allotted/extended till 31/03/2013 in the following art forms including vanishing ones/ folk instruments etc.:

- (i) **Himachal Pradesh** Khanjri Rubana, Mahasu Nati, Gangi & Mona Gayan, Folk Singing of HP with Ektara, Hudak, Ransingha, Thoda, Pahari Paintings, Dhaja, Chandravali Gayan, Chamba Rumal, Ghat Nritya, Gaddi Dance, Churahi Nritya, Gojri Nritya, Seentu Nritya, Moortikala, Kangra Paintings, Ghurehi Nritya, Dandaras Nritya, Dhuria Swang, Hudak Nritya, Bhagat & Karyala (Folk Theatre), Kinnauri Nati etc.
- (ii) **Jammu & Kashmir** Sufiana Singing with Santoor, Kud Dance, King Instrument, Bhakhan, Surna, Damiyan, Flute, Folk Theatre, Folk Singing of Ladakh, Bhagta, Folk Singing of Kashmir, Dhamali Dance, Jatar & Kaark, Bhand Pather (Folk Theatre) and Geetru (Singing & Dance), Harnan Dance, Daastan, Loser Dance (Leh), Bach-e-Nagma, Rabab (Inst.) etc.
- (iii) **Punjab** Malwai Gidha, Tipri, Tumbi, Algoza, Lok Gatha, Bazigar, Bagdu, Gatka, Sammi,



- Naqqal, Ludi, Jhoomer, Sarangi, Sammi, Dhola, Bhard, Kavishar, Charkol Sketch, Rabab, Sufiana singing, Dilruba, Gurmat Sangeet, Traditional Craft, Nachhar, Folk Motifs, Dari & Khes weaving, Dhadi Gayan etc.
- (iv) **Haryana** Traditional Paintings of Haryana, Bamlehri, Dhamal, Sarangi, Nagara, Jogi, Deepak Raas, Haryana Folk Art, Swang, Been, Bansuli, Been-Vanjali, Jangam, Gugga Dance, Deru, Toomba, Taasha, Matka, Sapera-Been, Haryanvi Lok Gayan, Benjo & Do-tara (Instruments) etc.
- (v) **U.T. Chandigarh** Dhad Sarangi, Folk theatre, Sufiana Kalam, Malwai Gidha, Dhola, Jhoomer, Embroidery, Weaving Craft (Jute) etc.
- (vi) **Rajasthan** Charri, Himalu Gayan, Khamiacha, Bhawai, Folk Paintings, Khadtal, Kuchamani Khaya, Traditional Folk Songs, Garasia Dance, Chang Nritya, Bhapang Vadan, Raavan Hatha (Inst.) etc.
- (vii) **Uttarakhand** Folk Art, Cholia, Folk singing of Uttaranchal, Folk Singing of Kemayun region, Clay art, Mask making, Thadia chofla, Kamauni nritya, Jaynsari Nritya, Tharu buksa, Hudak (Inst.), Jagger gayan, Chanchri gayan, Dhol & Damau (Instr.), Garhwali Nritya, Chapeli Nritya, Mashak Been, Pandu Gayan etc.



7. DOCUMENTATION/PUBLICATION WORK DONE BY NZCC DURING THE YEAR 2012-13

During the year 2012-13, the following work on documentation/publication has been brought out by the NZCC:

Work by Scholars:

- I. The work of writing an authoritative booklet titled 'Traditional & Folk Embroidery in India' by (Dr) Surjeet Singh, Former Professor and Head, Department of Anthropological Linguistics and Punjabi Language, Punjabi University, Patiala and now Project Director, The Oral Traditions and the Cultural Heritage of Punjab on the suggestion of Ministry of Culture, Government of India is under process.

Reports/DVDs:

- I. Printing of Annual Report for the year 2011-12 for placing the same before both the houses of the Parliament.
- II. Conversion of DVDs from Master Copies for Ministry of Culture, Govt. of India for the last three years.
- III. Among other programmes the DVDs on the following programmes have been produced by NZCC:
 - "Cultural Programme on the occasion of 50th Anniversary of Bar Council of Punjab & Haryana High Court, Chandigarh
 - '4th Chandigarh National Crafts Mela' held at Kalagram, Chandigarh
 - 'Geeta Jayanti- Kurukshetra Utsav-2012' at Kurukshetra
 - 'Sanskritik Yatra-2012' in the States of Punjab, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh from 13/08 to 04/09/2012
 - 'Baba Shiekh Farid Mela' at Faridkot and other Chain programmes in Uttrakhand, Haryana & Himachal Pradesh
 - Folk Singing/dances at Tehsil Aarki, Solan



8. KALAGRAM SHILPAGRAM (LATER CHRISTENED KALAGRAM) PROJECT AT MANIMAJRA, CHANDIGARH

Backgrounder:

In the North Zone, Chandigarh occupies a unique position. On the one hand, it is one of the member states (as a Union Territory) of the Zone, and on the other hand, it is the joint capital of two member states namely Punjab and Haryana. Further, it is gateway to Himachal Pradesh, the next important member state of the Zone. Recently, Chandigarh has been connected with Jammu & Kashmir, the fifth member State of the Zone by direct flight. Over the years, Kalagram, Manimajra, Chandigarh on the Chandigarh-Kalka highway has virtually become a major hub of cultural activities of the four member states. NZCC's Kalagram Complex at Manimajra besides becoming a major hub of cultural activities of the five northern states of India has the great potential to become one of the major tourist spots of the region.

Present Status of Kalagram Project:

In December 2009, His Excellency the then Governor of Punjab & Administrator of U.T. Chandigarh-cum-Chairman, NZCC directed that a draft plan for 2nd Phase of Kalagram be prepared in the light of suitable inputs on the basis of experience of '1st Chandigarh National Crafts Mela'. He asked the Director, NZCC and Chief Architect, U.T. Chandigarh to visit Shilpgram of Udaipur to study the concept of Shilpgram and note essential features for incorporation in the plan. The draft of proposed plan for development of 2nd Phase of Kalagram was prepared in the light of chief object of NZCC i.e. to preserve, innovate, promote and disseminate the arts of the Zone comprising the states of Jammu and Kashmir, Haryana, Himachal Pradesh, Punjab, Rajasthan, Uttarakhand and the Union Territory of Chandigarh under the broad disciplines of Sangeet (Music), Natak (Theatre), Lalit Kala (the field of visual arts such as Paintings, Sculptures, Graphics, Photography, Ceramics and other arts allied to the field of fine arts) and Sahitya (Literature), and to develop and expand a zonal



center of excellence in creative arts, and further to develop and promote the rich diversity and uniqueness of various art forms and their contribution to the composite identity of cultural heritage of India. It was felt that to organize activities of the NZCC to facilitate achievement of aforesaid objectives, the following requirements of infrastructures need to be incorporated in the proposed planning of 2nd phase of Kalagram:

- (i) Six permanent structures to showcase the art & crafts of member States of NZCC i.e. Jammu & Kashmir, Punjab & Chandigarh, Himachal Pradesh, Uttrakhand, Haryana and Rajasthan.
- (ii) One permanent structure for each Zonal Cultural Centre (ZCC) viz. NCZCC, Allahabad; EZCC, Kolkata; NEZCC, Dimapur; WZCC, Udaipur; SCZCC, Nagpur; and SZCC, Thanjavur where each ZCC can showcase crafts of the member states of a particular zone on rotational basis round the year.
- (iii) Temporary structures around permanent structures mentioned at (i) & (ii) above to showcase the arts & crafts of other Zonal Cultural Centres during National/Regional Crafts Melas to be organised every year.
- (iv) One Multi purpose Hall/Auditorium.
- (v) Big Open Air Theatre with covered stage portion and green rooms.
- (vi) Food Courts.
- (vii) Adequate parking facilities.

The Architectural plan for creating additional infrastructures in the Kalagram which is at the final stage now will facilitate achievement of main objectives of the NZCC in the time to come and Kalagram would not only become a major hub of cultural activities of the member states in true sense of the word but also acquire an all India character.



ACTIVITIES HELD AT KALAGRAM (2012-13)

S.No.	Date	Event	Remarks
1.	01.04.2012 to 31.03.2013	Music Workshop for children from slum areas	Organised by the NZCC
2.	04.06.2012 to 01.07.2012	Summer Workshops for Children: (i) Theatre Workshop conducted by Sh. Sharad Khare; (ii) Folk Dance Bhangra Workshop conducted by Sh. Balbir Chand; (iii) Kathak Dance & Folk dances (Punjab, Haryana & Rajasthan) Workshop conducted by Ms. Barkha Bali	Organised by the NZCC
3.	10.06.2012 & 11.06.2012	Shooting of Hindi T.V. Serial 'Rab Se Sona Ishq'	by Jay Production, Mumbai
4.	04.08.2012	Musical evening show	Organised by MH One TV Network Limited, New Delhi
5.	17.08.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'R.S.V.P.' directed by Sh. Kirti Kirpal, Natyam, Bathinda (Punjab)	Organised by the NZCC
6.	24.08.2012	FRIDAY THEATRE: Plays: 'Zindagi' & 'Balti Singh' directed by Sh. Vijay Kumar	Organised by the NZCC
7.	31.08.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Mistri Ram Pal' directed by Sh. Michael Chang	Organised by the NZCC
8.	02.09.2012	A cultural programme of dances like Bhangra, Classical, Hip-hop, Rajasthani dance etc.	Organised by Expression Academy, Chandigarh
9.	07.09.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Anni Gali De Mor Te' directed by Sh. Gulzar Pawar	Organised by the NZCC



10.	09.09.2012	Shooting of Punjabi Film 'Tu Mera 22, Main Tera 22'	by Kisaan Productions, Mohali
11.	14.09.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Raja Ki Pareshani' directed by Sh. Ravinder Kumar	Organised by the NZCC
12.	21.09.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Mitti De Putt' directed by Sh. Ikatar Singh	Organised by the NZCC
13.	25.09.2012	Shooting of Feature Film 'Lucky Kabootar'	by Inderjit Films Combine, New Delhi
14.	05.10.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Jab Jaago Tabhi Savera' directed by Sh. Rajiv Mehta	Organised by the NZCC
15.	19.10.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Mitti Da Bawa' directed by Sh. Jasvir Singh	Organised by the NZCC
16.	26.10.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Marriage Bureau' directed by Sh. Ashwani	Organised by the NZCC
17.	02.11.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Bhukal Di Ag' directed by Sh. Jasbir Singh	Organised by the NZCC
17.	02.11.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Bhukal Di Ag' directed by Sh. Jasbir Singh	Organised by the NZCC
18.	09.11.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Mard Agamdhia' directed by Sh. Gaurav Sharma	Organised by the NZCC
19.	16.11.2012	Rangoli & Painting Competitions of School Children from Tricity - Celebration of 27th Foundation Day	Organised by the NZCC



		of NZCC & Children's Day as part of Silver Jubilee Celebrations of Zonal Cultural Centres	
20.	18.11.2012	Annual Cultural Programme	Organised by Winshuttle Software Pvt. Ltd., Chandigarh
21.	18.11.2012	A cultural evening of Sufi Aawaz, Naach aur Saaj	Organised by the NZCC
22.	20.11.2012	A choreographic presentation of folk music, folk instruments, folk dances and folk singing of Punjab for the delegates participating in 'International Conference on Wholesale Markets - Global Opportunities & Innovation' invited by Punjab Mandi Board, Chandigarh	Organised by the NZCC
23.	23.11.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Pidhi Dar Pidhi' directed by Dr. Inderjit Kaur	Organised by the NZCC
24.	30.11.2012 to 09.12.2012	Theme: The Tribes of India Main evenings: (i) Opening Ceremony (ii) Sufi Gayan aur Nritya: performances by Sufi Balbir; (Dr) Dipanwita Singha Roy; & (Dr) Mamta Joshi (iii) Ballet 'Shiva Shakti' by (Dr) Saroja Vaidyanathan & group (iv) Singing Competition - 'Suron Ke Sartaj' (v) Closing Ceremony	Organised by the NZCC in collaboration with U.T. Administration, Chandigarh
25.	16.12.2012	Annual Function	Organised by G.N. Holy Heart Public School (Regd.), Mauli, Chandigarh



26.	21.12.2012	FRIDAY THEATRE: Play: 'Bhand Mirasi' directed by Sh. Ikatar Singh	Organised by the NZCC
27.	22.12.2012 & 23.12.2012	Kid Fest-2012 Chandigarh	Organised by Magic Makers, New Delhi
28.	04.01.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Toya' directed by Sh. Michael Chang	Organised by the NZCC
29.	10.01.2013	'What's With Indian Women' for Fox Traveller (a part of National Geographic Channel)	by Small Screen Production, New Delhi
30.	11.01.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Bikhre Rahi Rul Gaye' directed by Ms. Neetu	Organised by the NZCC
31.	13.01.2013	Folk dance presentations during 'Lohri Celebrations'	Organised by the NZCC in collaboration with Senior Citizens Welfare Association, Manimajra, Chandigarh
32.	18.01.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Jhalli Kithe Jave' directed by Sh. Judge Singh	Organised by the NZCC
33.	19.01.2013	Shooting of video album	by Navdeep Films, Chandigarh
34.	25.01.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Bade Bhai Saheb' directed by Sh. Mohneesh Kalyan	Organised by the NZCC



35.	26.01.2013	Republic Day Function	Organised by M.R.D. Model School, Manimajra, Chandigarh
36.	27.01.2013	Raising Day Celebrations	Organised by Deep Public School (Regd.), Mauli, Chandigarh
37.	01.02.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Vande Matram' directed by Sh. Surinder Singh	Organised by the NZCC
38.	08.02.2013	Presentation of Folk dances of Punjab	Organised by NZCC in collaboration with Senior Citizens Welfare Association, Manimajra, Chandigarh
39.	08.02.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Guru Dakshina' directed by Sh. Mohneesh Kalyan	Organised by the NZCC
40.	10.02.2013	Annual Function	Organised by Sunbeam Public School, Mauli Jagran, Chandigarh
41.	15.02.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Eh Hai Zindagi' directed by Sh. Baninderjit Singh	Organised by the NZCC



42.	16.02.2013 to 25.02.2013	Gandhi Shilp Bazar	Organised by Falah Handicrafts Society (Regd.), New Delhi in collaboration with Development Commissioner (Handicrafts)
43.	19.02.2013	Annual Function	Organised by Saint Hari Public School (Regd.), Manimajra, Chandigarh
44.	22.02.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Mul Di Timi' directed by Ms. Sangeeta Gupta	Organised by the NZCC
45.	22.02.2013	Ghazal/ Sufi Singing by Sh. Arjun Jaipuri and internationally renowned Sufi Poet & Singer Sh. Pashaura Singh Dhillon	Organised by the NZCC
46.	26.02.2013 & 27.02.2013	Shooting of Punjabi feature film 'Ishq Warga Love'	by Bhutani International Pvt. Ltd. Super Films, New Delhi
47.	01.03.2013	FRIDAY THEATRE: Plays: (i) 'Raju Ban Gaya Gentleman' & (ii) 'Saban Di Tikki' directed by Sh. Lakha Lehri	Organised by the NZCC
48.	05.03.2013 to 10.03.2013	Shooting of Hindi Film 'Besharam'	by Darshan Aulakh Productions, Mohali & Movie Temple Productions Pvt. Ltd., Mumbai



49.	08.03.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Jaade Ka Intzam' directed by Sh. Harman Pal Singh	Organised by the NZCC
50.	15.03.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Anni Gali De Mor Te' directed by Sh. Gulzar Pawar	Organised by the NZCC
51.	15.03.2013	Musical evening show	by MH One Network Limited, New Delhi
52.	16.03.2013	Shooting of Hindi Film 'Besharam'	by Darshan Aulakh Productions, Mohali & Movie Temple Productions Pvt. Ltd., Mumbai
53.	22.03.2013	FRIDAY THEATRE: Play: 'Gagan Dmama Baajeo' directed by Sh. Krantipal Singh	Organised by the NZCC
54.	27.03.2013	Holi Celebrations	Organised by Sh. Naresh Kumar Garg, Chandigarh
55.	29.03.2013	FRIDAY THEATRE: Plays: (i) 'So kyu Manda Aakhiye Jit Janme Rajan' & (ii) 'Life Style' directed by Sh. Harpinderjit Singh	Organised by the NZCC



**Photographs of
Major Culture Activities
organized by
North Zone Cultural Centre
during 2012-13**

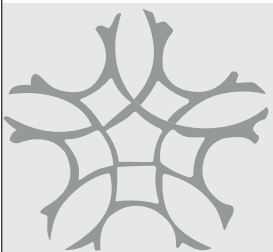




Hon'ble Prime Minister of India Dr. Manmohan Singh, Hon'ble Smt. Sonia Gandhi Chairperson, UPA and Hon'ble Km. Selja, Union Minister of Culture inaugurating the Silver Jubilee Celebrations of ZCC's - "Maati Ke Rang" at Parade Ground, Panchkula



Artistes performing 'Gatka' - Martial Art of Punjab during Silver Jubilee Celebrations of ZCC's





Artistes of Haryana performing during the "4th Chandigarh National Craft Mela" at Kalagram, Chandigarh



View of the "4th Chandigarh National Craft Mela" at Kalagram, Chandigarh

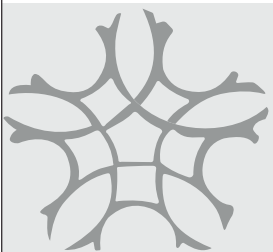




Artistes performing during the Cultural Evening at
Narot Jaimal Singh Distt. Pathankot



Artistes performing during 'Octave - 2013' – a Festival of North East States
held at Jammu





Painters' Camp at Kalagram, Chandigarh



Nukkad Natak performance in rural area of Punjab



9. ANNUAL ACCOUNTS 2012-13

Goel Satish & Co., Chartered Accountants
S.C.O-913, N.A.C, Manimajra, Chandigarh (UT)-160101.
Tele: 0172- 2738807 Fax: 2732031 Cell: 9872615884 E-Mail:satishgoelca@yahoo.com

AUDITOR'S REPORT TO THE DIRECTOR AND MEMBERS OF THE GOVERNING BODY

We have audited the attached Balance Sheet on North Zone Cultural Centre, Virsa Vihar Kendra, Patiala as at 31st March, 2013 and Receipt & Payment Account and Income & Expenditure Account for the period from 01.04.2012 to 31.03.2013 on the above said date thereto and report that:

- a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.
- b) In our opinion proper books of account have been kept by the Centre so far as appears from explanation of the books of the Centre.
- c) In our opinion and to best of our knowledge and according to the explanations given to us the said accounts together with notes forming an integral part of the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account of the Centre.
- d) In our opinion the Balance Sheet gives a true and fair view of Centre's affairs as at 31.03.2013 and the Income & Expenditure Account & Receipt & Payment Account gives a true and fair view of the centre for year ending on 31.03.2013.
- e) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt and Payment Account of the Centre dealt with the report are in agreement with the books of accounts

Place: Chandigarh
Dated: 17-06-2013

**Goel Satish & Co.**
Chartered Accountants
(Registration No. N14693)
Satish Goel, Prop.)
Membership No.:089414

NORTH ZONE CULTURAL CENTRE, PATIALA
Virsa Vihar Kendra, Inside Sherawalan Gate, Patiala-147001

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Schedules Forming Part of the Accounts for the Period Ended 31.03.2013

Significant Accounting Policies (Illustrative)

Schedule 24

1. **Accounting Convention**
The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual Method of accounting.
2. **Inventory Valuation**
 - 2.1 Stores and Spares (including machinery spares) are valued at cost.
 - 2.2 The NZCC is not doing any commercial activity, therefore question of Raw materials, semi-finished goods and finished goods do not arise. NA
3. **Investments**
 - 3.1 Investments classified as "long term investments" are carried at cost. There was no decline in the cost of such Investments at the yearend, therefore no provisions for any deduction in value of investments is required.
 - 3.2 Investments classified as "Current" are carried at lower of cost and fair value. No Provision for shortfall on the value of such investments is required neither individually nor on global basis.
 - 3.3 Cost includes acquisition expenses like brokerage, transfer stamps, if paid any. NA
4. **Excise Duty:**
Liability for excise duty in respect of goods produced by the entity, other than for exports, is accounted upon completion of manufacture and provision is made for excisable manufactured goods as at the year-end. NA
5. **Fixed Assets**
 - 5.1 Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition. In respect of projects involving construction, related pre-operational expenses (incl.) interest on loans for specific project prior to its completion), form part of the value of the assets capitalized.
 - 5.2 Fixed Assets received by way of non-monetary grants, (other than towards the Corpus Fund), are capitalized at values stated, by corresponding credit to Capital Reserve.
6. **Depreciation**
 - 6.1 Depreciation is provided on Written Down Value method as per rates specified in the Income-tax Act 1961, except depreciation on cost adjustments arising on account of conversion of foreign currency liabilities for acquisition of Fixed assets, which is amortized over the residual life of the respective assets.
 - 6.2 In respect of additions to/deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered on pro-rata basis.
 - 6.3 Assets costing Rs.5000/-or less each are provided depending on the nature of item so purchased.
7. **Miscellaneous Expenditure**
Deferred revenue expenditure is written off over a period of 5 years from the year it is incurred, if any Nil
8. **Accounting For Sales :** Nil
Sales include excise duty and are net of sales returns, rebate and trade discount, if any.
9. **Government Grants/Subsidies** Nil
 - 9.1 Govt. grants of nature of contribution of capital cost of setting up projects, if any, treated as Capital Reserve. Nil
 - 9.2 Grants in respect of specified fixed assets acquired, if any, are shown as deduction from cost of related assets. Nil
 - 9.3 Government grants/subsidy is accounted on realization basis. Nil
10. **Foreign Currency Transactions** Nil
 - 10.1 Transactions denominated in foreign currency accounted at exchange rate prevailing at the date of transaction.
 - 10.2 Current assets, foreign currency loans and current liabilities are converted at the exchange rate prevailing as at the year end and the resultant gain/loss be adjusted to cost of fixed assets, if the foreign currency liability relates to fixed assets and in other cases is considered to revenue.
11. **Lease:** Lease rentals are expensed with reference to lease terms
12. **Retirement Benefits** NA
 - 12.1 Liability towards gratuity payable on death/retirement of employees is accrued based on actuarial valuation.
 - 12.2 Provision for accumulated leave encashment benefit to the employees is accrued and computed on the assumption that employees are entitled to receive the benefit as at each year end.

FOR NORTH ZONE CULTURAL CENTRE

Surinder Kumar
(Surinder Bansal)
(Addl. A.O.)

Place: Chandigarh
Dated: 17-06-2013

(B.S. Saroy)
(Director)



NORTH ZONE CULTURAL CENTRE, PATIALA
Virsa Vihar Kendra, Inside Sherawalan Gate, Patiala-147001

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Schedules Forming Part of the Accounts for the Period Ended 31.03.2013

Contingent Liabilities and Notes on Accounts (Illustrative)

Schedule 25

1. Contingent Liabilities

1.1	Claims against the Entity not acknowledged as debts	Rs. Nil	(Previous year Rs. Nil)
1.2	In respect of:		
	- Bank Guarantees given by /on behalf of the Entity	Rs. Nil	(Previous year Rs. Nil)
	- LC opened by Bank on behalf of the Entity- -	Rs. Nil	(Previous year Rs. Nil)
	- Bills discounted with banks	Rs. Nil	(Previous year Rs. Nil)
1.3	Disputed demands in respect of:		
	- Income Tax-	Rs. Nil	(Previous year Rs. Nil)
	- Sales Tax	Rs. Nil	(Previous year Rs. Nil)
	- Municipal Taxes	Rs. Nil	(Previous year Rs. Nil)
1.4	In respect of claims from parties for non-execution of orders, - but contested by the Entity	Rs. Nil	(Previous year Rs. Nil)

2. Capital Commitments

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances) Rs. Nil (Previous year Rs. Nil)

3. Lease Obligations

Future obligations for rentals under finance lease arrangements for P&M Rs. Nil (Previous year Rs. Nil)

4. Current Assets, Loans And Advances

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

5. Taxation

In view of there being no taxable under Income Tax Act 1961, no provision for Income tax has been considered necessary.

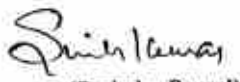
6. Foreign Currency Transactions

		(Amount in Rs.)	
		<u>Current Year</u>	<u>Previous Year</u>
6.1	<u>Value of Imports Calculated on C.I.F. Basis:</u>		
	- Purchase of finished goods		Nil
	- Raw materials & components(including in transit)		Nil
	- Capital Goods		Nil
	- Stores, Spares & Consumables		Nil
6.2	<u>Expenditure in foreign currency:</u>		Nil
a)	Travel		
b)	Remittances and Interest to Financial Institutions/Banks in Foreign Currency		
c)	Other expenditure:		
	- Commission on Sales		
	- Legal and Professional Expenses		
	- Miscellaneous Expenses		
6.3	<u>Earnings:</u>		Nil
	Value of Exports on FOB basis		
6.4	<u>Remuneration to Auditors:</u>		
	As Auditors		
	- Taxation matters		Nil
	- For Management Services		Nil
	- For certification		Nil
	- Others (CAG Auditors)		Rs.56820/-

7. Corresponding figures for the previous year have been regrouped/rearranged, wherever necessary.

8. Schedule 1 to 25 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at 31/03/2013 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

FOR NORTH ZONE CULTURAL CENTRE


(Surinder Bansal)
(Addl. A.O.)

Place: Chandigarh
Dated: 17-06-2013


(D.S. Saroya)
(Director)

FOR GOEL SATISH & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
Firm Regd. No. 010690N



NORTH ZONE CULTURAL CENTRE, PATIALA
Virsa Vihar Kendra, Inside Sheranwala Gate, Patiala - 147001

BALANCE SHEET AS ON 31.03.2013

PARTICULARS	SCHEDULE NO.	Amount in (Rs.)	
		Current Year As at 31.03.2013	Previous Year As at 31.03.2012
CORPUS / CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
Corpus/ Capital Fund	1	189100000.00	181600000.00
Reserves And Surplus	2	120500029.78	107079911.50
Earmarked / Endowment Funds	3	16400000.00	16400000.00
Secured Loans & Borrowings	4	0.00	0.00
Unsecured Loans and Borrowings	5	0.00	0.00
Deferred Credit Liabilities	6	0.00	0.00
Current Liabilities & Provisions	7	10488282.00	122877007.00
Total		336488311.78	427956918.50

ASSETS

Fixed Assets (Net Block)	8	15770704.92	17376132.37
Investments - From Earmarked / Endowment Funds	9	220000000.00	198000000.00
Investment - Others	10	74000000.00	168200000.00
Current Assets, Loans & Advances	11	26717606.86	44380786.13
Total		336488311.78	427956918.50
		0.00	0.00
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	25		

FOR NORTH ZONE CULTURAL CENTRE

Shiv Kumar
(Addl. A.O.)

[Signature]
(DIRECTOR)

Place: Chandigarh
Dated: 17-06-2013

AUDITOR'S REPORT

In the term of our report of even date.

FOR GOEL SATISH & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
Firm Regd. No. 010693N
[Signature]
(CA SATISH GOEL, Prop.)
Membership No. 089414

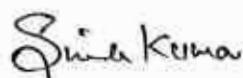
NORTH ZONE CULTURAL CENTRE, PATIALA

Virsa Vihar Kendra, Inside Sheranwala Gate, Patiala - 147001

INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2013

Particulars	Schedule No.	Amount in (Rs.)	
		Current Year As At 31.03.2013	Previous Year As At 31.03.2012
INCOME :			
Income from Sales / Services	12	41335.00	8000.00
Grants / Subsidies	13	40925000.00	29881166.00
Fees / Subscriptions	14	983120.00	944860.00
Income from Investment (Incl. earmarked/endow, funds trfd. to funds)	15	25944807.17	24711024.40
Income from Royalty , Publication etc.	16	0.00	0.00
Interest Earned - On Saving Bank A/cs	17	1344067.50	802515.00
Other Income	18	4466108.00	4597653.00
Increase/(Decrease) in stocks	19	0.00	0.00
Total (A)		73704437.67	60945218.40
EXPENDITURE :			
Establishment Expenses	20	9630349.00	9197973.00
Administrative Charges	21	1791148.94	954272.82
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	0.00	0.00
Programme Expenditure	22-A	46792137.00	36305782.00
Interest	23	156691.00	113906.00
Depreciation (Net Total at yearend - corresponding to Schedule 8)		1913993.45	2106740.16
Total (B)		60284319.39	48678673.98
Balance being Excess of Income over Expenditure	(A-B)	13420118.28	12266544.42
Transfer to Special Reserve (Specify each)		0.00	0.00
Transfer to / from General Reserve		0.00	0.00
BALANCE BEING SURPLUS (DEFICIT) CARRIED TO CORPUS / CAPITAL FUND		13420118.28	12266544.42
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	25		

FOR NORTH ZONE CULTURAL CENTRE


(Addl. A.O.)


(DIRECTOR)

Place: Chandigarh
Dated: 17-06-2013

AUDITOR'S REPORT

In the term of our report of even date.

FOR GOEL SATISH & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
Firm Regd. No. 010693N

(GOEL SATISH GOEL, Prop.)
Membership No. 089414

NORTH ZONE CULTURAL CENTRE, PATIALA

Virsa Vihar Kendra, Inside Sheranwala Gate, Patiala - 147001

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2013

	Amount In Rs. 31.03.2013	Amount In Rs. 31.03.2012	Payments :	Amount In Rs. 31.03.2013	Amount In Rs. 31.03.2012
Receipts:					
1. Opening Balances			1. Expenses		
(a) Cash in Hand	75076.00	58744.00	(a) Programme Expenses		
(b) Saving Bank & Current Accounts	29428813.58	15344970.20	(b) Establishment Expenses		
2 (a) Grants Received from Govt.	40925000.00	29881166.00	(c) Admn. Expenses.		
(b) Capital Grants from Govt.	0.00	0.00	2. Assets Purchased		
(c) Corpus Fund	7500000.00	7300000.00	3. Advances		
(d) Contribution from Public	0.00	0.00	(a) Grants Advances		
(e) Grants for earmarked Fund	0.00	0.00	(b) Programme Advances		
(f) Grant (Silver Jubilee celebrations)	0.00	10000000.00	(c) Staff Advances		
3. (a) Interest from Fixed Deposits	22673746.29	24821607.38	- Silver Jubilee ZCCs		
(b) Interest from SB Accounts	1344067.50	802515.00	(d) Payment of TDS by Bank		
4. Other Incomes			(e) Due by Items (Expenses)		
(a) Other Receipts	5490563.00	5550513.00	(f) Amt. spent (SIC)		
5. Advances			(g) Due by items (EM- SJC)		
(a) Grants Advances	0.00	4400000.00	(h) Due Against Expenses		
(b) Programme Advances	0.00	0.00	- Chq issued not yet presented (ICICI Bank)		
(c) Staff Advances	8434.00	1303.00	(i) Grant Unutilized (Previous Years)		
- Chd. Housing Board	0.00	1314.00	4. Investments		
(d) Loans from Banks	0.00	0.00	(a) Fixed Deposits - Earmarked		
(e) Due by Items (Expenses)	1325184.00	0.00	Others		
(f) Earnest Money	50000.00	0.00	(b) Adv to - Chd. Housing Board		
(g) Due by Items (EM- SJC)	0.00	1000000.00	5 (a) Forfeiture of Grants		
(h) Due Against Expenses to Staff	10729.00		(b) Earnest Money		
- Stale Cheques	22600.00	68347.00	(c) Utilization of Un-utilized		
- Chq issued not yet presented (ICICI Bank)	0.00	1153887.00	Grants of previous years		
(i) Grant Unutilized	10968512.00	6417845.00	(d) Payment of interest/Exp.		
6. Investments : Fixed Deposits/Bond			6. Closing Balances		
(a) Fixed Deposits Earmarked	0.00	10000000.00	(a) Cash in Hand		
Others	94200000.00	0.00	(b) Saving Bank & Current Accounts		
7. Assets Sold	0.00	0.00			
Total Rs.	214022725.37	206802211.58	Total Rs.	214022725.37	206802211.58

FOR NORTH ZONE CULTURAL CENTRE

Shri Kishan
(Addl. A.O.)

Place: Chandigarh
Dated: 17-06-2013

In the term of our report of even date.



AUDITOR'S REPORT

(CASH GOEL, Prop.)
Membership No. 089414

10. AUDIT CERTIFICATE/AUDIT REPORT



भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय महानिदेशक - लेखा परीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़
INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL),
CHANDIGARH - 160017

क्रमांक / No.: DGA/CE/SAR/NZCC/13-14/225
दिनांक / Dated : 06/11/13

To

The Secretary
Ministry of Culture
Government of India
New Delhi

Subject: - Separate Audit Report on the accounts of North Zone Cultural Centre, Patiala for the year ended 31 March 2013.

Sir,

I am to enclose a copy of the Separate Audit Report on the accounts of North Zone Cultural Centre, Patiala for the year ended 31 March 2013 for necessary action at your end. The report may be kept confidential till its presentation in the Parliament.

Yours faithfully

Director General

Encl: As above.

Copy of the above Separate Audit Report is forwarded to Director, North Zone Cultural Centre, Patiala 147001

Director General

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the accounts of the North Zone Cultural Centre, Patiala for the year ended 31 March, 2013.

1. We have audited the Balance Sheet of North Zone Cultural Centre, Patiala on 31 March 2013, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account for the year ended on that date under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for a period up to 2014-15. These financial statements are the responsibility of the North Zone Cultural Centre's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.
2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.
3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.
4. Based on our audit, we report that:
 - i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.
 - ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Governing Body of the North Zone Cultural Centre, Patiala.
 - iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the North Zone Cultural Centre, Patiala in so far as it appears from our examination of such books.
 - iv). We further report that



A. Balance Sheet

I. Liabilities

1.1 Corpus/ Capital fund - ₹1891.00 lakh (Schedule-1)

1.1.1 In accordance with the Common Format of Accounts for Central Autonomous Bodies in the Balance Sheet the balance of Net Income has to be transferred from the Income and Expenditure A/c to Corpus/ Capital Fund. Despite being pointed out in the previous year the Centre has not transferred the Net Income of ₹1205.00 lakh to Corpus/ Capital Fund. This has resulted in understatement of Corpus/ Capital Fund and overstatement of Reserve and Surplus by ₹1205.00 lakh.

1.1.2 Above does not include grant of ₹175.00 lakh receivable towards matching share (₹100.00 lakh from Govt. of Himachal Pradesh and ₹75.00 lakh from Govt. of Jammu & Kashmir). This has resulted in understatement of above as well as of Current Assets Loans and Advances to the extent of ₹175.00 lakh.

2. Assets

2.1 Investment from Earmarked/Endowment Funds : ₹2200.00 lakh (Schedule-9)

Above includes investments of ₹1891.00 lakh and of ₹145.00 lakh made out of Corpus/Capital Fund and Reserve & Surplus respectively. This has resulted in overstatement of above and understatement of Investment-Others to the extent of ₹2036.00 lakh.

B. Grant-in-Aid

The Centre out of available funds of ₹470.17 lakh which includes grant of ₹385.25 lakh received during the year 2012-2013 and an unspent grant of ₹84.92 lakh of previous year 2011-12, utilized ₹474.94 lakh during the year 2012-2013, resulting in excess utilization of ₹4.77 lakh during the year 2012-13.

In addition to above out of ₹1084.80 lakh available funds for Silver Jubilee Celebrations of Zonal Cultural Centers, which includes grant of ₹1000.00 lakh, transfer of funds of ₹60.92 lakh out of North East Funds and interest of ₹23.88 lakh, Centre utilized a sum of ₹1085.94 lakh, resulting in excess utilization of ₹1.14 lakh during the year 2012-13.

C. Effect of Audit comments on Accounts

The net impact of the comments given in preceding paras is that the assets as well as liabilities as on 31.03.2013 were understated by ₹175.00 lakh.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

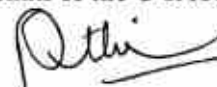


vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the North Zone Cultural Centre, Patiala as at 31st March 2013, and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India



Director General of Audit (Central), Chandigarh

Place: Chandigarh

Date:





मुख्य कार्यालय

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र

विरसा विहार केन्द्र, नज़दीक भाषा भवन,
शेरांवाला गेट, पटियाला (पंजाब)-147001

फोन: 0175-2211429, टेलीफैक्स: 0175-2202918

उप कार्यालय

कलाग्राम

मनीमाजरा, चण्डीगढ़, टेलीफैक्स : 0172-2735462

Head Office

NORTH ZONE CULTURAL CENTRE

Virsa Vihar Kendra, Near Bhasha Bhawan, Sheranwala Gate
Patiala (Punjab) 147 001

Phone: 0175-2211429 Telefax: 0175-2202918

Sub-Office

KALAGRAM

Manimajra, Chandigarh, Telefax: 0172-2735462

E-mail: nzccindia@yahoo.com/nzccindia@gmail.com

website: culturenorthindia.com

Annexure

1. Adequacy of Internal Audit System

No internal audit system has been introduced by the Centre. It needs to be introduced considering the jurisdiction of the organization over a large area and diversified nature of activities, particularly in regard to disbursal adjustment of advances and accounting of expenditure there against.

2. Adequacy of Internal Control System

Internal Control was not adequate to the size and nature of the organization.

3. System of Physical Verification of Fixed Assets

Physical verification of Fixed Assets was done.

4. System of Physical Verification of inventory

Physical verification of Inventory was done.

5. Regularity in payment of Statutory Dues

The Centre was regular in depositing statutory dues.

Dr. (H.S.)
Director 9/11/17

